शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस आंतरिक आरक्षण का राजनीति के लिए कर रही इस्तेमाल: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-300

मेथामफेटामाइन जैसी खतरनाक ड्रग बनाने के काले धंधे का पर्दाफाश

राजधानी दिल्ली में चल रही थी नशीली दवा बनाने वाली फैक्ट्री

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ एक साझा अभियान में दिल्ली एनसीआर में चल रहे एक गुप्त मेथामफेटामाइन निर्माण प्रयोगशाला का भंडाफोड़ किया है। इस लैब से कई देशों में ड्रग्स निर्यात की जा रही थी। इसे ड्रग माफिया का दुस्साहस ही कहा जाएगा कि दिल्ली एनसीआर में विभिन्न जांच एवं सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदगी के बीच मेथामफेटामाइन जैसी खतरनाक ड्रग तैयार करने के लिए लैब स्थापित कर दी गई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गौतम बुद्ध नगर में स्थित इस लैब पर छापेमारी की थी। ब्यूरो को खतरनाक ड्रग्स तैयार करने वाली इस लैब के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। यह भी मालूम हुआ कि यहां से भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भेजने के लिए भी सिंथेटिक दवाएं तैयार की जा रही हैं।

छापेमारी के दौरान लैब से ठोस और तरल, दोनों ही रूपों लगभग 95 किलोग्राम मेथामफेटामाइन के साथ-साथ दूसरे रसायन और ड्रग्स तैयार करने वाली मशीनरी बरामद भी की गई है। इस मामले में दिल्ली के एक व्यापारी और तिहाड़ जेल के कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि लैब के संचालन में इन दोनों लोगों की अहम भूमिका है। एनसीबी के मुताबिक, मुंबई के एक केमिस्ट की मदद से ड्रग्स तैयार की जाती थी। मेथामफेटामाइन लैब से 95 किलोग्राम ड्रग्स जब्त हुई है। एनसीबी के डीडीजी ज्ञानेश्वर सिंह (आईपीएस) के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ मिलकर एनसीबी की ऑप्स यूनिट ने एक संयुक्त अभियान में दिल्ली एनसीआर में एक गुप्त मेथामफेटामाइन निर्माण प्रयोगशाला का भंडाफोड़ किया है। इस लैब से कई देशों में ड्रग्स निर्यात की जा रही थी। प्रयोगशाला में मैक्सिकन सीजेएनजी ड्रग कार्टेल (कार्टेल डी जलिस्को नुएवा जेनरेशन) ▶10 पर

धंधे में लिप्त हैं कई सफेदपोश, तिहाड़ जेल का वार्डन भी शामिल

दूसरे देशों तक खतरनाक ड्रग भेजने का सक्रिय जरिया थी फैक्ट्री

आयुष्मान योजना नहीं चला रही दिल्ली और बंगाल सरकार

माफी मांग रही भारत सरकार

अशक्त एवं विवश होने की पीएम मोदी ने दी सनद

दिल्ली और बंगाल के बुजुर्गों से मैं माफी मांगता हूं

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सार्वजनिक तौर पर अपनी अशक्तता की स्वीकारोक्ति की। प्रधानमंत्री ने यह मान लिया कि केंद्र सरकार के मुखिया होने के बावजूद कुछ राज्यों में केंद्र की योजनाएं नहीं चल पा रहीं और वे उन राज्यों पर कोई कार्रवाई भी नहीं कर पा रहे। प्रधानमंत्री मोदी के आज के बयान ने पूरे देश को एहसास दिलाया कि अब वे मोदी नहीं रहे, जिनकी हिम्मत और आत्मशक्ति से पूरा देश शक्तिवान महसूस करता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों से माफी मांगी और रुआंसी आवाज में कहा कि वहां की राज्य सरकारें केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना अपने राज्यों में लागू नहीं कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थों के कारण कुछ राज्यों में इसके क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न की जा रही है। लेकिन ऐसा कहते हुए प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा कि केंद्र की योजनाओं को प्रदेश में लागू नहीं करने के अपराध के खिलाफ वे आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में कई स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती होने पर 5 लाख रुपए तक का व्यापक कवरेज प्रदान करना है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों से क्षमा मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मैं उनसे क्षमा मांगता हूं कि मैं आपकी स्थिति जानूंगा, जानकारी लूंगा, लेकिन आपकी मदद नहीं कर पाऊंगा। इसका कारण यह है कि दिल्ली की सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार इस आयुष्मान योजना से नहीं जुड़ रही है। दिल्ली और बंगाल के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत का लाभ नहीं मिल पाएगा क्योंकि उनकी सरकारें राजनीतिक कारणों से इसे लागू नहीं कर रही हैं। पूरे देश ने प्रधानमंत्री के कमजोर होने की अभिव्यक्ति सुनी और 56 इंच के सीने की पुरानी बातें याद कीं।

पीएम ने कहा, अपने राजनीतिक हितों के लिए अपने ही राज्य के बीमार लोगों पर अत्याचार करने की प्रवृत्ति किसी भी मानवीय दृष्टिकोण के खिलाफ है और इसलिए मैं पश्चिम बंगाल के बुजुर्गों से क्षमा मांगता हूं, मैं देश के लोगों की सेवा कर सकता हूं, लेकिन राजनीतिक पेशे की दीवारें मुझे दिल्ली और पश्चिम बंगाल के बुजुर्गों की सेवा करने से रोक रही हैं। दिल्ली और पश्चिम बंगाल उन राज्यों में से हैं जहां केंद्र की आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भारत को मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के एक बड़े केंद्र के रूप में देख रही है। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत योजना एक ऐसी योजना है जिसका उद्देश्य कम आय वाले परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज तक मुफ्त पहुंच प्रदान करना है। इस योजना को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से 2018 में लॉन्च किया गया था। ▶10 पर

अखनूर में तीन आतंकियों की मौत के साथ सेना का ऑपरेशन पूरा

पर कितने आतंकी भारत में घुसे थे, यह सवाल अधूरा

देखे गए 7, मारे गए 3 : तो ऑपरेशन कैसे हो गया पूरा

अभी भी छुपे बैठे हैं आतंकी, स्थानीय लोगों की आशंका

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 अक्टूबर। सेना ने एनएसजी कमांडो के साथ मिल कर अखनूर सेक्टर के बटल इलाके में ताजा घुसपैठ करने वाले आतंकियों में से तीन का सफाया कर ऑपरेशन को समाप्त करने की घोषणा की है। पर अभी तक यह सवाल अनुत्तरित है कि पाकिस्तान से कितने आतंकियों ने घुसपैठ की थी। इलाके के लोगों ने 5 से 7 आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी थी। बाद में वे दो दलों में बंट गए थे। कल सेना ने राकेट लांचरों के इस्तेमाल के तुरंत बाद तीन आतंकियों के सफाए की घोषणा कर दी और ड्रोन से ली गई आतंकियों की तस्वीरें भी जारी कर दीं। लेकिन सेना ने यह कैसे समझ लिया कि आतंकी तीन ही थे? जबकि देखे गए थे पांच से सात आतंकी? सेना के आला अधिकारी से लेकर राज्य प्रशासन तक इस पर खामोश है कि बटल में कितने आतंकियों के साथ सेना का मुकाबला हो रहा था? जबकि स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ घायल आतंकियों के आसपास के इलाके में छुपे होने की पूरी संभावना है और वे वापस पाक कब्जे वाले कश्मीर में भागने की ताक में लगे होंगे।

इलाके में टैंक और बीएमपी-एपीसी के भारी वाहन उतारने का निर्णय इसीलिए लिया गया था कि छुपे या बचे हुए आतंकियों को कुचला जा सके। सेना द्वारा जारी एक तस्वीर में एक आतंकी को टैंक की चेन के नीचे फंसा हुआ देखा जा सकता है ▶10 पर

घुसपैठ पर पूर्ण रोक के दावे झूठे साबित हो रहे

जम्मू, 29 अक्टूबर (ब्यूरो)। पहले गगनगीर का नरसंहार और अब अखनूर के बटल में आतंकी दलों का हमला। दोनों ही हमलों में सामान्य बात एक ही थी कि आतंकी उस पार से घुसपैठ कर आए थे। इस घुसपैठ ने सुरक्षाबलों के उन दावों की धज्जियां जरूर उड़ाई हैं जिसमें कहा जा रहा था कि एलओसीके साथ ही इंटरनेशनल बॉर्डर पर घुसपैठ रोधी ग्रिड सबसे मजबूत है।

सेना का दावा है कि उसने शीतकाल में सीमा पार से घुसपैठ की आशंका के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में एलओसी पर चौकसी और बढ़ाई है। सेना आधिकारिक तौर पर कह रही है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सर्दियों में घुसपैठ हो सकती है। पीओके में आतंकियों के शिविर चल रहे हैं और वे सभी घुसपैठ की फिराक में हैं, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

तेलंगाना पुलिस का कोई लोकतांत्रिक अधिकार नहीं

आवाज उठाई तो 10 पुलिसकर्मी बर्खास्त, 21 गिरफ्तार

अपराधियों की तरह गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मी

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह स्पष्ट हो गया कि तेलंगाना पुलिस में काम करने वाले पुलिसकर्मियों का अपना कोई लोकतांत्रिक अधिकार नहीं है। अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाने पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने 10 पुलिसकर्मियों को नौकरी से ही निकाल बाहर किया। 21 पुलिसकर्मियों को अपराधियों की तरह गिरफ्तार कर लिया गया है। तेलंगाना विशेष पुलिस (टीजीएसपी) के 10 कर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसके अलावा, 21 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सभी पुलिसकर्मियों के लिए समान नीतियों की मांग को लेकर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद हुई है।

तेलंगाना पुलिस प्रशासन का कहना है कि पुलिसकर्मियों को बार-बार चेतावनी दी गई थी कि वे अपनी आवाज न उठाएं। वे किसी भी विरोध प्रदर्शन से दूर रहें। पुलिस प्रशासन को मलाल है कि चेतावनी के बावजूद 10 पुलिसकर्मियों ने इसका उल्लंघन किया और अपनी आवाज उठाई। पुलिस प्रशासन ने समस्या सुलझाने के बजाय आवाज दबाने की कार्रवाई को चुना। प्रशासन का कहना है कि इससे बटालियन का अनुशासन प्रभावित हुआ। उनके इस तरह के कार्यों में लगे रहने से बल की छवि धूमिल हुई। ▶10 पर

एलएसी से वापस लौटे भारत और चीन के सैनिक

देपसांग और डेमचोक इलाकों से सेनाएं हटीं

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी लद्दाख सेक्टर के देपसांग और डेमचोक इलाकों में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। भारत और चीन की सेनाएं एक-दूसरे की तरफ से वहां से अपनी-अपनी जगह खाली करने और बुनियादी ढांचे को हटाने की पुष्टि कर रही हैं।

कुछ दिनों पहले शुरू की गई भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया देपसांग और डेमचोक में करीब 90 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी है। इस प्रक्रिया में दोनों पक्षों से बुनियादी ढांचे को हटाना और सैनिकों को वापस बुलाना शामिल है। यह प्रक्रिया मंगलवार को पूरी हो गई।भारतीय सेना का लक्ष्य 29 अक्टूबर तक दोनों क्षेत्रों में डिसइंगेजमेंट को अंतिम रूप देना था, जिसके बाद समन्वित गश्त शुरू होगी। भारत इस लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने की दिशा में काम कर रहा है ताकि क्षेत्र में चीनी आक्रमण की शुरुआत से पहले अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो सके।

क्षेत्र में सैनिकों की गश्त जारी रहेगी

कुछ दिन पहले, चीनी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि दोनों देशों के सीमावर्ती सैनिक सीमा मुद्दों पर हुए समझौते के अनुरूप प्रासंगिक काम में लगे हुए हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि यह काम सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत और चीन ने टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी शुरू कर दी है, लिन जियान ने कहा, सीमा मुद्दों पर हाल के प्रस्तावों के अनुसार, चीनी और भारतीय सीमावर्ती सैनिक प्रासंगिक कार्य में लगे हुए हैं, जो वर्तमान में सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। 21 अक्टूबर को भारत ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के लिए चीन के साथ एक समझौते की घोषणा की, जिससे चार साल से अधिक समय से चल रहा सैन्य गतिरोध समाप्त हो गया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,160/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,00,670/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 22°

हरियाणा की जीत ने कम की भाजपा और संघ की दूरियां

अब कंधे से कंधा मिलाकर साध रहे झारखंड और महाराष्ट्र

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने पूरी तरह कमर कस ली है। हरियाणा में पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने न सिर्फ भाजपा को आत्मविश्वास दिया है बल्कि आरएसएस के साथ उसके रिश्तों में आई दरार को भी पाटा है। हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक में संघ परिवार के जमीनी प्रयासों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पिछले हफ़्ते उत्तर प्रदेश के मथुरा में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरएसएस के जनरल सेक्रेटरी दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि संघ और भाजपा के बीच सब ठीक है। पहली बार आरएसएस ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के लोकसभा चुनाव से पहले दिए गए विवादास्पद बयान पर भी बात की जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा को अपने काम चलाने के लिए आरएसएस की ज़रूरत नहीं है क्योंकि अब वह अपने आप में सक्षम है। होसबोले ने कहा कि संघ नड्डा के बयान की भावना को समझता है और यह किसी तनाव का कारण नहीं है।

भाजपा नेता इस बात पर जोर देते हैं कि जमीनी स्तर पर पार्टी और संघ के कार्यकर्ताओं के बीच कभी कोई तनाव नहीं रहा। उन्होंने इसे अटकलबाजी करार दिया। लोकसभा चुनाव में मिली हार दोनों पक्षों के लिए आंख खोलने वाली रही। अब दोनों पक्षों को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। संघ के लिए हरियाणा की जीत एक तरह से संतोषजनक रही कि उसका संगठन और नेटवर्क अभी भी चुनाव का रुख बदल सकता है। फिर भी, कुछ चीजों पर काम करने की आवश्यकता थी। यह कई चर्चाओं के दौरान किया गया था, जिसमें रांची और पलक्कड़ में हाल ही में आरएसएस की बैठकों के दौरान और दिल्ली में भी चर्चाएं शामिल थीं। दोनों संगठनों के बीच कभी भी वैचारिक संघर्ष नहीं था, केवल कार्यात्मक कठिनाइयां थीं। इन्हें सुलझाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख योजनाओं की निगरानी का जिम्मा केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपने का फैसला इसी कवायद का हिस्सा है। शिवराज सिंह चौहान को आरएसएस का पसंदीदा माना जाता है और वे अगले भाजपा अध्यक्ष पद के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवारों में से एक हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट से भी संकेत मिल रहे हैं, जिसमें उन्होंने लोगों से उनके द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया था।

माना जाता है कि हरियाणा में आरएसएस के छोटे पैमाने पर नेटवर्किंग, सामाजिक संपर्क और छोटी-छोटी सभाओं के पारंपरिक तरीकों ने विपक्ष के ▶10 पर

प्रियंका गांधी की सियासी शुरुआत पर नजर

पिछले दो दशक से यह सवाल लोगों के मन में था कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव मैदान में कब उतरेंगी और अब यह इंतजार खत्म हुआ क्योंकि प्रियंका केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ रही हैं। अगर वह चुनाव जीत जाती हैं तो लोकसभा में पहुंच जाएंगी। वायनाड लोकसभा सीट से 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को ही जीत मिली थी। तब प्रियंका गांधी वाड्रा के भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस सीट से चुनाव जीते थे।

वायनाड सीट को कांग्रेस के लिए इसलिए भी बेहद सुरक्षित माना जाता है क्योंकि 2009 में यहां पहली बार चुनाव होने के बाद से लगातार कांग्रेस ही जीत दर्ज करती आ रही है। भाजपा ने वायनाड से नव्या हरिदास को उम्मीदवार बनाया है जबकि सीपीआई के टिकट पर पूर्व विधायक सत्यन मोकेरी चुनाव लड़ रहे हैं। वायनाड लोकसभा सीट पर 41% मुस्लिम मतदाता हैं जबकि 13% ईसाई, 10% आदिवासी और 7% दलित मतदाता हैं। ▶10 पर

वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन

अनंत आनंद की प्राप्ति वीतरागता के पथ पर बढ़ने से ही संभव : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा प्रदत्त अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशित महत्वपूर्ण आयाम वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन साध्वी सिद्ध प्रभा जी के सान्निध्य मे तेयुप विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन विजयनगर में किया गया। वीतराग पथ कार्यशाला की शुरुआत साध्वी द्वारा नवकार मंत्र के मंत्रोच्चार से हुआ। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा मोक्ष मार्ग पर बढ़ते हेतु इस कार्यशाला से संयम जीवन की प्रेरणा मिलती रहेगी। वीतराग पथ कार्यशाला को संबोधित करते हुए साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने कहा वीतरागी बनना हमारा परम लक्ष्य होना चाहिए। वीतरागी बनने के लिए प्रमाद से रहित जागरूकता से कर्मों के बंधन से बचना चाहिए। साध्वी ने आचार्य श्री तुलसी के महनीय अवदान ज्ञानशाला के वर्तमान स्वरूप की परिकल्पना हेतु गुरुदेव तुलसी का मंगल स्मरण किया। आचार्य महाश्रमण जी द्वारा प्रदत्त इस विशेष आयाम का युवक परिषद् द्वारा आयोजन संयम मार्ग को प्रशस्त करने वाला बने। साध्वी ने साधु जीवन और श्रावक जीवन की महत्ता पर बल दिया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिका वर्षा बैद ने थावच्चापुत्र की कहानी नाट्य संवाद द्वारा प्रस्तुत की। उपस्थित बच्चों को संयम की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने भी कार्यशाला पर विचार व्यक्त करते हुए चार गति का वर्णन किया। बच्चों को विद्वान, महान और अच्छा साधु बनने के लिए दर्शन केंद्र पर प्रयोग करवाया। कार्यक्रम में ज्ञानार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा रोचकता प्रदान की गई। इस अवसर पर आभातेयुप से विकास बाँठिया, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया ने शुभकामनाएं संप्रेषित की।

इस अवसर पर परिषद से सह मंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, वीतराग पथ कार्यशाला संयोजक देवांग बैद एवं करण मांडोत, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, टीना मांडोत, सुनीता पटावरी आदि ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं की उपस्थिति एवं सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने किया। इस कार्यशाला में लगभग 135 लोगों की सहभागिता दर्ज हुई।

जन्म जयंती के अवसर पर गुणों का स्मरण

आचार्य देवेंद्रमुनि की साहित्य सेवा अविस्मरणीय: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने आचार्य देवेंद्रमुनि की 94वीं जन्म जयन्ती के अवसर पर उनका गुणगान करते हुए कहा कि प्रकाश वहां है जहां साहित्य है। जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट देवेन्द्र मुनि एक साहित्य सर्जक महापुरुष थे।

उन्होंने अपने जीवन काल में लगभग 300 ग्रंथों का लेखन व संपादन किया। आचार्य देवेन्द्र मुनि ने मात्र 9 वर्ष की आयु में ही जैन मुनि भगवती दीक्षा अंगीकार कर ली थी। उनके गुरुदेव उपाध्याय प्रवर पुष्कर मुनि थे। विशेष बात यह है कि आचार्य देवेन्द्र मुनि की जन्मदात्री माता एवं बहन ने भी जैन भगवती साध्वी दीक्षा ग्रहण की थी। उनका जीवन सरलता और मधुरता से परिपूर्ण था। वें अनेक भाषाओं के ज्ञाता थे। आचार्य देवेन्द्र मुनि ने अनेक वर्षों तक जैन एवं जैनेत्तर आगम ग्रंथों का अध्ययन किया। फलस्वरूप वे एक साहित्य मनीषी के रूप में प्रसिद्ध हुए। उनकी सद्प्रेरणा से उदयपुर में तारक गुरु ग्रंथालय की स्थापना हुई। आचार्य आनंद ऋषि ने उन्हें श्रमण संघ का उपाचार्य घोषित किया। आचार्य के देवलोक गमन के पश्चात देवेन्द्र मुनि तृतीय पट्टधर के रूप में प्रतिष्ठित हुए। सात वर्षों तक उन्होंने श्रमण संघ का कुशल नेतृत्व करते हुए संगठन का अद्भुत कार्य किया। जिस समय वे उत्तर भारत पधारे पद यात्रा करते हुए उस समय हमें भी उनके पावन दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपके जन्म जयंती के अवसर पर आपके संयम आपके सद्गुणों को श्रद्धा पूर्वक नमन करते है। धनतेरस के पावन पर्व पर उन्होंने कहा जीवन का सबसे बड़ा धन निरोगी काया है। धनतेरस का पहला संदेश है तन को स्वस्थ रखो, दूसरा रिश्ते रखने के लिए परिवार को समय दो, तीसरा धर्म के लिए समय निकालो। धर्म ही असली धन है। धनतेरस के अवसर पर चेतन रेदासनी परिवार की ओर से सेवकदारो को वस्त्र वितरित किए गए। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

तप की अग्नि में निखरकर कर ही आत्मा में निखार संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान कहा कि तप रुपी अग्नि से ही आत्मा निखरेगी। बाह्य शुद्धि से अधिक महत्वपूर्ण आन्तरिक शूद्धि है। शरीर तो वापस मैला हो जाएगा, लेकिन आत्मा एक बार शुद्ध हो जाती है तो वही हमें इस संसार सागर से तारने का कार्य करती है। 13वें अध्ययन चित्र सम्भूति से आगे विवेचना करते हुए गुरुदेव ने बताया कि आत्मा स्वयं कर्म करती और आत्मा ही भोगती है। जो पुण्य आत्मा करती है उसका इन्द्रियां भी सुख भोगती है। उत्तराध्ययन सूत्र में साधु साध्वी के आचार विचार के बारे में बताते हुए कहा गया है कि जो ज्ञान दर्शन चारित्र की आराधना के द्वारा अपने कर्मों का नाश करता है वही भिक्षु है। साधु साध्वी को शेर के जैसे दीक्षा ग्रहण करनी चाहिए और शेर के जैसे ही दीक्षा पालन करना चाहिए। जब कर्मों ने साक्षात तीर्थंकर परमात्मा को नहीं छोड़ा, तो हमें विचार करना होगा कि हमारा क्या होगा। अहंकार के कारण भगवान की आत्मा को अनेक बार नीच गौत्र में जन्म लेना पड़ा और अन्त में देवानंदा की कुक्षी में जन्म लेना पड़ा। वासुदेव के भव में द्वारपाल के कानों में शीशा डलवाया उसका फल भी अंतिम भव में भुगताना पड़ा। भगवान दया के सागर और करुणा के आगर थे। उन्होंने सब कुछ समभाव से सहन किया और महावीर के भव में केवलज्ञान प्राप्त कर स्व और पर कल्याण करते हुए मोक्ष पधारे।

कैंसर संस्थान में फलों का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने किदवई कैंसर संस्थान में लगभग 400 लोगों में फल वितरित किए।

देखभाल करने वालों और कैंसर रोगियों को केले और संतरे मिले, जिससे माहौल गर्मजोशी और दयालुता से भर गया। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर की अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने कहा महावीर इंटरनेशनल में, हम इस आदर्श वाक्य में विश्वास करते हैं। सभी से प्यार करो, सभी की सेवा करो। जरूरतमंदों की मदद करने का हर अवसर हम पूरे दिल से अपनाते हैं। भारती के साथ, मुख्य सचिव विजय राज सिसोदिया ने देखभाल करने वालों को चावल और दाल का पौष्टिक भोजन दिया, जो चुनौतीपूर्ण समय का सामना करने वालों का समर्थन करने के लिए संगठन के समर्पण को दर्शाता है। कार्यक्रम में सदस्य वीर पदम भूरट और वीर आशिक पिरगल भी शामिल हुए। भारती ने कहा यह हमारे लिए बहुत ही मार्मिक अनुभव था। उन लोगों के प्रति दयालुता दिखाना और उन्हें शक्ति प्रदान करना आवश्यक है जो अभिभूत महसूस कर सकते हैं। हमें इन लोगों के जीवन में आशा की एक छोटी सी किरण लाने का सम्मान है।

साधक अपने जीवन में व्रत–नियम अपनाएं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि प्रभु महावीर ने आत्म कल्याण के लिये सभी आत्मार्थी साधक के लिये जितना हो सके अपनी शक्ति - सार्मथ्यानुसार अपने जीवन में कुछ ना कुछ व्रत- पच्चखाण - नियम धारण करने की शिक्षा दी है। विवेकी ही धर्मात्मा हो सकता है। श्रावक भी तभी श्रावक कहला सकता हैं जब उसके जीवन में कोई न कोई मर्यादा और व्रत हो और वह नियम अंगीकार कर उसका पालन करता हो। वरना बिना व्रत धारण किये और पालना किये वह श्रावक नहीं एक आम गृहस्थ ही कहा जायेगा। जीवन में साधक व्रत–नियम रखेंगे तो वे हमेशा जागरुक सावधान बनकर प्रत्येक कार्य में विवेक उपयोगपूर्वक प्रवृत्ति और निवृत्ति का ध्यान रखेंगे। संयम ही जीवन हैं। असंयम मृत्यु के समान है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एकता दौड़ा का आयोजन

वल्लभभाई पटेल ने अपने तरीके से इस देश की एकता की सेवा की: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल, जो देश के पहले गृह मंत्री थे और लौह पुरुष के नाम से जाने जाते थे, के जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एकता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत कांतीरवा स्टेडियम में सुबह एकता दौड़ा का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने तरीके से इस देश की एकता की सेवा की है। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अद्वितीय योगदान दिया। उनकी स्मृति में रन फॉर यूनिटी के माध्यम से देश में उनके योगदान के बारे में अगली पीढ़ी को सूचित करने का अच्छा

इरादा है। दिवाली के अवसर पर आज हमने एकता दौड़ का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी राजनीतिक नहीं है। सरदार वल्लभभाई पटेल का देश की एकता और अखंडता का सपना आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उनके आह्वान पर आयोजित किया गया है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। उस संकल्प को पूरा करने के लिए देश की अखंडता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विपक्षी नेता आर. अशोक ने बताया कि पटेलों ने कर्नाटक में निजाम के शासन को समाप्त कर दिया और विद्रोह, बलात्कार और अत्याचारों को रोककर भारत को एकजुट किया। उन्होंने कहा कि हम उनका 150वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दौड़ देश की एकता के लिए है, देश का नेतृत्व करने के लिए है, विकास के लिए है। इस मौके पर विधायक कृष्णप्पा, रवि सुब्रमण्यम, रघु, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, नंदीश रेड्डी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष हरीश और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस साल 60 हजार कर्मचारियों की भर्ती होगी

कन्नड़ में रेलवे विभाग भर्ती परीक्षा की अनुमति: केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय जल शक्ति और रेलवे राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि भारतीय रेलवे विभाग में इस साल 60 हजार कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। कन्नड़ में भी परीक्षा लिखने का अवसर है।

उन्होंने शहर के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में रोजगार मेला कार्यक्रम का उद्घाटन और सरकारी नौकरियों के लिए चयनित 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय रोजगार योजना की शुरुआत की।

2014 से अब तक 12 संस्करणों में जॉब फेयर आयोजित किया जा चुका है और अब तक 14 लाख से अधिक जॉब भर्ती पत्र वितरित किये जा चुके हैं। इससे योग्य लोगों को नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक रेलवे विभाग में मिशन मोड में 5.2 लाख नौकरियां दी गई हैं। डाक विभाग में और भी भर्तियां होने जा रही हैं। कर्नाटक भारत का सांस्कृतिक राज्य है, मैसूरु कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत नरेंद्र मोदी की सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आयुष्मान भारत योजना, मुद्रा योजना, बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ आदि योजनाएं लागू और विकसित की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वाणी एवं श्रवण संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए 150 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। देश की अपनी विरासत और इतिहास है। सभी को देशभक्ति का भाव विकसित करना चाहिए। नौकरी पाने वाले 51 हजार अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं। उन्होंने बताया कि मैसूरु संभाग में 171 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये जा रहे हैं।

कोडागु मैसूरु लोकसभा सांसद यदुवीर कृष्ण दत्त चामराजा वॉडियार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की नींव रखी है। विकासशील भारत ने 2047 के लिए विकास लक्ष्य तैयार किया है। सरकार के कई विभाग देश के विकास और रोजगार में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य बहुत अच्छा है और विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। इस मौके पर विधायक श्रीवत्स, दक्षिण कर्नाटक मंडल के डाक निदेशक संदेश महादेवप्पा, रेलवे विभाग की डीआरएम शिल्पी अग्रवाल, आयुष संस्थान की निदेशक पुष्पावती, दक्षिण भारत पीटीओ मास्टर महाप्रबंधक चंद्रशेखर काकुमन और अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस आंतरिक आरक्षण का राजनीति के लिए कर रही इस्तेमाल: विजयेंद्र

सरकार आरक्षण देने के प्रति ईमानदार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जातियों में आंतरिक्ष आरक्षण देने के प्रति ईमानदार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार सिर्फ उपचुनाव में राजनीतिक फायदे के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी सरकार आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर गंभीर होती तो उन्होंने कांताराजु रिपोर्ट (सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक सर्वे, जिसे जातीय जनगणना भी कहा जाता है) पर ही बहुत पहले कार्रवाई कर ली होती, लेकिन कांग्रेस पार्टी और सीएम सिद्धरामैया सिर्फ इस मुद्दे का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करती है और सिर्फ असमंजस पैदा करती है। पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मुख्यमंत्री या कांग्रेस सरकार इस विशेष मुद्दे पर ईमानदार हैं। भाजपा ने इस विषय पर बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है, लेकिन जब उपचुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो सिद्धरामैया और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक की चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा। भाजपा ने कांग्रेस सरकार से आंतरिक आरक्षण लागू करने की मांग की थी। अब उपचुनाव से पहले जब कर्नाटक सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है तो भाजपा ने सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। केंद्र सरकार ने जो सुझाव दिया था, उसके मुताबिक अनसूचित जाति (बाएं) को 6 प्रतिशत, अनुसूचित जाति (दाएं) को 5.5 प्रतिशत और बंजारा, भोवी, कोरचा, कुरुमा आदि जातियों को 4.5 प्रतिशत और बाकी अन्य अनुसूचित जातियों को देने की बात कही गई थी। इससे पहले विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार किसानों के साथ गलत काम कर रही है। शहर में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने सवाल किया कि अगर विरासत में मिली संपत्ति रातों-रात वक्फ संपत्ति घोषित हो जाए तो किसानों को क्या करना चाहिए। हम उनसे लड़ेंगे। हम किसानों को आवाज देते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अगर हम कहेंगे कि हम उनके समर्थन में खड़े होंगे तो कांग्रेस हम पर राजनीति करने का आरोप लगाएगी। अल्पसंख्यकों के उत्थान और इस देश को जाति और धर्म के आधार पर बांटने का काम कांग्रेस पार्टी पहले से करती आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीर अहमद के नेतृत्व में आज राज्य में आगजनी हुई है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। मंत्री ने मान लिया है कि उन्होंने 120 किसानों को नोटिस दिया है। क्या इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है? उन्होंने पूछा कि क्या यह भापजा की वजह से है। उन्होंने विश्लेषण किया कि यदि भाजपा ने इसे गंभीरता से नहीं लिया होता तो राज्य सरकार की कार्रवाई के कारण सैकड़ों वर्षों से हल चलाने वाले किसान सड़कों पर आ गये होते। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल के नेतृत्व में भाजपा की टीम बीजापुर पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि वे बीजापुर जिले के सभी तालुकों का दौरा करेंगे और किसानों से संपर्क कर उन्हें आश्वस्त करेंगे। भाजपा का मामला साफ है। प्रदेश सरकार किसानों को परेशान करने का काम कर रही है और भाजपा किसानों की पक्षधर है। हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि हम किसानों की इस समस्या के समाधान के लिए पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कानूनी सहायता सहित हर तरह का सहयोग करेगी और उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा निखिल कुमारस्वामी वरिष्ठ पूर्व प्रधान मंत्री देवेगौड़ा के पोते हो सकते हैं। लेकिन आज वह एनडीए के उम्मीदवार हैं। निखिल कुमारस्वामी को जिताना हम सबका कर्तव्य है। इस उम्र में भी पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा का जज्बा काबिले तारीफ है। देवेगौड़ा युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। वे आएंगे और प्रचार करेंगे, इसलिए कांग्रेस पार्टी चिंतित है। उन्हें यह बात समझ में आ गई कि अगर देवेगौड़ा आ गए तो वह उस क्षेत्र को नहीं बचा पाएंगे।

धोखाधड़ी का मामला

कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के भाई को रिहा करने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के भाई गोपाल जोशी को रिहा करने का आदेश दिया और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी। कोर्ट ने मामले में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है। उत्तर कर्नाटक के एक आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से एक राजनीतिक नेता से भाजपा का टिकट दिलाने के लिए 2.5 करोड़ रुपये मांगने और 25 लाख रुपये लेने के आरोप में गोपाल जोशी और अन्य को गिरफ्तार किया गया था।

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाया। जोशी के भतीजे अजय जोशी को भी रिहा करने का आदेश दिया गया। गोपाल जोशी और अजय जोशी ने अपने खिलाफ एफआईआर रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। पीठ ने कहा कि आरोपियों ने पैसे लेने की बात कबूल की है। हालांकि, उन्होंने पूरी रकम लौटाने का वादा किया है। पूर्व विधायक देवानंद चौहान की पत्नी सुनीता चौहान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि गोपाल जोशी ने भाजपा से टिकट दिलाने का वादा करते हुए 25 लाख रुपये लिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गोपाल जोशी ने टिकट नहीं लिया और पैसे भी नहीं लौटाए। गोपाल जोशी और प्रहलाद जोशी की बहन विजयलक्ष्मी के खिलाफ बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी की भूमिका का आरोप लगाया था और उनके इस्तीफे की मांग की थी। शिकायतकर्ता सुनीता चौहान ने स्पष्ट किया था कि पूरे प्रकरण में प्रहलाद जोशी की कोई भूमिका नहीं है। बेंगलूरु में अपने भाई के खिलाफ एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रहलाद जोशी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उनसे या 2024 के लोकसभा चुनावों से जुड़े धोखाधड़ी के मामले से कोई संबंध नहीं है, और कांग्रेस द्वारा उनके इस्तीफे की मांग को मूर्खता करार दिया। उन्होंने कहा सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी कोई बहन नहीं है। मेरी मां के चार बच्चे थे, जिनमें गोपाल जोशी भी शामिल हैं। हालांकि, पिछले 32 वर्षों से मेरा गोपाल जोशी से कोई संपर्क या संबंध नहीं है। प्रहलाद जोशी ने दोहराया कि न केवल गोपाल जोशी, बल्कि उनके नाम का अपने काम के लिए दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति को उनका समर्थन नहीं है। इसके अलावा, जोशी ने बताया कि बेंगलूरु में दर्ज की गई एफआईआर में विजयलक्ष्मी को उनकी बहन बताया गया है। उन्होंने कहा वास्तव में मेरी कोई बहन नहीं है। इन सब बातों से यह स्पष्ट है कि ये दावे पूरी तरह से झूठे हैं।

अजेकर हत्याकांड मामला : आरोपी दिलीप हेगड़े ने जून में खरीदा था जहर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला के देपुत्ते अजेकर के बालकृष्ण पुजारी की हत्या के मामले में एक नए घटनाक्रम में, पुलिस जांच से पता चला है कि आरोपी दिलीप हेगड़े ने जून की शुरुआत में ग्रामीण उडुपी में एक निजी लैब से जहर खरीदा था। मेडिकल छात्र होने का नाटक करते हुए और लैब को यह विश्वास दिलाते हुए कि उसे प्रयोगशाला में इस्तेमाल के लिए इसकी जरूरत है, हेगड़े ने आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड खरीदा। इस कृत्य से पता चलता है कि आरोपी पांच महीने से अधिक समय से बालकृष्ण पुजारी की हत्या की योजना बना रहा था। पुलिस ने लैब के मालिक से पूछताछ की, जिसने जहर की बिक्री की पुष्टि की। उडुपी एसपी डॉ के अरुण ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो आगे की पूछताछ की जा सकती है। दिलीप हेगड़े, जो मुंबई में पला-बढ़ा था, सामाजिक रूप से सक्रिय नहीं था। उसके पास बीकॉम की डिग्री थी और वे कुछ साल पहले अपने परिवार के व्यवसाय में शामिल होने के लिए करकला लौट आया था। न्यूनतम सामाजिक संबंधों के साथ, जनता को आश्चर्य हो रहा है कि वह कैसे एक हत्यारा बन गया। पुलिस को संदेह है कि हेगड़े ने आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड के बारे में जानकारी गूगल सर्च के माध्यम से प्राप्त की, जिसमें इसके रासायनिक गुणों और संभावित घातक प्रभावों की खोज की गई। जांचकर्ता इस संभावना की जांच कर रहे हैं कि जहर के बारे में जानकारी के लिए वह सोशल मीडिया, फिल्मों या साथियों से प्रभावित था। उसके व्यापक ऑनलाइन शोध में इस बात का विवरण शामिल हो सकता है कि कैसे धीमे जहर मानव शरीर को प्रभावित करते हैं।

प्रियांक खड़गे ने 2 प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों का किया अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को दो प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रम एलिवेट 2024 और केएएन (कर्नाटक एक्सेलेरेशन नेटवर्क) का शुभारंभ किया।

अधिकारियों के अनुसार, एलिवेट 2024 एक अनुदान सहायता बीज निधि योजना है जिसे राज्य में शुरुआती चरण के स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। केएएन एक त्वरण नेटवर्क है जो पूरे राज्य में विकास स्टार्टअप के लिए सलाह, बाजार तक पहुँच और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करता है, जिसका ध्यान बेंगलूरु से परे के क्षेत्रों पर है। लॉन्च के समय, खड़गे ने नवाचार और उद्यमिता के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मंत्री ने कहा कि कर्नाटक लंबे समय से एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है, और एलिवेट और केएएन दोनों को विशेष रूप से विकास के लिए एक संरचित मार्ग प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा बेंगलूरु देश के 112 में से 45 यूनिकॉर्न का घर है, जिसका कुल मूल्यांकन 161 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। हमारा लक्ष्य दुनिया में शीर्ष तीन रैंकिंग में जगह बनाना है। हमें विश्वास है कि एलिवेट और केएएन मिलकर स्टार्टअप्स को फंडिंग चुनौतियों से निपटने, अपने संचालन को बढ़ाने और नवाचार और उद्यमिता के लिए अग्रणी केंद्र के रूप में कर्नाटक की प्रतिष्ठा को मजबूत करने में सक्षम बनाएंगे। मंत्री ने अगले महीने होने वाले बेंगलूरु टेक समिट 2024 के लिए इवेंट ऐप का भी अनावरण किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐप, जिसे पंजीकृत प्रतिनिधियों, प्रदर्शकों और वक्ताओं को पूरे समिट के दौरान एक इमर्सिव और सुव्यवस्थित अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

सभी को खुश करना संभव नहीं

सभी को विश्वास में लेकर आंतरिक आरक्षण के पक्ष में लिया फैसला: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर समझौता किए बिना हमने सभी को विश्वास में लिया और आंतरिक आरक्षण के पक्ष में फैसला लिया। सामाजिक न्याय आसानी से नहीं मिलता, इसलिए ऐसा फैसला लेना ही होगा। मडिगा समुदाय के राज्य नेताओं, गणमान्य व्यक्तियों, आंतरिक आरक्षण संघर्ष के नेताओं, पदाधिकारियों और समुदाय के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, जिन्होंने आंतरिक आरक्षण पर कैबिनेट के फैसले के लिए उन्हें बधाई दी, उन्होंने कहा मडिगा समुदाय दशकों से आंतरिक आरक्षण के लिए लड़ रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसला सुना दिया है। इस लिए हमें अमल करना होगा। 101 अनुसूचित जातियाँ हैं। उन्होंने कहा कि सभी को विश्वास में लेना जरूरी है। हालाँकि सभी को खुश करना संभव नहीं है, लेकिन 90 प्रतिशत समुदायों को खुश करने के लिए निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ऐसा करेगी। गृह मंत्री परमेश्वर के आवास पर हुई दलित विधायकों की बैठक में निर्णय लिया गया कि वे आंतरिक आरक्षण के विरोध में नहीं हैं। इसलिए सभी लोग आंतरिक आरक्षण के पक्ष में हैं। तेलंगाना सरकार ने आंतरिक आरक्षण लागू करने को लेकर पहले ही एक आयोग का गठन कर दिया है। मैंने हाल ही में मैसूरु में तेलंगाना के सीएम के साथ इस पर चर्चा की। हरियाणा में भी कैबिनेट ने फैसला लिया है। लेकिन आदेश नहीं हुआ। हमारी कैबिनेट में भी मेरी अनौपचारिक चर्चा हुई। मंत्री महादेवप्पा ने सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में आंतरिक आरक्षण का मुद्दा उठाया। मंत्री प्रियांक खड़गे, थिम्मापुरा, मुनियप्पा भी आंतरिक आरक्षण पर सहमत हुए। कोई विरोध नहीं था। लेकिन इस तथ्य पर भी चर्चा की गई है कि आवश्यक डेटा की आवश्यकता है। इसलिए हमने एक आयोग का गठन किया है। आयोग सभी रिपोर्टों का अध्ययन करेगा और आवश्यक आंकड़ों के साथ एक रिपोर्ट जारी करेगा। रिपोर्ट आने तक कोई भी नई भर्ती अधिसूचना जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हम सामाजिक न्याय के मुद्दे पर समझौता किए बिना सभी को विश्वास में लेंगे। भाजपा ने केंद्र में यह कानून क्यों नहीं लागू किया, जहां एक-दूसरे से झूठ बोलकर समुदायों को उजाड़ा जा रहा है? हमें बताएं कि उन्होंने भाजपा शासन के तहत किसी भी राज्य में इस अधिनियम को लागू क्यों नहीं किया। हम ही हैं जो प्रमोशन में भी आरक्षण लेकर आये हैं। भाजपा के किसी भी राज्य में इसे लागू नहीं किया गया है। पट्टे में आरक्षण केवल हमारा राज्य ही लाया है। यह मेरी प्रतिबद्धता है। ये सब राजनीति के लिए नहीं किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके अगले भाग के रूप में, हमने आंतरिक आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया है। समाज में समानता आसानी से नहीं आती। इसी तरह निर्णय लेने की जरूरत है। नये आयोग की रिपोर्ट तय समय में आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट आते ही आंतरिक आरक्षण लागू कर दिया जाएगा। पूर्व मंत्री एच. अंजनेय ने कहा कि हमारे समुदाय में हर कोई सिद्धरामैया के साथ खड़ा होगा जिन्होंने मडिगा समुदाय के भाग्य का द्वार खोला। हम आपके पक्ष में हैं। इसका नमूना आपको इस उपचुनाव में ही पता चल जायेगा। उन्होंने कहा, हमारे समुदाय में हर कोई तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने के लिए काम करेगा। मंत्री आर.बी.तिम्मापुरा ने कहा कि सोमवार को आंतरिक आरक्षण संघर्ष के लिए ऐतिहासिक दिन था। इसे सीएम सिद्धरामैया ने संभव बनाया। अगर आपने ऐसा नहीं किया होता तो न तो भाजपा और न ही कोई और इतनी दृढ़ता दिखाता। इससे पहले कर्नाटक कैबिनेट ने सोमवार को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए अपनी सहमति दे दी और एक आयोग गठित करने का फैसला किया, जिसे अनुभवजन्य डेटा जुटाने का काम सौंपा जाएगा।

आयोग का गठन होगा

कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि आयोग का गठन एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के अधीन किया जाएगा। मंत्री पाटिल ने कहा एससी के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के संबंध में कर्नाटक में मांग, चर्चा और विचार-विमर्श हुआ। एससी के बीच आंतरिक आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के मद्देनजर, कैबिनेट ने आज एससी के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने को अपनी मंजूरी दे दी।

उन्होंने कहा, डेटा हासिल करने के बाद, अगली कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने का निर्णय लिया गया है। सरकार समिति से तीन महीने में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहेगी। पाटिल ने आगे कहा कि कैबिनेट ने आयोग की तरफ से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने तक कम से कम तीन महीने के लिए सभी आगामी भर्तियों को स्थगित करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, आज से अगर किसी भर्ती की अधिसूचना जारी की जानी है, तो वह प्रक्रिया नहीं होगी, यह आयोग की तरफ से अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही शुरू होगी। विधानसभा चुनावों से ठीक पहले, पिछली भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल ने आंतरिक आरक्षण पर निर्णय लिया था, जिसमें केंद्र सरकार को अनुसूचित जाति (वाम) के लिए छह प्रतिशत, अनुसूचित जाति (दक्षिणपंथी) के लिए 5.5 प्रतिशत, स्पृश्य (बंजारा, भोवी, कोरचा, कुरुमा आदि) के लिए 4.5 प्रतिशत और अन्य के लिए एक प्रतिशत आंतरिक कोटा की सिफारिश की गई थी।

पाकिस्तान कानून महत्वपूर्ण है तो जमीर को देश छोड़ देना चाहिए: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता और विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने मंत्री जमीर अहमद खान को चुनौती दी है कि अगर पाकिस्तान और शरीयत कानून उनके लिए महत्वपूर्ण हैं तो उन्हें भारत छोड़कर वहां जाना चाहिए। अन्यथा यहां के संविधान और कानूनों के साथ इस देश में रहना चाहिए। उन्होंने कहा अगर इस्लाम महत्वपूर्ण है तो तुरंत भारत छोड़कर पाकिस्तान चले जाएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। वक्फ संपत्ति के नाम पर किसानों को नोटिस देना तुरंत बंद किए जाएं। जमीर अहमद ने मौखिक निर्देश दिया था कि वह जिले का भ्रमण करें और अधिकारियों को धमका कर नोटिस दें। फिर यह सब शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वह इस जमीन की संपत्ति पर अपना दावा नहीं करने देंगे। फर्जी दस्तावेज बनाए जाने पर भी वह वक्फ संपत्ति नहीं बनेंगे। विजयपुर के अलावा अब वे यदागिर और धारवाड़ में भी नोटिस दे रहे हैं। यदि मुख्यमंत्री संविधान के पक्षधर हैं तो वक्फ का नामांतरण रद्द कर किसानों का नाम दर्ज करें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यह सीएम के लिए अग्निपरीक्षा है, पता चल जाएगा कि सीएम संविधान के पक्ष में हैं या नहीं। विजयपुर का विरक्त मठ ही नहीं, तमिलनाडु के अग्रहार भी उनका होने का दावा कर रहे हैं। अवैध अधिसूचना रद्द की जाये। आंतरिक आरक्षण के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का एकल सदस्यीय आयोग बनाने के फैसले पर बात करते हुए सीटी रवि ने कहा कि हमने अपने कार्यकाल में मधुस्वामी समिति का गठन किया था। उनकी रिपोर्ट के आधार पर, हमने आंतरिक रिजर्व का 17 प्रतिशत आवंटित किया। उन्होंने कहा अब सरकार को दूसरी कमेटी बनाने की कोई जरूरत नहीं है, यह तो सरकार का देरी करने का एक बहाना है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा इस उम्र में भी चुनाव को गंभीरता से लेते हैं। सीटी रवि ने डीके शिवकुमार के हल्के-फुल्के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वह हम सभी के लिए प्रेरणा हैं।

सरकार ने हिंदुओं के खिलाफ जमीन जिहाद शुरू कर दिया: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस प्रशासन पर विजयपुरा में किसानों की जमीन को वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित करने का कथित प्रयास करके तथाकथित जमीन जिहाद शुरू करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से स्पष्ट बयान की मांग की। अशोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गरीब किसानों की जमीन को जब्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि वक्फ संपत्तियों के बारे में किसी भी अस्पष्टता पर संयुक्त संसदीय समिति में चर्चा की जानी चाहिए और किसी को भी स्वतंत्र रूप से ऐसी कार्रवाई करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में सत्ता संभाली है, तब से राज्य एक समुदाय के प्रति पक्षपाती प्रतीत होता है। उन्होंने ऐसे माहौल का हवाला दिया, जहां हिंदू प्रथाओं पर कथित रूप से प्रतिबंध है। उन्होंने विशेष रूप से गणेश प्रतिमा विसर्जन से जुड़ी कठिनाइयों का उल्लेख किया और कर्नाटक में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए चिंता जताई। अशोक के अनुसार वक्फ बोर्ड द्वारा विजयपुरा के वनवाड़ा गांव में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर कब्जा करने की योजना बनाई जा रही है, जिसके लिए कथित तौर पर 139 किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने इसे सरकार द्वारा संचालित भूमि जिहाद बताया। अशोक ने दावा किया कि मंत्री जमीर अहमद के विजयपुरा दौरे के बाद, कुछ राजपत्रित संपत्तियों को वक्फ संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए अनौपचारिक निर्देश जारी किए गए थे, जिसके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार द्वारा स्वीकृत आधिकारिक अतिक्रमण है।

ऐतिहासिक समानताओं को रेखांकित करते हुए, उन्होंने तर्क दिया कि ये कार्य औरंगजेब और टीपू सुल्तान जैसे शासकों के तहत जबरन धर्मांतरण के पिछले उदाहरणों से मिलते जुलते हैं, जिन पर उन्होंने हिंदुओं की जमीन, नौकरियों और आजीविका को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अशोक ने मंत्री जमीर अहमद को कथित तौर पर उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए आधुनिक समय का टीपू सुल्तान करार दिया और मुख्यमंत्री से वक्फ संपत्ति के मुद्दे पर तत्काल स्पष्टता प्रदान करने का आह्वान किया। विजयपुरा में कुछ किसानों ने अपनी जमीन खोने के डर से कथित तौर पर विरोध के तौर पर दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है। अशोक ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से सरकार पर किसानों का गुस्सा भड़क सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने वक्फ बोर्ड पर केंद्रीय वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मंत्री जमीर अहमद केंद्र सरकार द्वारा इन परिवर्तनों को लागू करने से पहले कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण करने की जल्दी में हैं। अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस वक्फ संपत्तियों का इस्तेमाल वोट बैंक की राजनीति के लिए कर रही है और चेतावनी दी कि इससे राज्य भर में वक्फ की आड़ में और अधिक भूमि मुस्लिम स्वामित्व में स्थानांतरित हो सकती है।

वक्फ संपत्ति विवाद को लेकर चिंता न करें: मंत्री प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि जहां भी वक्फ अदालत लगती है, वहां यह दावा स्वाभाविक रूप से सुनाई देता है कि जमीनें उनकी हैं। इस मुद्दे पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने 12 जिलों में इस तरह के दावे पर जवाब दिया। मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, जमीर अहमद खान, एमबी पाटिल सोमवार को ही सफाई दे चुके हैं।

कोई भी संपत्ति पर अपना दावा कर सकता है। लेकिन मायने यह रखता है कि रिकॉर्ड में किसका नाम है। राजस्व मंत्री ने कहा है कि अधिनियम लागू होने से पहले संपत्ति उसी की रहेगी, जिसकी वह है। किसी भी तरह से अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। किसी को भी किसी की संपत्ति जब्त करने की इजाजत नहीं है। उन्होंने यह दावा करते हुए कई आवेदन दायर किए हैं कि जहां भी वक्फ अदालत आयोजित की गई है, वहां संपत्तियां उनकी हैं। इसके बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। इसके लिए विजयपुर में एक हजार एकड़ में से केवल 11 एकड़ जमीन विवाद में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। अवैध जमीन वापस मिलेगी। विपक्षी पार्टियां इसका राजनीति के लिए दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने आलोचना की कि उपचुनाव हारने के डर से वक्फ मुद्दे पर विवाद किया जा रहा है। किसने कहा था कि अगली पीढ़ी मुसलमान बनकर पैदा होनी चाहिए? अब वही जेडीएस नेता वक्फ विवाद पर उलटा बयान दे रहे हैं। एक साल पहले एचडी कुमारस्वामी ने आरएसएस के बारे में क्या कहा था? क्या वह अपनी बात के पक्के नहीं हैं? उन्होंने पूछा कि संख्या बल की कमी के कारण कांग्रेस ने जेडीएस के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन कुर्सी मिलते ही कुमारस्वामी सेक्युलर हो जाते हैं। जब वह चला जाता है, तो वे सांप्रदायिक हो जाते हैं। भाजपा कुर्सी देगी तो सांप्रदायिक बने रहेंगे। क्या सत्ता के लिए विचारधाराएँ इच्छानुसार बदल सकती हैं? हम हमेशा आरएसएस के खिलाफ थे। हम अभी भी वहीं हैं। लेकिन जनता दल के नेता कई तरह से बदलाव करते हैं, अगर उन्होंने अच्छा काम किया है तो भाजपा ने चन्नपट्टना में उम्मीदवार क्यों नहीं खड़ा किया।

एचडी कुमारस्वामी ने चन्नपट्टना में किया जबरदस्त प्रचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी ने मंगलवार को तीसरे दिन चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के लिए अपना चुनाव अभियान जारी रखा। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में अपने बेटे के लिए प्रचार किया। उन्होंने सुबह चन्नपट्टना तालुक के डोड्डामलूर से अपना चुनाव अभियान शुरू किया और वोटों के लिए प्रचार किया। सुबह कोटेमारनहल्ली, बायरापट्टन, देवाराहल्ली, वलागेरेडोड्डी और होसुरडोड्डी गांवों में चुनाव प्रचार किया गया। दोपहर में संकलागेरे, माटिकेरे, शेट्टाहल्ली, मुदुगेरे प्लांटेशन, बेलाकेरे, मार्चानहल्ली, पुट्टपनडोड्डी, कोलुरु गांवों में प्रचार किया। निखिल कुमारस्वामी ने कोलुरु, सीबनहल्ली और मुदुगेरे गेट पर प्रचार किया। इस मौके पर जेडीएस-भाजपा के नेता और स्थानीय नेता मौजूद रहे। इस बीच, केपीसीसी महासचिव और रामानगर-चन्नपट्टना शहरी विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष शारदा चंद्रशेखर सुबह कांग्रेस छोड़कर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में जेडीएस में शामिल हो गए। निखिल कुमारस्वामी के चुनाव प्रचार शुरू करने से पहले चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के बैरासेट्टीहल्ली गांव के कांग्रेस के कई नेता कांग्रेस छोड़कर जेडीएस में शामिल हो गए।

कर्नाटक वक्फ भूमि विवाद

कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति के लिए बहुत नीचे गिर रही: प्रहलाद जोशी

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर किसानों के हितों की कीमत पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए मंत्री जमीर खान का इस्तेमाल कर रही है। यहां मंगलवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा राजस्व रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करके, सरकार किसानों की भूमि के मालिक के रूप में वक्फ बोर्ड का नाम दर्ज कर रही है और इस तरह लोगों के साथ घोर अन्याय कर रही है। मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए जोशी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में केंद्र की कांग्रेस सरकार ने वक्फ अधिनियम को उन कारणों से पारित किया, जो उन्हें ही सबसे अच्छे से पता हैं। इसके अलावा 2013 में, कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को असाधारण अधिकार दिए और कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी वक्फ बोर्ड की अधिसूचनाओं पर सवाल नहीं उठा सकता। जोशी ने कहा किसी अन्य धार्मिक संगठन को यह अधिकार प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड किसानों को अपनी जमीन छोड़ने के लिए नोटिस जारी कर रहा है, क्योंकि यह वक्फ की संपत्ति है। जोशी ने आरोप लगाया मंत्री जमीर खान के मौखिक निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने राजस्व रिकॉर्ड में भूमि के मालिक के रूप में वक्फ का नाम दर्ज किया है और अब जबकि तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं और सरकार को विरोध का सामना करना पड़ रहा है, तो मंत्री नोटिस वापस लेने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा तुष्टिकरण की एक सीमा होनी चाहिए। अगर इसका विरोध नहीं किया गया तो वक्फ बोर्ड दावा कर सकता है कि वह सारी जमीन उसकी है, जहां लोग नमाज अदा करते हैं। किसानों से यह साबित करने के लिए दस्तावेज लाने के लिए कहने पर विजयपुरा के डिप्टी कमिश्नर पर बरसते हुए जोशी ने कहा कि यह डीसी और उनके कर्मचारियों की गलती थी, क्योंकि उन्हें अवैध रूप से रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने के लिए दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कई मुसलमानों ने वक्फ की संपत्ति पर अतिक्रमण किया है और इसे वापस पाने के लिए कुछ नहीं किया गया है। जोशी ने कहा कि पूरे वक्फ अधिनियम को खत्म करने की जरूरत है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में कई संशोधन ला रही है और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। हम कांग्रेस को गरीबों की जमीन छीनने नहीं देंगे। पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली के इस बयान पर कि जब तक विजयेंद्र पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख हैं, तब तक वे आगामी उपचुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं करेंगे, जोशी ने कहा कि वे रमेश से अनुरोध करेंगे कि वे अपना विचार बदलें और पार्टी की सफलता के लिए काम करें। उन्होंने कहा अब प्राथमिकता राज्य में कांग्रेस को हराना है क्योंकि कांग्रेस हिंदुओं के साथ अन्याय कर रही है और उसे सबक सिखाने की जरूरत है। भाजपा में आंतरिक मतभेदों को आंतरिक रूप से दूर किया जा सकता है।

वक्फ भूमि विवाद : किसी भी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा। उन्हें जारी किए गए नोटिस बेदखल किए जाएंगे और उन्हें वापस ले लिए जाएंगे।

सिद्धरामैया ने कहा किसी भी किसान को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। राजस्व मंत्री (कृष्ण बायर गौड़ा), एमबी पाटिल (उद्योग और विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री) और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान ने संयुक्त रूप से कहा है कि विजयपुरा के किसी भी किसान को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं, तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा। यादगीर और धारवाड़ जिलों में भी किसानों को इसी तरह के नोटिस जारी किए जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा मैं राजस्व मंत्री से इस पर गौर करने को कहूंगा, कहीं भी किसानों को बेदखल नहीं किया जाएगा।

टिकोटा तालुक के होनवाड़ा में 1,200 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने पर भ्रम को स्पष्ट करने की मांग करते हुए, एमबी पाटिल ने हाल ही में कहा था कि यह राजपत्र अधिसूचना में एक त्रुटि के कारण था। उन्होंने यह भी कहा था कि 1,200 एकड़ में से केवल 11 एकड़ ही वक्फ संपत्ति है, और मुद्दों को हल करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा।

तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस जीतेगी: मंत्री

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी ने विश्वास जताया कि दिवाली के बाद चन्नपट्टना उपचुनाव में तेजी आएगी और कांग्रेस तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी। हसनंबा का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में चुनाव का सामना कर रहे हैं और हमने चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितैषी योजनाएं जीत में मदद करेंगी। हसनंबा एक शक्तिशाली देवी हैं और हर दिन लाखों लोग आते हैं और देवी के दर्शन करते हैं।

उन्होंने कहा कि हसनम्बा मंदिर पुराने मैसूरु में एक प्रसिद्ध स्थान के रूप में उभरा है। इस बार दर्शन के केवल 9 दिन हैं, इसलिए दर्शन का अवसर कम है क्योंकि अधिक लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं, दबाव अधिक है और जनता को भी सहयोग करना चाहिए। जिला प्रशासन ने सुचारू दर्शन के लिए सभी प्रकार के उपाय किये हैं, देवी की कृपा सभी पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रार्थना की है कि बारिश और फसल से किसानों को राहत मिलेगी।

मुडा घोटाला मामला

ईडी की मैसूरु में सीएम के करीबी विश्वासपात्रों पर छापेमारी जारी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी विश्वासपात्र राकेश पापन्ना के आवास और कार्यालयों पर लगातार दूसरे दिन भी छापेमारी जारी रखी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मैसूरु के हिंकल इलाके में पूर्व जिला परिषद सदस्य के आवास पर छापेमारी और निरीक्षण चल रहा था। अधिकारियों ने उनके आवास पर मुडा से 50:50 अनुपात आवंटन के संबंध में महत्वपूर्ण दस्तावेजों की तलाश की। बिल्डर जयराम के मैसूरु स्थित कार्यालय और आवास पर ताजा छापेमारी की गई। अधिकारियों ने कुवेम्पुनगर इलाके में स्थित एमएमजी कंस्ट्रक्शन कंपनी और श्रीरामपुरा इलाके में स्थित आवास पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, जयराम पर 50:50 अनुपात में भूखंड आवंटित करने में बड़ी भूमिका निभाने का आरोप है, जिसे कानून के विरुद्ध बताते हुए चुनौती दी गई है। जयराम ने मुडा अधिकारियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और कई भूखंडों का आवंटन करवाया। हाल ही में मुडा कार्यालय में की गई दो दिवसीय छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों ने उनकी कथित भूमिका के बारे में जानकारी जुटाई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने मुडा के पूर्व आयुक्त डी.बी. नटेश और जी.टी. दिनेश कुमार के आवासों पर छापेमारी की। ईडी के पांच अधिकारियों की टीम ने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम इलाके के 10वें क्रॉस पर स्थित नटेश के आवास पर तलाशी ली। छापेमारी के दौरान नटेश घर पर मौजूद थे। अधिकारियों ने बेंगलूरु के बानसवाड़ी इलाके में दिनेश कुमार के दीपिका रॉयल अपार्टमेंट पर भी छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि जब उनके फ्लैट पर छापेमारी की गई, तब दिनेश कुमार सुबह की सैर पर गए थे। सूत्रों ने बताया कि दिनेश कुमार अपने घर नहीं लौटे और उनका मोबाइल फोन बंद था। ईडी अधिकारियों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की और उनके मोबाइल फोन के चालू होने का इंतजार किया। नटेश और दिनेश कुमार पर झूठे दस्तावेज बनाने और सैकड़ों करोड़ रुपये की मुडा साइटों को निहित स्वार्थों को अवैध रूप से वितरित करने का आरोप है। ईडी के अधिकारियों ने सोमवार सुबह बेंगलूरु के जेपी नगर इलाके में बिल्डर और रियल एस्टेट एजेंट एन. मंजूनाथ के डॉलर्स कॉलोनी स्थित आवास पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने बेंगलूरु और मैसूरु शहरों में नौ स्थानों पर भी छापेमारी की। तेजी से हुए घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि ईडी के अधिकारी मामले के पहले आरोपी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ कभी भी छापेमारी कर सकते हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से कथित तौर पर जुड़े मुडा मामले की जांच कर रहे ईडी ने सोमवार को मैसूरु के एक आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू से महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल किए।

चन्नपट्टना में मैंने निखिल कुमारस्वामी के लिए प्रचार करने का नहीं किया फैसला: जीटी देवेगौड़ा

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और जेडीएस पार्टी की कोर कमेटी के अध्यक्ष जी.टी. देवेगौड़ा ने अभी तक चन्नपट्टना उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के लिए प्रचार करने का फैसला नहीं किया है, क्योंकि वह मैसूरु में अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कार्यों में व्यस्त हैं। हसनम्बा मंदिर के दौरे के दौरान हासन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने चन्नपट्टना उपचुनाव के बारे में जानकारी एकत्र नहीं की है। मैंने चुनाव में प्रचार करने का फैसला नहीं किया है। न ही मुझे पार्टी से प्रचार करने के लिए कोई निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा कि वह उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की जीत की कामना करेंगे। देवेगौड़ा हसनम्बा मंदिर उत्सव में भाग लेने के लिए अपने परिवार के सदस्यों के साथ हासन में थे। हाल ही में उन्होंने पार्टी के मामलों से दूरी बनाए रखी है। मैसूरु में दशहरा समारोह के उद्घाटन के दौरान, देवेगौड़ा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का बचाव किया, जब विपक्ष मुडा साइटों के आवंटन में कथित घोटाले को लेकर उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था।

रेल जेहाद : चलती ट्रेन में हुए धमाकों के बाद लगी आग

कई यात्री झुलसे, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू

ट्रेनों में तोड़फोड़ की लगातार हो रही हैं जेहादी साजिशें

रोहतक, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में एक साथ कई भीषण विस्फोट हुए। इससे ट्रेन की बोगी में आग लग गई। आग से चार यात्री बुरी तरह झुलस गए। सांपला स्टेशन के आउटर में यह घटना हुई। पिछले कई दिनों से रेलों और विमानों को निशाने पर लिया जा रहा है। रेलों को दुर्घटनाग्रस्त करने के कई तरीके अख्तियार किए जा रहे हैं। कई ट्रेनें इन साजिशों का शिकार होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई हैं। विमानों को भी बम से उड़ाने की धमकियां देकर अरबों रुपए का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। खुफिया एजेंसियां इसे रेल जेहाद और विमान जेहाद जैसी ओछी कट्टरपंथी हरकतें बता रहे हैं। इसे लेकर कई महत्वपूर्ण सुराग भी मिले हैं और कई गिरफ्तारियां भी की गई हैं। जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में हुए हादसे को भी तोड़फोड़ की ऐसी ही साजिश का हिस्सा बताया जा रहा है।

जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन सोमवार शाम 4 बजे सांपला से निकली ही थी कि ट्रेन की बीच वाली बोगी में अचानक धमाके होने लगे। चलती ट्रेन में एक के बाद एक हुए धमाकों से दहशत फैल गई। महिलाएं चीख पड़ीं। बचाव में कुछ लोगों ने ट्रेन की चेन खींच दी। ट्रेन रुकते ही वहां भगदड़ मच गई। हर कोई अपना सामान लेकर बचने के लिए ट्रेन से दूर भागता नजर आया। इसी बीच ट्रेन में आग लग चुकी थी। सांपला निवासी सोनू ने कहा कि ट्रेन सांपला से चली ही थी कि आउटर के पास उसमें आग लग गई। इससे पहले महिलाओं की चींख सुनाई दी थी। ट्रेन के बीच की बोगी में कई धमाके सुनाई दिए थे। इसके बाद वहां भगदड़ मच गई। ट्रेन में लगी आग और भगदड़ के चलते करीब आधा दर्जन लोगों को चोटें आईं। गनीमत रही किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई। यह हादसा महिला बोगी में हुआ है। यहां कुछ ही महिलाएं मौजूद थीं। इसके अलावा पुलिस का जवान या रेलवे कर्मचारी या अधिकारी कोई नहीं था।

सोमवार दोपहर ढाई बजे ईएमयू पैसेंजर ट्रेन जींद से दिल्ली के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन करीब साढ़े चार बजे रोहतक जिले के सांपला स्टेशन से निकली। आउटर पार करते ही ट्रेन में जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद एक बोगी आग की लपटों से घिर गई। यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन रोकी और जान बचाकर कूदे। किसी ने सामान साथ लिया तो किसी ने वहीं छोड़ दिया। कुछ यात्रियों ने अपने हाथों की बोतलों में मौजूद पानी आग पर फेंक कर बुझाने का प्रयास किया। बोगी करीब 10 मिनट तक आग से घिरी रही। इसके बाद मौके पर दमकल टीम पहुंची और सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मौके पर की गई प्राथमिक छानबीन में विस्फोटक पदार्थ के अवशेष मिले हैं। इसके अलावा पिस्तौलनुमा कुछ संदिग्ध चीजें भी मिली हैं। त्यौहारी सीजन को लेकर सोमवार को रेलवे जंक्शन पर रोहतक से आई बम निरोधक टीम ने सुरक्षा व्यवस्था जांची।

हादसे की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इन गाड़ियों के कर्मचारियों ने बोगी में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के चलते लोग ट्रेन से उतर कर पैदल ही चल पड़े। सिर पर सामान उठाकर लोग पटरियों के बीच आगे बढ़े। किसी ने अपने परिजनों को बुलाया तो किसी ने बस या निजी वाहन की शरण ली। ट्रेन में धमाकों की सूचना रेलवे विभाग को दी गई। इसके बाद दिल्ली मुख्यालय से विशेषज्ञों की टीम मौके पर भेजी गई। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की इस टीम ने मौके का मुआयना कर स्थिति का जायजा लिया और तथ्य जुटाए। वहां से टीम को कुछ विस्फोटक मिले हैं। इनके साक्ष्य जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भिजवाए गए हैं। रोहतक से डॉग स्कॉड और बम निरोधक दस्ता भी मौके पर पहुंचा।

पाकिस्तानी की जेलों में सात भारतीय मछुआरों की मौत

209 भारतीय मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में हैं बंदी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद सात भारतीय मछुआरों की मई 2023 के बाद से मौत हो गई हैं। जबकि पड़ोसी देश में सैकड़ों भारतीय मछुआरे अभी भी कैदी है। 181 भारतीय मछुआरे पहले ही अपनी छह महीने की सजा पूरी कर चुके हैं और भारत ने उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि भी कर दी है, फिर भी उन्हें रिहा नहीं किया जा रहा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पिछले साल मई से अब तक पाकिस्तानी जेलों में सात भारतीय मछुआरों की मौत हो चुकी है, जिसमें से एक की मौत का ताजा मामला तीन दिन पहले सामने आया है। फिलहाल पाकिस्तान की हिरासत में कुल 209 भारतीय मछुआरे हैं। इनमें से 181 मछुआरे पहले ही अपनी छह महीने की सजा पूरी कर चुके हैं और भारत ने उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर दी है। उन्हें भारत वापस भेजने का अभी भी इंतजार है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि उनमें से कुछ 2021 से ही पाकिस्तान की हिरासत में हैं।

28 मछुआरों के लिए अभी भी पाकिस्तान से काउंसलर एक्सेस का इंतजार है। एक भारतीय मछुआरे की मौत का ताजा मामला 25 अक्टूबर को सामने आया था।

उसकी पहचान हरि के रूप में हुई है। हालांकि उसके बारे में अभी और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। सितंबर में भी सेराश नाम के एक अन्य भारतीय की पाकिस्तान की जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। सेराश का पार्थिव शरीर 11 अक्टूबर को भारत भेज दिया गया था, जबकि हरि का शव अभी भेजा जाना बाकी है।

2023 से अब तक पाकिस्तान की जेलों में सात भारतीय मछुआरों की मौत हो चुकी है। उनकी मौत का कारण हृदय गति रुकना और उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली जटिलताएं थीं। जुलाई में भारत ने पाकिस्तान की हिरासत से नागरिक कैदियों, मछुआरों और उनकी नावों के साथ-साथ लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी का आह्वान किया था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तान से भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी में तेजी लाने को कहा था, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि, उसने पाकिस्तान से अनुरोध किया गया है कि वह सभी भारतीय और भारतीय माने जाने वाले नागरिक कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करे, जब तक कि उनकी रिहाई और भारत वापसी नहीं हो जाती।

मंदिर उत्सव में आतिशबाजी के दौरान बड़ा हादसा

150 से ज्यादा घायल 8 की हालत गंभीर

कासरगोड़, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के कासरगोड़ के मंदिर में हुए हादसे में 150 लोग घायल हो गए। इनमें आठ लोगों की हालत नाजुक बताई गई है। कासरगोड जिले में नीलेश्वरम के पास एक मंदिर में आतिशबाजी के दौरान यह भयानक हादसा हुआ। पुलिस को संदेह है कि वीरकावु मंदिर के पास आतिशबाजी स्टोरेज में आग लग गई थी, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ। घायलों को

कासरगोड, कन्नूर, और मंगलुरू के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर से लेकर जिले के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटना में प्रभावित हुए लोगों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक वीरकावु मंदिर में वार्षिक कलियाट्टम उत्सव मनाया जा रहा था। इस कार्यक्रम के लिए आतिशबाजी मंगाई गई थी, और एक स्टोरेज में सुरक्षित रखा गया था लेकिन रात करीब साढ़े 12 बजे आतिशबाजी स्टोरेज में ही विस्फोट हो गया, जिसके चलते भयंकर आ लग गई। सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो वायरल हैं, जिसमें अचानक विस्फोट के अलावा आग की लपटें और धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। घायलों में से कुल 97 लोगों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

देश के 700 से अधिक नेत्र-बैंक जांच के दायरे में

नियमों के उल्लंघन का गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। दान में मिलीं आंखें या कॉर्निया एकत्रित करने वाले 700 से ज्यादा नेत्र-बैंक (आई-बैंक) जांच के दायरे में हैं। इन नेत्र-बैंकों पर सरकारी नियमों का उल्लंघन करने के गंभीर मामले हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक नेत्र-बैंक की जांच करके उसकी रिपोर्ट एक महीने के अंदर केंद्र सरकार के समक्ष पेश की जाए। दान में मिलने वाले नेत्र और कॉर्निया का पांच साल का ब्यौरा लिया जाएगा और उसके प्रत्यारोपण की जांच की जाएगी।

दान में मिलीं आंखें या कॉर्निया एकत्रित करने वाले देश के 700 से ज्यादा नेत्र बैंक जांच के दायरे में हैं। केंद्र सरकार ने सभी नेत्र बैंक की जांच के आदेश जारी किए हैं। राज्यों को मिले आदेश में कहा है कि मान्यता प्राप्त कई नेत्र बैंक नियमों के तहत प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नेत्र बैंक की जांच शुरू की जाए, जिसके तहत दान में मिलने वाले नेत्र और कॉर्निया का पांच साल का ब्योरा लिया जाएगा। केंद्र ने साफ तौर पर कहा है कि जिन नेत्र बैंक के पास पर्याप्त आंकड़े और बेहतर प्रदर्शन के साक्ष्य नहीं हैं, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किया जाए और उनके लाइसेंस के रिन्यूवल पर भी रोक लगाई जाए। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय अंग एवं उतक प्रत्यारोपण संगठन के

निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने राज्यों को जारी आदेश में कहा है कि मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण नियम 2014 के तहत प्रत्येक नेत्र बैंक को एक साल में कम से कम 50 नेत्र या फिर 100 कॉर्निया दान में एकत्रित करना अनिवार्य है।

कई बैंक के प्रदर्शन की निगरानी में पता चला है कि इनके पास पर्याप्त लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है और इनका लाइसेंस भी इस साल रिन्यू हुआ है। ऐसे में प्रत्येक नेत्र बैंक की जांच करना जरूरी है। पांच साल के दौरान 250 नेत्र और 500 कॉर्निया का डाटा लेकर उसका सत्यापन करना अनिवार्य है। राज्यों को दिए आदेश में डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इस साल 14 मई को केंद्रीय स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में प्रत्यारोपण, अंगदान और नेत्रदान को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान यह तय हुआ है कि राज्यों में नेत्र बैंक की जांच के लिए अलग-अलग टीमें गठित की जाएं और अगले एक महीने के भीतर इसकी पूरी कार्रवाई रिपोर्ट दिल्ली स्थित नोटो मुख्यालय भेजी जाए। ताकि केंद्रीय स्तर पर जांच का मूल्यांकन किया जा सके। इस बैठक में 19 से ज्यादा विशेषज्ञों ने अपनी सहमति जताई है। राज्यों से प्राप्त डाटा को केंद्रीय रजिस्ट्री के जरिए सार्वजनिक किया जाएगा।

डॉ. अनिल कुमार ने कहा है कि केंद्र सरकार ने अंगदान और प्रत्यारोपण के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत सभी राज्यों को उन सभी अस्पतालों की जानकारी देनी है जहां प्रत्यारोपण किया जाता है। इन अस्पतालों में मरीजों की वेटिंग, प्रत्यारोपण कराने की संख्या, दान में मिलने वाले अंग सहित सभी जानकारी डिजिटल स्वरूप में देना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि राज्यों को जारी आदेश के साथ समीक्षा बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में भी जानकारी दी है।

युवाओं के रोजगार उद्देश्य से 21 देशों के साथ आव्रजन समझौता: मोदी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है और देश के बाहर भी रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए भारत ने हाल के वर्षों में 21 देशों के साथ आव्रजन एवं रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं। श्री मोदी सरकार के रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कहा, विदेशों में भी भारतीय युवाओं को आसानी से नौकरी मिले, इसके लिए भी भारत सरकार नए मौके बना रही है। उन्होंने कहा, भारत ने हाल के वर्षों में 21 देशों के साथ आव्रजन और रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं। इनमें खाड़ी क्षेत्र के देशों के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, मॉरिशस, इजराइल, ब्रिटेन और इटली जैसे बहुत आर्थिक रूप से संपन्न देश शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ समझौते के तहत पढ़ाई करने हर साल तीन हजार भारतीय दो साल का वीजा हासिल कर सकते हैं। इसी तरह जर्मनी ने भारत के लिए कौशल सम्पन्न कार्यबल रणनीति जारी की है। जर्मनी ने हर वर्ष 90 हज़ार वीज़ा देना तय किया है। पहले यह संख्या 20 हजार थी। प्रधानमंत्री ने कहा, देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारी प्रतिबद्धता है। सरकार की नीतियां और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है। उन्होंने कहा कि इस समय आर्थिक एवं सामाजिक अवसरंचान के क्षेत्र में बड़े स्तर के विकास तथा विनिर्माण उद्योगों के प्रोत्साहन से भारत में रोजगार के अवसरों का तेजी से विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

श्री मोदी ने कहा कि सड़क, रेल, बंदरगाह जैसी आर्थिक अवसंरचना सुविधाओं पर पैसे खर्च कर सरकार लॉजिस्टिक्स की लागत कम करने की कोशिश कर रही है। इससे साथ-साथ करोड़ों की संख्या में रोजगार के भी नए मौके बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का रोजगार मेला कार्यक्रम रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। श्री मोदी ने कहा, अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है।

उन्होंने कहा, आज जब हम कोई योजना प्रारंभ करते हैं...तो हमारा फोकस सिर्फ लोगों को मिलने वाले लाभ पर ही होता है, ऐसा नहीं है, हम बहुत बड़े दायरे में सोचते हैं। बल्कि हम उसके माध्यम से रोजगार सृजन का पूरा वातावरण भी विकसित करते हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने जैसे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का जिक्र किया जिसमें पिछले छह महीने में सवा करोड़, डेढ़ करोड़ करीब-करीब लोगों ने, ग्राहकों ने इस योजना के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। पांच लाख से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा, इस एक योजना ने निर्माता, आपूर्तिकर्ता, भंडारण और मरम्मत करने के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर तैयार कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि नौ हजार से ज्यादा आपूर्तिकर्ता इस योजना के साथ जुड़ चुके हैं, जो ये फिटिंग का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में इस योजना के तहत एक मॉडल के रूप में, देश के अलग-अलग कोने में 800 सोलर विलेज (सौर ऊर्जा गांव) बनाने की तैयारी है। इस योजना के तहत अब तक 30 हजार लोगों ने रूफ टॉप पर सोलर स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

यह दिवाली बहुत खास है, प्रभु राम 500 साल बाद भव्य मंदिर में विराजे हैं: मोदी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ननरेंद्र मोदी ने इस बार की दिवाली को बहुत खास बताया है और कहा है यह पहली दिवाली है जब पांच सौ वर्ष की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्री राम अयोध्याधाम में अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं।श्री मोदी ने मंगलवार को सरकार के रोजगार मेला कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रारंभ में देशवासियों को धनतेरस की बधाई दी और गुरुवार को होने वाले दीपावली पर्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस बार की दिवाली का साक्षी होना बड़े सौभाग्य की बात है। श्री मोदी ने कहा, इस साल की दीपावली बहुत खास है, बहुत विशेष है। आपको होगा की भई दिवाली तो हर बार आती है, इस बार विशेष क्या हो गया, मैं बताता हूं, विशेष क्या है। 500 वर्षों के बाद प्रभु श्री राम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है।श्री मोदी ने कहा, इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए, यातनायें झेलीं।

बीकानेर में बहुत प्रसिद्ध है उर्दू में सुनाई जाने वाली रामायण

बादशाह हुसैन लखनवी ने 1935 में तैयार कराई थी उर्दू रामायण

बीकानेर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर में हर दीपावली पर एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है। इस परंपरा के तहत हिंदू धर्म ग्रंथ रामायण का उर्दू संस्करण लोगों को सुनाया जाता है। यह आयोजन हर साल होता है और इस आयोजन में उर्दू के शायरों को बुलाया जाता है। रामायण के उर्दू संस्करण को हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोग प्यार और सद्भाव के साथ सुनते हैं।

उर्दू में यह रामायण लगभग 89 साल पहले लिखी गई थी और तब इसे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक भी दिया गया था। इस बार उर्दू के शिक्षक और शायर डॉक्टर जिया उल हसन कादरी ने एक समारोह में दो अन्य मुस्लिम शायरों के साथ उर्दू रामायण का पाठ किया। कादरी का कहना है कि इस कार्यक्रम का मकसद सद्भाव और भाईचारे का संदेश देना है जिससे सभी लोग मिलजुल कर रहें। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन लेखक संघ और महफिल-ए-अदब के द्वारा हर साल संयुक्त रूप से किया जाता है। कादरी का कहना है कि रामायण के इस उर्दू संस्करण में रामायण के दृश्यों, भगवान राम के वनवास, रावण पर जीत हासिल करने और अयोध्या लौटने का बिल्कुल सजीव वर्णन किया जाता है। उन्होंने बताया कि शहर के सभी लोग इसे बहुत पसंद करते हैं।

बीकानेर के मौलवी बादशाह हुसैन राणा लखनवी ने 1935 में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के लिए उर्दू भाषा में रामायण का यह संस्करण तैयार कराया था। तब इसे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक मिला था जिसके बाद बीकानेर के तत्कालीन शासक महाराजा गंगा सिंह ने राणा लखनवी के रामायण के इस उर्दू संस्करण को सुनने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। कादरी ने बताया कि उसी कार्यक्रम में तेज बहादुर सप्रू ने बनारस विश्वविद्यालय हिंदू विश्वविद्यालय की ओर से राणा लखनवी को स्वर्ण पदक दिया था।

कादरी हर दिवाली पर होने वाले रामायण के उर्दू संस्करण के वाचन की इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह परंपरा साल 2012 से चली आ रही है और कादरी अब इसे आगे ले जाना चाहते हैं।

कादरी ने बताया कि उर्दू रामायण का पाठ मुस्लिम कवि करते हैं और उन्हें सुनने के लिए हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोग कार्यक्रम में शामिल होते हैं। कादरी ने बताया कि पहले इस कार्यक्रम का आयोजन किसी खुली जगह पर किया जाता था लेकिन बाद में आयोजन स्थल को इस वजह से बदला गया क्योंकि होटल में कार्यक्रम के आयोजन से जरूरी इंतजाम करना आसान हो जाता है।

कादरी ने जानकारी दी कि मौलवी बादशाह हुसैन राणा लखनवी ने 1913 से 1919 तक तत्कालीन राजा गंगा सिंह के लिए काम किया था और इस दौरान उन्होंने मुगल शासकों द्वारा जारी किए गए आदेशों का फारसी से उर्दू में अनुवाद किया था। 1920 में गंगा सिंह ने उन्हें डूंगर कॉलेज में शिक्षक नियुक्त किया था।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर हुआ रन फॉर यूनिटी का आयोजन

आरोग्यता समाज के विकास की पहली शर्तः सीएम योगी

देश की एकता और अखंडता में सरदार पटेल का योगदान अभूतपूर्व

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पांच कालीदास मार्ग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों युवाओं, बच्चों और आम नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। इस दौरान सीएम योगी ने दौड़ में शामिल छोटे-छोटे बच्चों से मुलाकात की और उन्हें चॉकलेट वितरित कर प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने भगवान धन्वंतरि की जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज के सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि आरोग्यता समाज के विकास की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। इस अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है। उन्होंने कहा यह न सिर्फ एक एकता की दौड़ है बल्कि स्वस्थ रहने के संकल्प का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हर नागरिक को स्वस्थ और एकजुट रहेने की प्रेरणा देता है।

सीएम योगी ने भारत की आजादी और आज के भारत की अखंडता में सरदार पटेल के महान योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के षड्यंत्र को बेनकाब कर 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य में मिलाया। जूनागढ़ के नवाब से लेकर हैदराबाद के निजाम तक सभी को उन्होंने भारतीय एकता के महत्व को समझने पर विवश किया। सरदार पटेल ने अखंड भारत का जो स्वरूप हमें दिया, वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हो रहा है।

सीएम योगी ने सरदार पटेल की दूरदर्शिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सूझबूझ से ही भारत एकजुट राष्ट्र बना। इस वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस का विशेष महत्व है सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक पूरे देश के साथ उत्तर प्रदेश में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से राज्य में सरदार पटेल की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ एकता और भाईचारे का संदेश दिया जाएगा।

रन फॉर यूनिटी के माध्यम से सीएम योगी ने सभी को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने देश की एकता और सुरक्षा के लिए नागरिकों से सेना के साथ अपनी भी जिम्मेदारी निभाने और सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने धनतेरस, दीपावली और छठ के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और सरदार पटेल की 150वीं जयंती को विशेष बनाते हुए उनके महान योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें एकजुट होकर देश की सेवा में योगदान देने का संदेश देता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव समेत कई प्रदेश सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

ढहने लगे रिवरफ्रंट के स्मारक, पुनरोद्धार योजना वर्षों से फाइलों में बंद

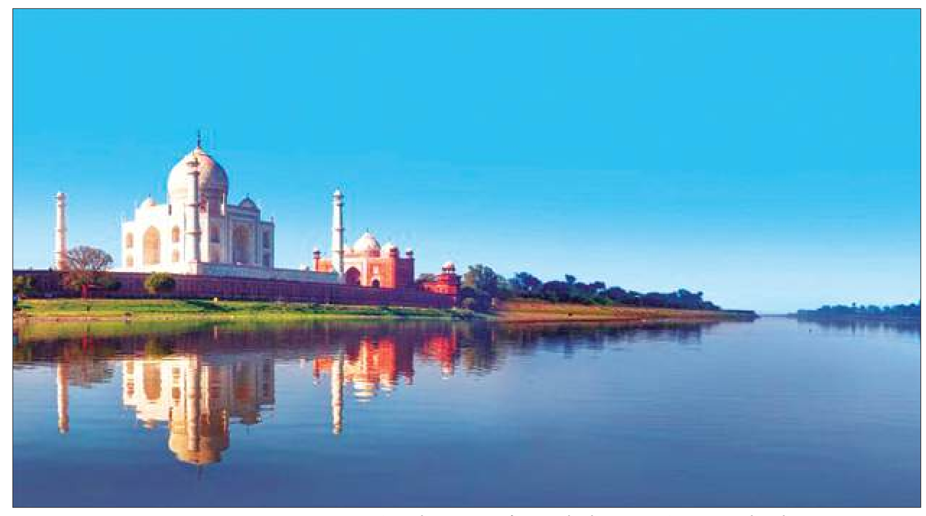

आगरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में मुगल बादशाह बाबर की बेटी जेहरा के नाम पर बने जोहरा बाग का बुर्ज ढह जाने से 500 साल पुरानी अनूठी विरासत को सहेजने की मांग फिर से उठ गई है। ताजमहल से रामबाग तक मुगल काल के रिवरफ्रंट को सहेजने के लिए सात साल पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्टूबर 2017 में घोषणा की थी, लेकिन रिवरफ्रंट फाइलों में ही दबा है। अब यमुना किनारे की धरोहरें ही ढहने लगी हैं। जोहरा बाग की तरह 10 और स्मारकों के ढह जाने और अस्तित्व मिट जाने का खतरा मंडरा रहा है।

सात साल पहले जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा आए तो ताजमहल के पीछे देखते हुए उन्होंने यमुना किनारे दोनों ओर रामबाग तक रिवरफ्रंट गार्डन बनाने की योजना के निर्देश दिए। साबरमती की तर्ज पर आगरा रिवरफ्रंट के लिए आर्किटेक्ट आशीष श्रीवास्तव से योजना भी बनवाई गई, लेकिन फाइलों में ही यह दफन हो गई।

इसमें ताज से रामबाग तक यमुना किनारे की 103.2 एकड़ जमीन पर यमुना 45 से 75 मीटर चौड़ाई में रिवर फ्रंट विकसित किया जाना था। इससे यमुना किनारे के स्मारकों तक पर्यटकों की पहुंच हो जाती और ढहने के कगार पर पहुंच रहे स्मारकों का संरक्षण भी होता। नजूल की जमीन पर यहां नर्सरी चल रही हैं, जहां से स्मारकों तक पहुंचने का रास्ता भी नहीं बचा। जयपुर में रखे मुगलकाल के नक्शे में आगरा किले के पास यमुना नदी के किनारे 48 हवेलियों का जिक्र है। इन्हीं हवेलियों को आस्ट्रियाई इतिहासकार ईवा कोच ने रिवरफ्रंट गार्डन के नाम से अपनी पुस्तक में प्रकाशित किया है। उन्होंने बुलंद बाग से महताब बाग और खान ए दौरान से जफर खां की हवेली तक हर बाग के इतिहास का ब्यौरा दिया है।

ईवा कोच की पुस्तक के मुताबिक जेहरा बाग बाबर की बेटी का नहीं था, बल्कि यह शाहजहां की बेटी जहांआरा ने बनवाया था। शाहजहां ने इस बाग में मई 1638 में ईरानी राजदूत यादगार बेग का स्वागत किया था। उनके साथ सैर की और शाम को मंडप के नीचे यमुना तट पर रोशनी और आतिशबाजी कराई। राजकुमार के रूप में औरंगजेब वर्ष 1652 में अपनी बहन जहांआरा से मिलने इसी बागीचे में आए थे, जब वह ताजमहल की स्थिति का निरीक्षण करने रुके थे। ताज के संरक्षण की पहली रिपोर्ट उसी वर्ष की है।

जहांआरा ने मेहराबों के साथ यहां छतरी को जोड़ा था। 19 वीं सदी में इसे बुर्ज ए सैयद के नाम से जाना गया।

वर्ष 1835 में अंग्रेज यात्री फैनी पार्क्स ने बाग को सैयद बाग के नाम से बताया और कहा कि नदी किनारे लाल बलुआ पत्थर के मंडप के साथ यह राम बाग (नूर अफशान बाग) से कहीं बेहतर था। जोहरा बाग के ढह जाने के साथ इससे सटे बुलंद बाग, 32 खंभा, खान ए दौरान, सराय, खान ए आलम का संरक्षण न होने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पुरातत्वविद केके मुहम्मद ने बताया कि बाबर से लेकर शाहजहां तक के काल में यमुना नदी के किनारे बनाए गए भवन बेहतरीन आर्किटेक्चर का नमूना है। इन्हें बचाने की जरूरत है। अलग अलग काल की वास्तुकला और नदी किनारे के भवनों का निर्माण, ऐसा अनूठा संगम किसी अन्य जगह नहीं है। इसे कैसे भी करके सहेजें

अधीक्षण पुरातत्वविद राजकुमार पटेल ने बताया कि जोहरा बाग के गिर जाने के बाद संरक्षण सहायकों से रिपोर्ट मांगी गई है कि किन स्मारकों में तत्काल काम की जरूरत है। इमारत को नुकसान न पहुंचे, पहले वह काम कराए जाएंगे। जोहरा बाग पर मरम्मत का काम जल्द शुरू कराया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में खुले 100 से अधिक सर्वोदय विद्यालय

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने गरीब और मेधावी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। प्रदेश में समाज कल्याण एवं जनजातीय विकास विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों की संख्या 94 से बढ़कर 100 हो गई है। इन विद्यालयों में जरूरतमंद छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली आवासीय निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ निःशुल्क छात्रावास, पाठ्य सामग्री और यूनिफॉर्म की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। इस कदम से न केवल गरीब वर्ग के छात्रों का भविष्य संवर रहा है बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और सामाजिक समृद्धि का रास्ता भी खुल रहा है।

जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 60 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए, 25 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए, और 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षित है। इस समावेशी नीति के चलते सभी वर्गों के गरीब परिवारों के बच्चों को समान अवसर मिल पा रहे हैं। बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग-अलग विद्यालयों की व्यवस्था की गई है ताकि उन्हें सुरक्षित और प्रभावशाली माहौल में अपनी पढ़ाई करने का मौका मिले। वर्तमान में 58 जिलों में कुल 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिसमें 31 सर्वोदय बालिका विद्यालय और 69 सर्वोदय बालक विद्यालय शामिल हैं।

इनमें से 45 विद्यालयों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है।

गरीब छात्राओं का डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना अब योगी सरकार के प्रयास से साकार हो रहा है। प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ने वाली प्रतिभावान छात्राओं को अब नीट और जेईई की निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। इसके तहत मिर्जापुर जिले के मडिहान में विशेष रूप से एक कोचिंग सेंटर की शुरुआत की गई है, जहां 40 मेधावी छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। सर्वोदय विद्यालयों में छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि पाठ्य सामग्री, यूनिफार्म, और खेल-कूद की पूरी व्यवस्था भी योगी सरकार द्वारा निःशुल्क मुहैया कराई जा रही है। इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों को न केवल शैक्षिक बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाना है। इन विद्यालयों में राज्य सरकार की सेवा से सेवानिवृत 570 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी की जा रही है ताकि उच्च गुणवत्ता की शिक्षा छात्रों को प्रदान की जा सके। इन शिक्षकों में जो टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) कक्षा 6 से 10 तक पढ़ाते हैं उनके लिए मानदेय 34,125 रुपए और पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) कक्षा 11 से 12 तक पढ़ाते हैं उनके लिए 35,700 रुपए का मानदेय निर्धारित किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में सरकार की इस योजना के चलते लाभार्थी छात्रों की संख्या में साल दर साल बढ़ोत्तरी हुई है।

40 लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव विकास की गाथा कह रहाः योगी

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। साढ़े सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। प्रदेश की पहचान देश और दुनिया में दंगे, दुर्दांत माफिया, माफिया गिरोह, राजनीति के अपराधीकरण और शासन के भ्रष्टाचार के रूप में हो गयी थी। इसकी वजह से प्रदेश के युवाओं के सामने नौकरी, सम्मान और स्वाभिमान का संकट खड़ा हो गया था। उस दौरान गुंडागर्दी चरम पर थी। प्रदेश में पर्व और त्यौहार के नजदीक आते ही लोगों के मन में भय के साथ दहशत पैदा हो जाती थी। उन्हे डर रहता था कि कब कहां दंगा हो जाए। वहीं आज प्रदेश दंगा और अराजकता मुक्त हो गया है। पहले जहां निवेशक प्रदेश में निवेश नहीं करना चाहता था। वहीं जिसने निवेश भी किया था तो वह यहां से अपना कारोबार समेट कर भागने की फिराक में रहता था। पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश की तस्वीर देश और दुनिया में बदली। आज देश और दुनिया के इंवेस्टर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रहे हैं। यही वजह है कि पिछले वर्ष ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। ये निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर और विकास की गाथा का बयां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोमतीनगर स्थित होटल ताज में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश ने भव्य ग्लोबल इंवेस्टर समिट का आयोजन कर देश के सामने नजीर पेश की है। पूरे देश में आज इसकी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में आए प्रस्ताव में से 12 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। वहीं वर्तमान में 10

लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव तैयार हैं जबकि शेष पर लगातार काम चल रहा है। सीएम ने कहा कि यह केवल निवेश नहीं है बल्कि प्रदेश के नौजवानों की नौकरी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने वाला अवसर है। आज उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था है। प्रदेश ने तेजी के साथ आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ खुद को स्थापित किया है। वर्ष 2029 तक प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के रूप में खुद को स्थापित करेगा। इसके लिए सभी प्रदेशवासी संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में निवेश और टूरिज्म के लिए अनुकूल माहौल बना है। यह केवल पॉलिसी और ईज आफ डूइंग बिजनेस से नहीं हुआ है बल्कि इसके लिए प्रदेश सरकार को चरणबद्ध तरीके से कार्य करना पड़ा था। इसमें जीरो टॉलरेंस नीति की अहम भूमिका रही है। यही वजह है कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है। अगर वह सोचता भी है तो कानून उसकी गर्दन पकड़ने का काम करेगी, जैसी वह कानून की धज्जियां उड़ाने के बारे में सोचता है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में हर किसी को सुरक्षा का माहौल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझने वाले उत्तर प्रदेश पर देश-दुनिया के हर व्यक्ति की नजरें हैं। वह प्रदेश में निवेश और टूरिज्म का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार को कई परिवर्तन करने पड़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कई रिफॉर्म करने पड़े। इसके अलावा कई सेक्टोरियल पॉलिसी बनायी गयी। उत्तर प्रदेश में आज निवेशकों के लिए 28 सेक्टर की अलग-अलग पॉलिसी है। इसमें हर एक इंवेस्टर के लिए द्वार खुले हैं। पहली बार प्रदेश में सिंगल विन्डो के जरिये निवेश मित्र एक साथ 450 एनओसी जारी कर रहे हैं। वहीं निवेशकों की मदद के लिए निवेश सरथी पोर्टल बना हुआ है। इसके जरिये निवेशकों को ऑनलाइन इंसेंटिव दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने जो कहा था, वह आज करके दिखा दिया है। इसके लिए सरकार को प्रमाण देने की जरुरत नहीं है बल्कि उसके परिणाम सबके सामने है। पहले जहां प्रदेश के युवाओं को नौकरी के लिए भटकना पड़ता है, वहीं आज उन्हे उनके जिले में ही नौकरी के अवसर मिल रहे हैं।

तांत्रिक के घर मिले लाखों रुपए, बोरे में निकले कैश और जवाहरात

बरेली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली के तांत्रिक मियां सैयद अतर अली के घर से लाखों रुपए नगद मिला है। इतना ही नहीं, उसके यहां बोरियों में भरकर सोने-चांदी के गहने भी बरामद हुए हैं। पुलिस को इसकी जानकारी तब हुई जब तांत्रिक की दो शिष्याओं के बीच इन पैसों को लेकर विवाद हुआ और मामला पुलिस के पास पहुंचा।बरेली के बहेड़ी इलाके में ताबीज देने और झाड़-फूंक करने वाले मियां की तबीयत खराब हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। तांत्रिक के पास कितना पैसा है और ये सब कहां रखा है, इसकी जानकारी उसकी दो शिष्याओं को थी। तांत्रिक के पैसों को लेकर मकान मालिक और मियां की शिष्याओं के बीच विवाद हुआ तब ये मामला पुलिस के पास पहुंचा। झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कीमती सामान को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बोरे में भरकर रुपए बरामद किए और अपने साथ लेकर चली गई। पुलिस ने सेवादार महिलाओं से रुपए और सामान जब्त कर लिए। मियां ने मीडिया से दावा किया कि उसके यहां बरामद होने वाली रकम 20 से 25 लाख रुपए थी लेकिन पुलिस 18 लाख 52 हजार रुपए ही बता रही है। मियां सैयद अतर अली मूल रूप से सहारनपुर का रहने वाला है। वह बहेड़ी के गुरसौली गांव में रईस के मकान में किराए पर रहता है। जड़ी बूटियों और ताबीजों से लोगों का इलाज करता है। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत खराब चल रही थी। शनिवार को अतर अली (52) को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अतर अली की सम्पत्ति को लेकर रामपुर निवासी उसकी सेवादार गुलसफा, कामिल जहां और मकान मालिक रईस भिड़ गए। सेवादार नगदी और सारा सामान लेकर भागने की कोशिश करने लगीं तभी रईस ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सारा सामान कब्जे में लिया। सेवादार और मकान मालिक को हिरासत में लेकर बहेड़ी थाने ले गई। सेवादार महिलाएं और मकान मालिक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया। पुलिस ने इसकी जानकारी आयकर विभाग को भेज दी है।

गाजियाबाद जिला कोर्ट में हंगामा, जज से कहासुनी

कोर्ट रूम में पुलिस ने भांजी लाठियां

गाजियाबाद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिला कोर्ट में आज भारी बवाल मच गया। कोर्ट में पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के दौरान कई वकील घायल हो गए। पूरा मामला जिला जज और पूर्व बार अध्यक्ष की कहासुनी से शुरू हुआ। कोर्ट में मंगलवार सुबह एक जमानत अर्जी ट्रांसफर करने की मांग पर जिला जज अनिल कुमार और पूर्व बार अध्यक्ष नाहर सिंह यादव के बीच बहस हो गई। इसके बाद जिला जज डायस से नीचे आ गए। कहासुनी के बाद जिला जज से बदसलूकी की। भारी हंगामे के बीच कोर्ट रूम में पुलिस को बुलाना पड़ा।

वकीलों ने हंगामे के दौरान कामकाज बंद कर दिया। सूचना मिलते ही ग्राउंड फ्लोर पर तैनात पीएसी के जवान भी पहुंच गए और जमकर लाठियां भांजी, इससे नाराज होकर जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान कचहरी में भगदड़ मच गई। इसी बीच पुलिस चौकी में आग लगने की सूचना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वकीलों का आरोप है कि जिला जज कोर्ट रूम में उन्हें चारों तरफ से दरवाजे बंद करके पीटा गया। जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

संपादकीय

कौन बंटेगा, कौन कटेगा?

बंटेंगे तो कटेंगे। यह नारा उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया था। वह अब तिल का ताड़ बन गया है। उसकी अलग-अलग व्याख्याएं की जा रही हैं। राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। यदि इस नारे के जरिए 'हिंदू' का आह्वान किया गया था, तो हिंदुओं का विश्वास है कि वे खतरे में नहीं हैं और न ही वे चिंतित हैं। यह नारा समाज में तनाव पैदा करने के लिए है। हम हिंदू हैं, लेकिन हम तटस्थ हैं। नारे की भाषा अमर्यादित है। ऐसी भाषा की अपेक्षा भाजपा और संघ परिवार से नहीं की जा सकती। क्या हिंदू मूर्ख हैं, जो ऐसे नारे का निहितार्थ नहीं समझते? क्या नारे के जरिए ही हिंदू लामबंद होगा और भाजपा की ओर उसका ध्रुवीकरण होगा? ऐसे आह्वान भाजपा की ओर से किए जाते रहे हैं, ताकि उसका स्थायी बहुमत बरकरार रहे। संघ परिवार भी हिंदूवाद को ही राष्ट्रवाद मानता रहा है। मुख्यमंत्री योगी के इस नारे को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में भी दोहराया है। अब आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इसकी पुष्टि करते हुए नारे पर मुहर लगा दी है। दत्तात्रेय ने वही बात कही है, जो संघ की कार्यकारिणी ने विमर्श के बाद तय की थी। संघ की दलील है कि लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' अहम है। 'राष्ट्रीय एकता' क्यों अहम नहीं है? मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई आदि समुदायों की एकता बेहद जरूरी क्यों नहीं है? वे भी भारतीय, हिंदुस्तानी हैं। बार-बार सचेत किया जा रहा है कि 'बंटेंगे, तो कटेंगे। एकजुट रहेंगे, तो नेक रहेंगे।' देश में करीब 25,000 उपजातियां और करीब 3000 जातियां हैं। वे विभिन्न और विविध हैं, लेकिन भारत राष्ट्र के तले सभी भारतीय हैं। वे विभाजित देश नहीं हैं। ये जातियां हिंदुओं की ही हैं। वे अलग हुई हैं, अपनी अलग पहचान बनाई है, लेकिन वे बुनियादी तौर पर हिंदू हैं। उनकी आस्था सनातन है। यह न तो संविधान-विरोधी है और न ही सनातन-विरोधी है। देश में करीब 21 करोड़ मुसलमान भी हैं। वे अमूमन भाजपा को वोट नहीं देते। कर्नाटक के चुनाव में 90 फीसदी से अधिक मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में गए, तो भाजपा को 7-9 फीसदी वोट ही मिले, लेकिन गैर-मुस्लिम वोटों का बहुमत भाजपा के पक्ष में रहता है। यह औसत भारतीय का संवैधानिक मताधिकार है। क्या सवाल और चिंता यह है कि क्षेत्र, जाति, धर्म, वर्ग आदि में बंटेंगे, तो तय है कि कटेंगे? 'कटेंगे' शब्द आपत्तिजनक है, क्योंकि 1947 के बाद भारत का दोबारा विभाजन नहीं हुआ है। सभी जातियों, क्षेत्र, धर्म, मत के लोग मताधिकार का इस्तेमाल करते रहे हैं और लोकतांत्रिक सरकारें चुनते रहे हैं। फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ ही राज्यों में भाजपा की अनपेक्षित, अप्रत्याशित पराजय के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह नारा क्यों दिया? और इसे संघ परिवार का नारा क्यों बना दिया गया? इस नारे का आक्रामक प्रचार क्यों किया जा रहा है? इन सवालों का एक ही जवाब हो सकता है कि यह भाजपा की चुनावी रणनीति है। इसका परिणाम हरियाणा चुनाव में देख चुके हैं, जहां नारे के बाद भाजपा का काडर और समर्थक एकजुट हुए, चुपचाप वोट किए, नतीजतन भाजपा को बहुमत हासिल हुआ। अब यह आजमाइश महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में की जा रही है। यकीनन भाजपा हिंदू वोट बैंक को बंटने नहीं देना चाहती और उन्हें डरा रही है। मुसलमानों को भी डराया जाता है। भारत में चुनाव 'जातीय' हो गए हैं। भाजपा ने हिंदुओं का यह हथियार 'जातीय जनगणना' के समानांतर उठाया है। इस नारे के कुछ नतीजे दिखाई दे रहे हैं और हिंदुओं में लामबंदी शुरू हो रही है। दलित, पिछड़े, आदिवासी आदि की उपजातियां अब भी हिंदू मानती हैं, लेकिन उनके वोट बैंक ध्रुवीकृत होते रहे हैं। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में उनके वोट औसत बिल्कुल बदल गए हैं। जो भाजपा के पक्ष में थे, अब वे भाजपा के विपक्ष में हैं। भाजपा स्पष्ट रूप से हिंदुओं का नाम लेकर अपने खोये जनाधार को वापस हासिल करने के पक्ष में नहीं है, लिहाजा भाषा बदल कर यह नारा दिया गया है। क्या भाजपा सफल होगी? यह तो चुनाव ही तय करेंगे, लेकिन हम ऐसी राजनीति के पक्षधर नहीं हैं।

नारे की भाषा अमर्यादित है। ऐसी भाषा की अपेक्षा भाजपा और संघ परिवार से नहीं की जा सकती। क्या हिंदू मूर्ख हैं, जो ऐसे नारे का निहितार्थ नहीं समझते? क्या नारे के जरिए ही हिंदू लामबंद होगा और भाजपा की ओर उसका ध्रुवीकरण होगा? ऐसे आह्वान भाजपा की ओर से किए जाते रहे हैं, ताकि उसका स्थायी बहुमत बरकरार रहे। संघ परिवार भी हिंदूवाद को ही राष्ट्रवाद मानता रहा है। मुख्यमंत्री योगी के इस नारे को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में भी दोहराया है। अब आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इसकी पुष्टि करते हुए नारे पर मुहर लगा दी है। दत्तात्रेय ने वही बात कही है, जो संघ की कार्यकारिणी ने विमर्श के बाद तय की थी।

न्याय की देवी की आंखें खुलीं और हाथ में आया संविधान

तो कांग्रेस में मचा कोहराम

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

अगर देखा जाए तो भारत की पूरी न्याय व्यवस्था अभी तक अंग्रेजों के द्वारा बनाए गए कानून और उनकी परंपराओं को ही ढोती चली आ रही है। पिछले दिनों सरकार ने अंग्रेजों की बनाए कानूनों को हटाकर हिंदी भाषा में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू किया तो हड़कंप मच गया था। अपने को अंग्रेजों का वारिस मानने वाले राजनीतिक दल इसे पचा नहीं पा रहे। यही कारण है कि संविधान की हीरक जयंती आने पर भी हमारे देश में जनभाषा में न्याय सुलभ नहीं हो पा रहा। लेकिन अब जाते-जाते भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारत में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही न्याय की देवी की आंखों से पट्टी उतार दी और उसे तलवार की जगह भारत का संविधान थमा दिया। यही नहीं रोमन-ग्रीक वेशभूषा की जगह उसे भारतीय साड़ी पहना दी।

इससे विपक्षी दल विशेषकर कांग्रेस बौखला उठी। सबसे पहले मोर्चा संभाला पुराने कांग्रेसी नेता और सर्वोच्च न्यायालय के वकील और सर्वोच्च न्यायालय की बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने। यहाँ यह बताना भी आवश्यक है कि जब कभी भारतीय धर्म-संस्कृति का मामला आया तो कपिल सिब्बल सबसे पहले उसकी विरोध में खड़े हुए और उसकी लड़ाई लड़ी। वे कपिल सिब्बल ही थे, जिन्होंने रामसेतु का विरोध किया और उसके तोड़ने के पक्ष में खड़े हुए। वे कपिल सिब्बल ही थे जो अयोध्या मंदिर को रुकवाने के लिए सैकड़ों वकीलों के साथ लगातार अड़े रहे और लड़ते रहे। ऐसे में यह स्वाभाविक ही है कि भारत में न्याय की देवी शब्द उन्हें कचोटता है, लेकिन क्योंकि अंग्रेजी में गोड्डेस से लिखा है तो हिंदी में देवी ही कहा जाएगा। लेकिन अभी तक न्याय की देवी की पुरानी मूर्ति की वेशभूषा रोमन-ग्रीक थी और हाथ में तलवार भी। यानी उसमें कुछ भी भारतीय नहीं दिखता था। सब अंग्रेजों जैसा दिखता था। इसलिए कांग्रेसियों को इसमें कुछ आपत्तिजनक नहीं लगता था। शायद न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी भी उन्हें अच्छी लगती होगी ताकि वह सच न देख सके।

यहां यह समझ लेना भी उचित होगा कि न्याय की देवी की अवधारणा भारतीय नहीं है। जैसा कि पहले बताया गया कि यह रोमन-ग्रीक मिथकों पर आधारित है। बताया जाता है कि रोम के राजा अगस्तस्य जो न्याय को महत्व देने वाले राजा थे, उन्होंने सबसे पहले न्याय की देवी की मूर्ति बनवाई थी। इसे यूं भी कह सकते हैं कि उन्होंने एक महिला न्यायाधीश की मूर्ति बनवाई थी। उसके बाद उनके सौतेले पुत्र जब राजा बने तो उन्होंने उसे देवी के रूप में मानते हुए उनका मंदिर बनवाया। फिर विभिन्न यूरोपीय देशों में न्यायालयों में न्याय की देवी की मूर्ति लगाने का प्रचलन हो गया। और यह परंपरा अंग्रेजों के साथ भारत में भी चली आई। तब से अब तक जो हमारे बीच मौजूद रही। लेकिन एकाएक जब न्याय की देवी का बदला हुआ रूप और वह भी रोमन या ग्रीक के बजाय भारतीय रूप सामने आया तो अपने को अंग्रेजों का उत्तराधिकारी मानने वालों में कोहराम मच गया। वहां न केवल भारतीय परंपरा की साड़ी है बल्कि मुकुट भी है और हाथों में तलवार के बजाय भारत का संविधान।

यहां हैरानी की बात यह भी है कि आपातकाल सहित कई बार संविधान की धज्जियां उड़ाने वाली, संविधान की प्रस्तावना जो बदली नहीं जा सकती, उस तक को बदल देने वाली और उसमें मनमाने परिवर्तन करने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान लगातार संविधान-संविधान का जाप करके, संविधान बदले जाने का डर दिखाती रही, अब उसे न्याय की देवी के हाथों में संविधान पकड़ने से आपत्ति क्यों हो रही है? वैसे भी देखा जाए तो वहां तलवार का औचित्य ही क्या है? न्यायपालिका तो संविधान और विधान की व्याख्या करते हुए निर्णय देती है। तो तलवार की जगह संविधान सर्वथा उपयुक्त है।

लेकिन अभी तक न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को अपना आदमी मानने वाली कांग्रेस इससे सकते में आ गई और कपिल सिब्बल की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बार एसोसिएशन ने आनन-फानन में एक प्रस्ताव पारित करके इसका विरोध कर दिया। उनका कहना था, यह तो हमसे बिना पूछे किया गया है। यह तो मनमाना है। तो क्या इसके लिए पहले चुनाव करवाते? फिर भी यह भी तो बताएं कि न्याय की देवी के भारतीय स्वरूप में उन्हें आपत्ति क्या है? सोचिए अगर पहले से सब की राय ली गई होती, तो क्या कभी कोई परिवर्तन हो पाता? कांग्रेस की समस्या यह है कि भारतीय परिधान परिवेश की इस मूर्ति से उन्हें भारतीयता की झलक आती है। देवी शब्द से हिंदू धर्म नजर आता है, जिसका वे हमेशा से विरोध करते रहे हैं। लेकिन जो होना था वह तो हो चुका, आप पास करते रहिए प्रस्ताव?

हिंदू धर्म से इनका इतना कड़ा विरोध है कि मूलतः मराठी भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने अपनी परंपरागत मराठी हिंदू परंपरा के अनुसार गणेशोत्सव के दौरान अपने निवास पर भगवान गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की और वहाँ मोदी जी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने इस पर भी खूब बवाल काटा। एक तो हिंदू धर्म की बात आ गई, दूसरे उस पर प्रधानमंत्री मोदी का पूजा में पहुंचकर भगवान गणेश को शीश नवाना, दोनों ही तकलीफदेह थे। अब कांग्रेस की दुविधा यह भी है कि अगर वह न्याय की देवी के हाथ में तलवार की जगह संविधान दिए जाने का विरोध करें तो संविधान के नाम पर जो एजेंडा उन्होंने चलाया उसका क्या होगा? अगर वह कहे कि आंखों की पट्टी क्यों खोली? तो लोग कहेंगे कि महाभारत के धृतराष्ट्र की तरह न्याय की देवी को अंधा क्यों रखना चाहते हैं? अगर मुकुट का विरोध करेंगे तो लोग कहेंगे कि देवी तो मुकुट पहनती ही है। इसलिए उन्होंने अब ये तेवर अपनाए हैं कि हमसे पूछा क्यों नहीं ? यानी कि अब कपिल सिब्बल और उनकी मंडली या दल से पूछे बिना सर्वोच्च न्यायालय कोई निर्णय नहीं ले सकता?

सर्वोच्च न्यायालय ने इसके साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय का नया लोगो भी बनवाया है। नए प्रतीक चिह्न में लिखा है यतो धर्मस्तो जय: अर्थात जिस तरफ धर्म होता है उसकी जीत होती है। यहां धर्म का अर्थ किसी धर्म या पंथ विशेष से न हो कर सत्य के पक्ष से है। लेकिन हिंदी में और वह भी धर्म शब्द आ गया तो इससे उन्हें तो पीड़ा होनी ही थी। उन्हें लगता है कि हिंदी की बात, धर्म की बात, भारतीयता की बात यह तो संघ की बात हो गई। अगर किसी विदेशी भाषा की बात होती, विदेशी धर्म-ग्रंथ से किसी शब्द को लिया जाता या पहले की तरह विदेशी वेशभूषा रहती तो उनके मन के अनुरुप होता। तीसरी बात हुई कि सर्वोच्च न्यायालय ने नया ध्वज भी स्वीकार किया है। हालांकि नीले रंग के इस ध्वज पर तो नया लोगो ही बना है।

यदि किसी भारतीय की दृष्टि से देखा जाए तो अंग्रेजों की दासता से मुक्ति पाकर भारतीय न्यायपालिका का भारतीयता को अपनाना हर प्रकार से स्वागत योग्य है। फिर यह निर्णय किसी राजनीतिक दल या सरकार द्वारा नहीं बल्कि स्वयं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिया गया है। ऐसा लगता है कि इतने श्रेष्ठ निर्णय का विरोध करने वाले आज भी मानसिक रूप से अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त नहीं हुए हैं।

यह आवश्यक है कि हम गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति पाकर अपने भारतीय प्रतीक बनाएं। अंग्रेजों की व्यवस्थाओं का पिछलग्गू बनने के बजाए, अपने देश के स्वाभिमान और अपनी जनता की आवश्यकताओं के अनुसार अपनी व्यवस्थाएँ बनाएँ। अंग्रेजों को श्रेष्ठ मानने की मानसिकता को त्याग कर खुद को श्रेष्ठ बनाएं। हम विश्व की सर्वश्रेष्ठ सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त की थीं, जिनके माध्यम से आज के विकसित देश आगे बढ़े हैं। आइए अपनी विरासत का सम्मान करते हुए, अपने महान ज्ञान-विज्ञान को आत्मसात करते हुए, आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से कदमताल करते हुए, फिर से भारत को सर्वश्रेष्ठ बनाएं।

कुछ अलग

काऊ साइंस

साधो इस समय देश प्रगति के चरम पथ पर उसेन बोल्ट की तरह गतिमान है। विश्व की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने से बस हम कुछ ही पायदान पीछे हैं। अगर सरकारी आंकड़ेबाज़ों, गोदी मीडिया और सोशल मीडिया में पसरे अंधभक्तों ने चाहा तो वह दिन दूर नहीं जब दुनिया में कोई और माने या न माने, हमारे शीश पर विश्व की सबसे बड़ी इकॉनमी का ताज अपनी चमक बिखेर रहा होगा। भूखे पेट देश सन 2047 में इस ताज का भार सह पाएगा या नहीं, अभी यह कहना जरा मुश्किल है। अभी तो हम इसी बात पर प्रसन्न हो लेते हैं कि दुनिया के सबसे भुक्खड़ देशों में पाकिस्तान हमसे पीछे है। हाल ही में कई उत्साही अंधभक्तों ने व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी पर जानकारी साझा की है कि नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक सीवी रमन की तरह कई स्वयंसेवकों ने अपने दफ्तरों और घरों में प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां वे देशी गायों के दूध, गोबर और गोमूत्र पर गंभीर शोध कर रहे हैं। कई गाय वैज्ञानिक तो इतने गंभीर हैं कि वे नियमित रूप से गोबर और गोमूत्र का सेवन करते हुए यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि इनसे कौन-कौन से रोग दूर किए जा सकते हैं। कई गाय वैज्ञानिक गाय को साबुत गेहूं खिलाने के बाद, उसके गोबर में मिलने वाले दानों को धोने, सुखाने के बाद उसके आटे से बनी रोटियां खाकर शोध में व्यस्त हैं। कई उत्साही गाय वैज्ञानिक तो गोबर में मिले इन दानों को धोने का कष्ट भी नहीं करते। बस सुखाने और पीसने के बाद उन्हें रोटी के रूप में ग्रहण कर लेते हैं। उनकी इसी गौ भक्ति को देखते हुए सरकार ने कुछ साल पहले मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी फार्मिंग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की है। गौ वैज्ञानिकों के इस अदम्य उत्साह को देखते हुए मंत्रालय के अधीन गठित राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने करीब तीन साल पहले यूजीसी के सहयोग से अखिल भारतीय स्तर पर देश के नौ सौ विश्वविद्यालयों में पहली बार निःशुल्क कामधेनु गऊ विज्ञान प्रचार प्रसार परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया था। हिंदी-अंग्रेज़ी सहित बारह भाषाओं में आयोजित होने वाली यह परीक्षा चार खंडों में विभाजित थी। विभिन्न आयु वर्गों के लिए प्रस्तावित एक घंटे की इस परीक्षा में सौ प्रश्न पूछे जाने थे। लेकिन बुरा हो उन आधुनिकतावादियों का, जिनके विरोध के चलते आयोग को यह परीक्षा रद्द करनी पड़ी। इधर विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि इज़रायल ने ईरान के संभावित परमाणु हमले से बचने के लिए भारत से एक लाख टन गाय का गोबर आयात करने का ऑर्डर दिया है। सुनने में आया है कि जिस तरह भारतीय निहत्थे फिलिस्तीनियों पर इज़रायल के सशस्त्र अत्याचारों का समर्थन कर रहे हैं, उससे प्रभावित होकर इज़रायल के पशु वैज्ञानिक भारतीय गऊ वैज्ञानिकों के शोध में भारत आकर मदद कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब भारत सरकार अपने बेरोजग़ार युवाओं को रोजग़ार मुहैया करवाने के नाम पर खाड़ी में पिछले एक साल से चल रहे युद्ध में उन्हें मरने के लिए इज़रायल भेज सकती है, तो इज़रायली वैज्ञानिक भारतीय शोध में क्यों हाथ नहीं बंटा सकते। फिर इस शोध का पहला प्रत्यक्ष लाभ इज़रायल को ही होगा। भारतीय गऊ वैज्ञानिकों के अब तक किए गए शोध के परिणामों के अनुसार देसी गायों का गोबर रेडियोएक्टिविटी को निष्क्रिय कर देता है, उनके दूध में सोना होता है, गोबर और गोमूत्र के सेवन से कैंसर ठीक हो जाता है। यह जानकारी भारत की प्रतिष्ठित गऊ वैज्ञानिक, मालेगांव ब्लास्ट की आरोपी और पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ने स्वयं पर कई साल प्रयोग करने के बाद इंटरनेशनल जर्नल ऑव काऊ साईंस में प्रकाशित अपने शोध में दी है।

बहुत कुछ है, मगर फिर भी वह नहीं है, जिसके लिए वह है

होने और न होने का भारतीय भ्रम!

अरविंद त्रिपाठी

लोग शिकायतों का पुलिंदा होते हैं, यह मान कर ही अधिकारी उन्हें खुद से दूर रखते हैं। इसकी वजह होने और न होने का भ्रम है। जिसके गूढ़ रहस्यों को समझना होगा। आते ही शिकायत दर्ज कराते हैं, नल है मगर पानी नहीं है। ये बिचारे नहीं जानते कि इस देश में चीजें होती ही इसीलिए हैं कि उनमें वह न हो जिसके लिए वे होती हैं।

नल है, मगर पानी नहीं आता। हैंडपंप हैं, मगर चल नहीं रहे। विभाग हैं, काम नहीं करते। टेलीफोन लगाया, लगा नहीं। अफसर हैं, मगर छुट्टी पर हैं। बाबू है, मगर उसे काम नहीं पता है। आवेदन किया था, मंजूर नहीं हुआ। रिपोर्ट लिखाई थी, कुछ हुआ नहीं। जांच हुई थी, रिपोर्ट नहीं आई। योजना स्वीकृत है, पर बजट मंजूर नहीं है। बजट स्वीकृत है, रुपया नहीं आया। पद है, पर आजकल खाली है। आदमी योग्य था, तबादला हो गया। अफसर ठीक है, मगर उसके मातहत खाली हैं। भाई, मातहत तो काम करना चाहते हैं, ऊपर से ऑर्डर नहीं आता। मशीन आ गई, बिगड़ी पड़ी है। कारखाना है, बिजली नहीं है। उत्पादन हो रहा है, बिक्री नहीं है। मांग है तो पूर्ति नहीं है। पूर्ति कर सकते है, कोई डिमांड नहीं है।

यात्री खड़े हैं, टिकिट नहीं मिल रहा है। टिकिट मिल गया, ट्रेन लेट है। गाड़ी आई, जगह नहीं थी। जगह मिली, तो वहां पर पहले से किसी का सामान साधिकार रखा था। एअर का टिकिट लिया, वह भी वेटिंग लिस्ट में मिला। सीट कन्फर्म हुई, फ्लाइट कैंसल हो गई। साहब के घर पहुंचे तो वो मिले नहीं। मिले, मगर जल्दी में थे। तार भेजा, देर से पहुंचा। चिट्ठी भेजी, जवाब नहीं मिला। सोशल मीडिया है, लोग एंटी-सोशल हो गए।

नल है, मगर पानी नहीं आता। हैंडपंप हैं, मगर चल नहीं रहे। विभाग हैं, काम नहीं करते। टेलीफोन लगाया, लगा नहीं। अफसर हैं, मगर छुट्टी पर हैं। बाबू है, मगर उसे काम नहीं पता है। आवेदन किया था, मंजूर नहीं हुआ। रिपोर्ट लिखाई थी, कुछ हुआ नहीं। जांच हुई थी, रिपोर्ट नहीं आई। योजना स्वीकृत है, पर बजट मंजूर नहीं है। बजट स्वीकृत है, रुपया नहीं आया। पद है, पर आजकल खाली है। आदमी योग्य था, तबादला हो गया।

आए, पर आते ही बीमार पड़ गए। इंजेक्शन दिया, पर कुछ फरक नहीं पड़ा। अस्पताल गए, बेड खाली नहीं था। बेड पर पड़े हैं, कोई पूछनेवाला नहीं है। शिकायत करें, मगर कोई सुननेवाला नहीं है। आईसीयू है, टेकनीशियन नहीं हैं। नेता हैं, मिल नहीं सके। सुन तो लिया, कुछ किया नहीं। शिलान्यास हुआ, इमारत नहीं बनी। बिल्डिंग है, मगर दूसरे काम में आ रही। हां, काम चल रहा है, मगर हमें क्या फायदा! स्कूल है, पर हमारे बच्चे को एडमीशन नहीं मिला। पढ़ने गए थे, बिगड़ गए। टीम भेजी थी, हार गई। प्रोग्राम हुआ था, मगर जमा नहीं। हास्य का था, मगर हंसी नहीं आई।

पूछा था, बोले नहीं। खबर थी, अफवाह निकली। अपराध हुआ, गिरफ्तारी नहीं हुई। संपादक के नाम पत्र भेजा था, छापा नहीं। कविता लिखी, कोई सुननेवाला नहीं है। नाटक हुआ, भीड़ न थी। पिक्चर लगी, चली नहीं। किताब छपी थी, बिकी नहीं। बहुत ढूंढ़ी, मिली नहीं। आई थी, खतम हो गई।

क्या करें, कुछ होता नहीं। कुर्सी पर बैठा, मगर ऊंघ रहा है। फाइल पड़ी है, दस्तखत नहीं हो रहे। क्या है, क्या नहीं है। कर्फ्यू हटा तो फिर झगड़े हो गए। स्थिति नियंत्रण में है, मगर खतरा बना हुआ है। आदमी हैं, मगर मनुष्यता नहीं रही। दिल हैं, मगर मिलते नहीं। देश अपना हुआ, मगर लोग पराये हो गए। और आप हैं कि नल में पानी न होने की रट लगाए बैठे हैं! अरे साहब, बहुत कुछ है, मगर फिर भी वह नहीं है, जिसके लिए वह है।

आप का नजरिया

खाद्य तेल के विरोधाभास

दीपावली के त्योहारी मौसम में खाद्य तेलों की कीमतों में खूब उबाल आया है। यह चुनाव का मौसम भी है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी है। इसी दौरान महंगाई का मुद्दा एक बार फिर गरमा उठा है। 'महंगाई डायन खाए जात हो' वाला गीत पहले भी प्रासंगिक था और अब मौजूदा सरकार के दौरान भी मौजू है। एक महीने के दौरान ही ताड़, सूरजमुखी, सोयाबीन, सरसों और मूंगफली के तेल काफी महंगे हो गए हैं। ताड़ के तेल की कीमतों में 37 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ये सभी रोजाना के इस्तेमाल में आने वाले खाद्य तेल हैं। वे औसतन 58 फीसदी महंगे हुए हैं। बीते माह सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 5.5 फीसदी थी, जो 9 महीनों में सर्वाधिक थी। खाद्य तेलों की महंगाई भी मुद्रास्फीति से जुड़ी है अथवा यह मुनाफाखोरी, जमाखोरी या कालाबाजारी की महंगाई है! अजीब विरोधाभास है कि भारत दलहन और तिलहन का बड़ा उत्पादक देश है। सरसों, सोयाबीन, ताड़ आदि की फसलें पर्याप्त हुई हैं। उसके बावजूद भारत को 65 फीसदी खाद्य तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है। यह मोदी सरकार का ही विरोधाभास नहीं है। मौजूदा सरकार से पहले भी हमें 58 फीसदी खाद्य तेल आयात करना पड़ता था। यह विरोधाभास इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी अधिक तिलहन, दलहन की पैदावार का आह्वान करते रहे हैं, किसानों ने अधिक पैदावार की भी है, लेकिन सरकार 10-20 फीसदी फसल की ही खरीद करती है। ऐसा क्यों है? सवाल यह भी है कि भारत ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश क्यों नहीं की? भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बना भी है और कइयों में ऐसे प्रयास जारी हैं, लेकिन किसानों की फसल खरीद में अलग-अलग मापदंड हैं। खाद्य तेल घरेलू भोजन का आधार हैं, तो होटल, रेस्तरां, ढाबों और मिठाई की दुकानों की भी बुनियादी जरूरत हैं। उनके यहां खाद्य तेल की खपत खूब होती है, क्योंकि तेल से ही विभिन्न व्यंजन बनाए जाते हैं। अब बीते एक माह के दौरान ही सरसों का तेल 29 फीसदी, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल 23 फीसदी प्रति महंगे हुए हैं। गनीमत है कि मूंगफली के तेल की कीमतें मात्र 4 फीसदी ही बढ़ी हैं। जाहिर है कि घरेलू और व्यवसायों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। तेल से बनने वाले व्यंजन या सामान्य भोजन अथवा स्नैक्स आदि सभी महंगे होंगे। क्या आम आदमी इस महंगाई को झेल सकता है? भारत ऐसा देश है, जिसमें आर्थिक आकलन किया गया था कि जिनकी औसतन आय 25,000 रुपए माहवार है, वे देश की सम्पन्न जमात में आते हैं। ऐसी मात्र 10 फीसदी आबादी है। इसके मायने हैं कि देश की अधिकतर आबादी गरीब है, क्योंकि उसकी आमदनी 25,000 रुपए से कम है। क्या ऐसा देश 181 रुपए प्रति लीटर का खाद्य तेल खरीद सकता है और घर की रसोई को 'चिकना' रख सकता है? यह मुद्दा कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लपक लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े का आकलन है कि आम आदमी की थाली औसतन 52 फीसदी महंगी हुई है।

इजराइल के लड़ाकू विमान लेबनान के बाल्बेक में गरजे, 63 मारे गए

बेरूत,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी के बाल्बेक क्षेत्र में कहर बरपाया है। रॉकेट और मिसाइल हमले में कम से कम से 63 लोग मारे गए और दर्जनों जख्मी हो गए। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान में रात भर और मंगलवार सुबह तक हमले जारी रहे। प्रमुख समाचार पत्र द नेशनल ने लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को बेका घाटी के बाल्बेक और हर्मेल क्षेत्र में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 63 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह युद्ध शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र के लिए सबसे हिंसा भरा दिन रहा। सोमवार दोपहर इस क्षेत्र में हुए ताबड़तोड़ हमलों से बाल्बेक से बेरूत तक चारों तरफ धुआं का गुबार उठा।

बाल्बेक और हर्मेल के गवर्नर बशीर खोदर ने कहा कि इजराइल ने 23 सितंबर को लेबनान के कुछ हिस्सों में बड़ा हवाई अभियान शुरू किया था। इसके बाद एक अक्टूबर को लेबनान के दक्षिण में जमीनी आक्रमण किया। सोमवार का हमला सबसे वीभत्स रहा। उन्होंने एक्स पर लिखा, अभी भी 15 से अधिक लोग मलबे में फंसे हुए हैं। उन्हें निकाला जा रहा है।

लेबनान के नागरिक सुरक्षा बल ने भी गोलाबारी के कारण कई जगह आग लगने की सूचना दी है। इजराइल ने पूरे क्षेत्र में शृंखलाबद्ध हमले कर 30 जगह तबाही मचाई। इन हमलों में एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अकेले अल अलक शहर में एक ही परिवार के सोलह लोग मारे गए। इस हमले में फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर को भी निशाना बनाया गया।

ब्रिक्स के एक और सदस्य देश ने दिया चीन को झटका

ब्राजील भी बीआरआई में शामिल नहीं होगा

रियो डी जेनेरियो, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेष सलाहकार सेल्सो एमोरिम ने कहा, ब्राजील, चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में शामिल नहीं होगा और इसके बजाय चीनी निवेशकों के साथ सहयोग करने के वैकल्पिक रास्तों की तलाश करेगा।

ब्राजील ने चीन को बड़ा झटका देते हुए उसके महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट बीआरआई (बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव) में शामिल होने से इन्कार कर दिया। इसके साथ ही भारत के बाद ब्राजील ब्रिक्स संगठन का दूसरा देश बन गया है, जिसने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेष सलाहकार सेल्सो एमोरिम ने कहा, ब्राजील, चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में शामिल नहीं होगा और इसके बजाय चीनी निवेशकों के साथ सहयोग करने के वैकल्पिक रास्तों की तलाश करेगा।

सेल्सो एमोरिम ने कहा कि ब्राजील, चीन के साथ अपने संबंधों को नए स्तर पर ले जाना चाहता है, लेकिन बिना किसी अनुबंध पर हस्ताक्ष किए। ब्राजील का यह ऐलान चीन की कम्युनिस्ट सरकार के लिए बड़ा झटका है, खासकर तब जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 नवंबर को ब्राजील का आधिकारिक दौरा करने वाले हैं। चीन की कोशिश थी कि जिनपिंग की ब्राजील यात्रा को राजकीय यात्रा का मुख्य आकर्षण बनाया जाए, लेकिन अब ब्राजील ने प्रोजेक्ट से ही बाहर रहकर चीन के मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

गौरतलब है कि ब्राजील में ही बीआरआई प्रोजेक्ट के खिलाफ आवाजें उठ रहीं थी। ब्राजील की अर्थव्यवस्था और विदेश मामलों के कई अधिकारियों ने चीन के अरबों डॉलर के बीआरआई प्रोजेक्ट में ब्राजील के शामिल होने का विरोध किया था। अधिकारियों का कहना था कि चीन के इस बुनियादी ढांचे के प्रोजेक्ट में शामिल होने से ब्राजील को अल्पअवधि में कोई फायदा नहीं होगा और साथ ही इसके चलते ब्राजील के अमेरिका से भी संबंध खराब हो सकते हैं। बीते दिनों ब्राजीली राष्ट्रपति के विशेष सलाहकार एमोरिम और राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ रुई कोस्टा बीजिंग दौरे पर गए थे, जहां उन्होंने चीनी अधिकारियों के साथ बीआरआई प्रोजेक्ट पर चर्चा की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों इस प्रोजेक्ट से असंतुष्ट और अप्रभावित होकर लौटे थे।

ब्रिक्स संगठन के सदस्य देश ब्राजील से पहले भारत भी चीन के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने से मना कर चुका है। भारत पहला देश था जिसने इस पर आपत्ति जताई थी और बीआरआई का खुलकर विरोध किया था। बीआरआई प्रोजेक्ट के तहत ही चीन चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का निर्माण कर रहा है। यह प्रोजेक्ट पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजर रहा है, जिस पर भारत ने संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया है। पाकिस्तान द्वारा अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा है, यही वजह है कि भारत ने चीन के इस प्रोजेक्ट की खुलकर आलोचना की थी।

अमेरिका ने भी ब्राजील से बीआरआई प्रोजेक्ट में शामिल होने के अपने फैसले की समीक्षा करने की अपील की थी। जिस पर अमेरिका ने नाराजगी भी जाहिर की थी। चीन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका ब्राजील और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों को चीन के खिलाफ भड़काने का प्रयास कर रहा है। ब्राजील से पहले फिलीपींस और इटली ने भी बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। अब अफ्रीका के छोटे-छोटे देश ही चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा रह गए हैं।

उल्लेखनीय है कि चीन ने साल 2013 में वैश्विक कनेक्टिविटी और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीआरआई (बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव) योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य चीन को दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी देशों, अफ्रीका और यूरोप से समुद्री और स्थल मार्गों से जोड़ना है। इसके तहत चीन विभिन्न देशों में बुनियादी ढांचे का विकास करने में मदद कर रहा है और रेलवे, बंदरगाह, राजमार्ग और ऊर्जा बुनियादी ढांचों का निर्माण कर रहा है। इस प्रोजेक्ट से चीन की आर्थिक ताकत कई गुना बढ़ने का अनुमान है। हालांकि चीन की यह योजना सवालों के घेरे में है। दरअसल आलोचकों का कहना है कि चीन इस योजना के सहारे कई छोटे देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसा रहा है। जब ये देश कर्ज चुकाने में असमर्थ रहते हैं तो चीन उन देशों के रणनीतिक रूप से अहम सम्पत्तियों पर कब्जा कर लेता है या फिर उन देशों से राजनीतिक रियायतों की मांग करता है। भारत ने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और कहा कि चीन को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों, कानून के शासन और वित्तीय स्थिरता का सम्मान करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका में नए नोट नहीं छापे गए सरकार की सफाई

कोलंबो। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद नई करेंसी छापने की जनचर्चा पर कैबिनेट प्रवक्ता मंत्री विजिथा हेराथ ने पत्रकारों को सफाई दी। उन्होंने कहा है कि न तो सरकार ने मुद्रा छापी है। न ही विदेशी संस्थानों से कर्ज लिया गया है। श्रीलंका के के अनुसार, नई सरकार के मुद्रा छापने की खबरों का खंडन करते हुए कैबिनेट प्रवक्ता मंत्री विजिथा हेराथ ने कैबिनेट के फैसलों की घोषणा करने के लिए साप्ताहिक ब्रीफिंग की। उन्होंने कहा कि यदि नोट छापे गए हैं तो वित्तमंत्री के रूप में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को उनपर हस्ताक्षर करना चाहिए था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षरित ऐसे कोई नोट जारी नहीं किए गए हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह झूठी खबर फैलाई गई है कि एक अरब रुपये के नोट छापे गए।

पेजर धमाके से डरे ईरान ने बड़ी कंपनियों के मोबाइल पर लगाया प्रतिबंध

तेहरान। लेबनान में इजरायली पेजर अटैक से ईरान भी खौफजदा है। लेबनान में इजरायल ने जिस तरह पेजर ब्लास्ट से हिजबुल्लाह के होश उड़ाए, उससे ईरान भी सहमा है। आनन-फानन में अब ईरान ने एक नामी कंपनी के मोबाइल फोन पर ही बैन लगा दिया है। लेबनान में पेजर ब्लास्ट से थर्राई ईरान ने मोटोरोला मोबाइल फोन पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। मंत्री मोहम्मद मेहदी बरदरान की मानें तो मोटोरोला मोबाइल फोन के आयात, खरीद-बिक्री और यूज पर पूरी तरह बैन हो गया है। रूसी मीडिया के अनुसार, ईरानी मंत्री मोहम्मद मेहदी बरदरान ने कहा कि ईरान की सीमाओं के भीतर मोटोरोला फोन के उपकरणों की बिक्री भी रोक दी गई है। ईरान की लोकल मीडिया ने शनिवार को बताया कि लेबनान में घातक पेजर विस्फोटों के बाद ईरान ने सभी उड़ानों में पेजर और वॉकी-टॉकी पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन हमलों के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया गया था। हिजबुल्लाह सदस्यों और करीब 3,000 अन्य लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे पेजर और वॉकी-टॉकी में हुए विस्फोटों के लगभग डेढ़ महीने बाद ईरान का यह फैसला आया है। डिजियाटो की एक अलग रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाइन स्टोर में मोटोरोला फोन की बिक्री भी रोक दी गई है। इन दुकानों ने या तो मोटोरोला फोन को हटा दिया है या उन्हें स्टॉक से बाहर की लिस्ट में कर दिया है। लेबनान में इजरायल की इस साजिश में करीब 3,000 लोग प्रभावित हुए थे।

इजराइल-ईरान तनाव के बीच नेतन्याहू ने अमेरिका का जताया आभार, सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

येरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल एयरफोर्स द्वारा किए गए इस आक्रमण पर

अपने मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संबोधित किया। उन्होंने अमेरिका की मदद का आभार जताया और स्पष्ट किया कि इस ऑपरेशन का मकसद सिर्फ अपनी रक्षा करना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय दुश्मनों को सख्त संदेश देना भी था। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खमैनी ने इजरायल की इस आक्रामक कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इजरायल ईरान की क्षमता, हमले की तैयारी और इच्छाशक्ति को सही से समझने में विफल हो रहा है। खमैनी ने कहा कि इजरायल ने हमारी ताकत को गलत समझा है, और जल्द ही हम उन्हें इसका आभास कराएंगे। नेतन्याहू ने यह भी दावा किया कि इजरायल ने इस अभियान में दक्षिण में हमास और उत्तर में हिज़बुल्लाह के कई शीर्ष नेताओं को खत्म कर दिया है, जिससे ईरान का समर्थन प्राप्त ये संगठन कमजोर हो गए हैं। उनका कहना था कि इजरायल पूरी दुनिया को यह संदेश देना चाहता है कि चाहे दुश्मन कहीं भी हों, वे इजरायली सेना के पहुंच से बच नहीं सकते। ईरान के सैन्य अधिकारियों का मानना है कि उनके पास अब भी पलटवार की ताकत और इच्छाशक्ति है। इस स्थिति में भविष्य में इजरायल और ईरान के बीच बड़ा संघर्ष होने की संभावना बनी हुई है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक गंभीर चुनौती हो सकता है। नेतन्याहू ने इस आक्रमण को स्वॉर्ड्स ऑफ आयरन वॉर से भी बड़ा करार देते हुए कहा कि यह हमला बीते साल 7 अक्टूबर को मारे गए नागरिकों की याद में किया गया। उन्होंने कहा, इजरायल ने एक साथ सात दुश्मनों से लड़ाई लड़ी है और हम बिना रुके आगे भी संघर्ष करते रहेंगे।

भारत को टीयू-160एम देगा रुस इसकी ताकत से दुश्मन भी होगा हैरान

मॉस्को,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

रूस ने भारत को अपने भारी बमवर्षक विमानों टीयू-22एम3 और टीयू-160 वॉइट स्वान देने की पेशकश की है। रिपोर्ट के मुताबिक सोवियत संघ काल में डिजाइन किए गए टीयू-22एम3 को पहले भी भारतीय नौसेना को दिया गया था, लेकिन महंगी कीमत और आधुनिकीकरण के चलते डील फाइनल नहीं हो सकी थी। अब रूस भारत को टीयू-160एम उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है, जो उसकी मारक क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा।

यह बमवर्षक बिना ईंधन के 12 हजार किमी की दूरी कर सकता है तय

टीयू-160 वॉइट स्वान का टीयू-160एम अपग्रेडेड वर्जन है और इसके उत्पादन का काम अभी भी जारी है। 2018 में रूसी वायु सेना ने इसके 10 यूनिट का ऑर्डर दिया था, जिसे 2027 तक डिलिवर किया जाएगा। इस नए मॉडल में व्यापक एवियानिक्स और नेविगेशन को जोड़ा गया है। रूसी कंपनी का दावा है कि टीयू-160एम का नया अपग्रेड पिछले मॉडल की तुलना में 60 फीसदी ज्यादा प्रभावी है। रिपोर्ट के मुताबिक एक टीयू-160एम की संभावित कीमत करीब 16.5 करोड़ डॉलर है। यह विमान एक साथ 12 लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल या छोटी दूरी की न्यूक्लियर मिसाइल ले जाने में सक्षम है। इसके अलावा, यह बमवर्षक बिना ईंधन भरे 12 हजार किमी की दूरी तय कर सकता है। भारत के बेड़े में टीयू-160एम शामिल हो जाता है, तो भारतीय वायु सेना को हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे तक शक्तिशाली प्रतिरोध और हमले करने की क्षमता हासिल हो जाएगी। हालांकि, भारतीय वायु सेना पारंपरिक रूप से भारी बमवर्षकों के बजाय मल्टीरोल फाइटर जेट पर ज्यादा ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके पास एक भी स्ट्रैटेजिक बॉम्बर नहीं है। टीयू-160एम को हासिल करने से भारत की दीर्घकालिक प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाएगी। हालांकि इसकी भारी अधिग्रहण और परिचालन लागत चिंता का विषय हो सकती है। भारी बमवर्षकों के रखरखाव के लिए समर्पित ढांचे और ठोस निवेश की जरुरत होती है। इसके अलावा पायलटों के विशेष प्रशिक्षण और इन बमवर्षकों को रखने के लिए भारतीय वायु सेना के अड्डों को विशेष रूप से तैयार करने की जरुरत होगी।

व्हाइट हाउस में मनाया गया दीपोत्सव, हैप्पी दिवाली की गूंज

वाशिंगटन,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस में सुख-समृद्धि-सम्पन्नता के प्रतीक और खुशियों के त्योहार दीपोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह के आखिर में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। लोग हैप्पी दिवाली कहते हुए एक-दूसरे से हाथ मिलाते नजर आए। इस अवसर पर राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की जमकर तारीफ की।

द व्हाइट हाउस के एक्स हैंडल पर जारी एक वीडियो में कार्यक्रम का आगाज हैप्पी दिवाली के साथ हुआ। इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, मेरी पत्नी जिल बाइडेन यहां आना चाहती थीं, लेकिन वह विस्कॉन्सिन जा रही हैं। और कमला हैरिस भी यात्रा कर रही हैं। आप जानते हैं कि मैंने कई कारणों से कमला को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी चुना है। वह स्मार्ट और मजबूत हैं। उन पर भरोसा किया जा सकता है। उनके पास ट्रंप की तुलना में अधिक अनुभव है।

अमेरिका में दिवाली का जश्न करीब 10 दिन से मनाया जा रहा है। मैनहट्टन के मध्य स्थित टाइम्स स्क्वायर से लेकर पेंसिल्वेनिया तक भारतीय-अमेरिकी समुदाय दिवाली के जश्न में डूबे हुए हैं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की कुछ दिन पहले की एक्स पोस्ट के अनुसार, भारतीय अमेरिकी समुदाय और अमेरिकी मित्र दिवाली मनाने के लिए टाइम्स स्क्वायर में एकत्रित हुए। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान भी टाइम्स स्क्वायर पहुंचे और सभी को बधाई दी। सीनेट के बहुमत नेता चक शूमर, न्यूयॉर्क शहर मेयर एरिक एडम्स आदि शामिल हुए। उप महावाणिज्यदूत वरुण जेफ, भारतीय प्रवासी और एशियाई अमेरिकी समुदाय के सदस्यों के साथ अपर डार्बी, पेंसिल्वेनिया में खालसा एशियन अमेरिकन एसोसिएशन के दिवाली समारोह में शामिल हुए।

शेख हसीना के ढाका मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर उठे सवाल, अंतरिम सरकार करेगी समीक्षा

ढाका,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान राजधानी ढाका में यातायात नियंत्रित करने के लिए शुरू किए मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर सवाल उठे हैं। हसीना सरकार के पतन के बाद अस्तित्व में आई अंतरिम सरकार ने प्रोजेक्ट की समीक्षा करने की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत पर प्रश्नचिह्न लगाया गया है।

ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, पूर्व हसीना सरकार के मेट्रो के नए मार्ग के चयन पर गंभीर आपत्ति की गई है। यह भी आरोप लगाया गया है कि जो मार्ग पहले तैयार होना चाहिए, उसे सबसे आखिर में पूरा कराने का निर्णय एक विशेष समूह को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया। इस समूह के लिए पूर्व सरकार ने अपनी प्राथमिकता बदल दी। इस प्रोजेक्ट से संबद्ध मंत्रालयों के अधिकारियों ने कहा कि नए मेट्रो रेल ट्रैक की प्राथमिकता में आम लोगों के हित का ध्यान नहीं रखा गया। यहां तक कि निर्माण के लिए तय किया गया रूट भी गलत है। प्रोजेक्ट पर सवाल उठने के बाद सड़क और पुल मंत्रालय नए सिरे से प्राथमिकताएं तय कर रहा है। मंत्रालय के सलाहकार फौजुल कबीर खान ने कहा कि मौजूदा प्राथमिकता सूची की समीक्षा की जाएगी। विवाद: प्रोथोम अलो के अनुसार मुख्य रूप से एमआरटी लाइन-5 पर सवाल उठे हैं। इसका निर्माण गबटोली से तकनीकी चौराहा, कल्याणपुर, श्यामोली, कॉलेज गेट, असद गेट, रसेल चौराहा, कारवां बाजार, हातिरझील, तेजगांव, आफताबनगर, आफताबनगर सेंटर, आफताबनगर पूर्व और नसीराबाद होते हुए दशेरकंडी तक किया जाना था। संबंधित अधिकारियों ने कहा है कि एमआरटी लाइन-2 को लाइन-5 (दक्षिणी मार्ग) पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। लाइन-2 को ढाका उद्यान, मोहम्मदपुर, जिगताला, विज्ञान प्रयोगशाला, न्यू मार्केट, अजीमपुर, पलाशी, ढाका मेडिकल कॉलेज, गुलिस्तान, मोतीझील, कमलापुर के माध्यम से गैबटोली से नारायणगंज तक यात्रियों को ले जाना था। लाइन-2 परियोजना में गुलिस्तान से सदरघाट तक एक शाखा लाइन का निर्माण भी शामिल है।

योजना आयोग ने क्या कहा-

लाइन-2 की परियोजना एमआरटी लाइन-5 परियोजना से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हालांकि परियोजना को प्राथमिकता सूची के अंतिम स्लॉट में रखा गया है। इस परियोजना में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है जबकि लाइन-5 परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पहले ही पूरा हो चुका है। यहां तक कि तकनीकी डिजाइन और खरीद योजना को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। योजना आयोग के अधिकारी कह रहे हैं कि लाइन-5 के मार्ग वाले क्षेत्रों में उतने वाणिज्यिक या औद्योगिक क्षेत्र नहीं हैं। इसके अलावा यह मार्ग लाइन-6 के काफी करीब है, जो पहले से ही सेवा में है। गबटोली से असद गेट तक के इलाकों के निवासियों को एक या दो किलोमीटर की दूरी के भीतर इस लाइन की सेवा मिल सकती है। हालांकि, लाइन-2 के निर्माण से अधिक लोगों को लाभ होता।

रॉड्री ने जीता बैलन डीओर 2024, यह पुरस्कार जीतने वाले पहले मैनचेस्टर सिटी खिलाड़ी बने

पेरिस,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्पेन और मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रोड्री ने सोमवार को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिये जाने वाला बैलन डीओर पुरस्कार जीता, उन्होंने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए रियल मैड्रिड और ब्राजील के विनिसियस जूनियर और इंग्लैंड के जूड बेलिंगहैम को हराया।

पहली बार पुरस्कार जीतने वाले रॉड्री ने पिछले सीजन में अपनी टीम को लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्पेन द्वारा रिकॉर्ड-चौथा खिताब जीतने के बाद उन्हें इस साल की यूरोपीय चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। 28 वर्षीय मैड्रिड के मूल निवासी 1990 में लोथर मैथॉस के बाद बैलन डीओर जीतने वाले पहले डिफेंसिव मिडफील्डर हैं और अल्फ्रेडो डि स्टेफानो (1957 और 1959) और लुइस सुआरेज़ (1960) के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी हैं। हालांकि इस पुरस्कार पर स्पेनिश लीग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, लेकिन 60 साल से ज़्यादा पहले बार्सिलोना के महान खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ के बाद से किसी भी स्पेनिश खिलाड़ी ने यह पुरस्कार नहीं जीता है, जबकि स्पेन की गोल्डन जेनरेशन ने 2010 विश्व कप, 2008 और 2012 यूरो जीते थे। लेकिन रॉड्री, जिस खिलाड़ी को सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने दुनिया का सबसे अच्छा मिडफील्डर कहा था, ने आखिरकार उस दौर को एक अनोखे कौशल के साथ समाप्त किया, जिसने उनके क्लब को इंग्लैंड में प्रमुख ताकत बना दिया और स्पेन को फिर से यूरोप पर राज करने में मदद की।

रॉड्री ने समारोह में मंच पर कहा, आज की जीत मेरे लिए नहीं है, यह स्पेनिश फ़ुटबॉल के लिए है, उन कई खिलाड़ियों के लिए है जिन्होंने इसे नहीं जीता है और इसके हकदार हैं, जैसे (एंड्रेस) इनिएस्ता, ज़ावी (हर्नांडेज़), इकर (कैसिलस), सर्जियो बुस्केट्स, और भी कई अन्य। यह स्पेनिश फ़ुटबॉल और मिडफील्डर के व्यक्तित्व के लिए है, आज, कई दोस्तों ने मुझे लिखा है और बताया है कि फ़ुटबॉल ने जीत हासिल की है, क्योंकि इसने कई मिडफील्डर्स को पहचान दिलाई है, जो गुमनामी में काम करते हैं, और आज यह बात सामने आ रही है। मैं मूल्यों वाला एक सामान्य व्यक्ति हूँ, जो पढ़ाई करता है, जो चीजों को सही तरीके से करने की कोशिश करता है और रूढ़ियों का पालन करने की कोशिश नहीं करता, और फिर भी, मैं शीर्ष पर पहुँचने में सक्षम हूँ, और यह आप सभी की बदौलत है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट से बाहर हुए केन विलियमसन

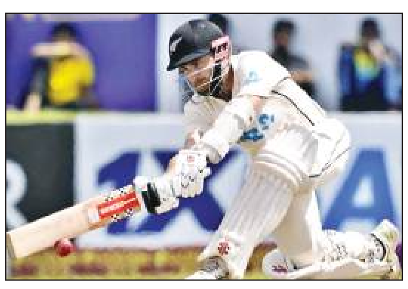

नई दिल्ली। न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ शुक्रवार से मुंबई में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय विलियमसन, जो बेंगलुरु और पुणे में पहले दो टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे, तीसरे टेस्ट का भी हिस्सा नहीं होंगे, इसके बजाय वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए अपनी कमर की चोट का पुनर्वास जारी रखेंगे। इंग्लैंड का पहला टेस्ट 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल में शुरू होगा। न्यूज़ीलैंड ने बेंगलुरु में भारत को आठ विकेट से और पुणे में 113 रन से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली और भारत में पहली बार ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज़ जीत ली है। न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, केन लगातार अच्छे संकेत दिखा रहे हैं, लेकिन वह विमान में चढ़ने और हमारे साथ जुड़ने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। हालांकि चीजें आशाजनक दिख रही हैं, हमें लगता है कि उसके लिए सबसे अच्छा कदम न्यूज़ीलैंड में रहना और अपने पुनर्वास के अंतिम भाग पर ध्यान केंद्रित करना है, इसलिए उसके लिए इंग्लैंड जाना अच्छा रहेगा। इंग्लैंड सीरीज में अभी एक महीना बाकी है इसलिए अभी सतर्क रुख अपनाने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वह क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के लिए तैयार हैं।

रियल मैड्रिड ने बैलन डीओर समारोह का बहिष्कार किया, कहा-यह यूईएफए क्लब का सम्मान नहीं करता

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने पेरिस में होने वाले बैलोन डीओर समारोह का बहिष्कार किया और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार उसके स्ट्राइकर विनिसियस को नजरअंदाज किया गया है। क्लब ने एएफपी से कहा, यह स्पष्ट है कि बैलन डीओर-यूईएफए रियल मैड्रिड का सम्मान नहीं करता है। और रियल मैड्रिड वहां नहीं जाता जहां उसका सम्मान नहीं होता। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग, स्पेनिश सुपर कप और ला लीगा जीतने वाले विनिसियस ट्रॉफी जीतने की दौड़ में सबसे आगे थे। लेकिन समारोह से कुछ घंटे पहले, यह पता चला कि न तो ब्राजीलियाई और न ही उनकी टीम के किसी भी खिलाड़ी को किसी भी पुरस्कार के लिए चुना नहीं गया है। पेप गार्डियोला द्वारा इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के रूप में प्रचारित, 28 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में अपने क्लब के साथ प्रीमियर लीग और अपने देश के साथ 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप जीता था।

रंगपुर राइडर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए मिकी आर्थर

ढ़ाका। रंगपुर राइडर्स ने मिकी आर्थर को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। 56 वर्षीय आर्थर ग्लोबल सुपर

लीग से फ्रैंचाइज़ की कमान संभालेंगे, जो 26 नवंबर से शुरू हो रही है। वह इस सीजन के बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान रंगपुर टीम के प्रभारी भी होंगे। आर्थर ने हाल ही में लंका प्रीमियर लीग में दांबुला ऑरा टीम के साथ काम किया है। वह वर्तमान में डर्बीशायर के क्रिकेट निदेशक भी हैं। आर्थर इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और पाकिस्तान के मुख्य कोच रह चुके हैं। रंगपुर टीम के निदेशक शानियान तनीम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने इस साल जीएसएल और बीपीएल के लिए मिकी आर्थर को अनुबंधित किया है। यह एक साल का करार है। वह इस साल इन दो टूर्नामेंटों के लिए हमारी देखभाल करेंगे। स्थानीय खिलाड़ी उनके द्वारा प्रशिक्षित होने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं। हम जीएसएल और बीपीएल के लिए टीम बनाने के लिए पिछले सात-आठ दिनों से मिकी के संपर्क में हैं। वह बहुत सक्रिय हैं, हमेशा खुशी-खुशी हमारी मदद करते हैं। मुझे लगता है कि वह रंगपुर राइडर्स की संस्कृति के लिए एकदम सही हैं। वह बहुत मिलनसार व्यक्ति हैं। वह विशेष रूप से बांग्लादेशी क्रिकेटरों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे। उनके पास बहुत अनुभव है। वह पहले ही श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान जैसी कई अंतरराष्ट्रीय टीमों की देखभाल कर चुके हैं। आर्थर इससे पहले भी बीपीएल में कोचिंग कर चुके हैं, 2015 में उन्होंने ढाका डायनामाइट्स की टीम को कोचिंग दी थी।

गली कूचों से लेकर खो खो विश्व कप तक सपने जैसा रहा है प्रतीक वाईकर का सफर

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नई दिल्ली में 13 से 19 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण के साथ दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी एक नई चुनौती के लिए कमर कस रहे हैं। मेजबान भारत अपने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों पर भरोसा करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ट्रॉफी अपने पहले संस्करण में ही घर में रहे। ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं, एकलव्य पुरस्कार विजेता प्रतीक वाईकर, जिन्होंने 2016 में भारत के लिए डेब्यू किया था और तब से लेकर आज तक टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

प्रतीक ने आठ साल की कम उम्र में खो-खो खेलना शुरू कर दिया था। इसका श्रेय उनके परिवार की खेलों में पृष्ठभूमि को जाता है। हालाँकि उन्होंने भारत के एक अन्य खेल लंगड़ी से शुरुआत की थी लेकिन उस समय महाराष्ट्र में जन्मे इस खिलाड़ी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनका भविष्य कैसा होगा और वे देश के सर्वश्रेष्ठ खो-खो खिलाड़ियों में से एक बनेंगे।

अपने शुरुआती सफ़र के बारे में बात करते हुए प्रतीक ने अपने पड़ोसी के साथ हुई एक घटना को याद किया, जिसने उन्हें खो-खो खिलाड़ी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, मैं जिस इलाके में रहता था, वहाँ अच्छे खो-खो खिलाड़ी थे। मेरे घर के सामने एक बेहतरीन खिलाड़ी रहता था। जब मैं बहुत छोटा था, तो उसे एक प्रतिष्ठित महाराष्ट्रीयन पुरस्कार - शिवाजी पुरस्कार - से सम्मानित किया गया था और मैंने देखा कि ढोल और ताशा बजाते हुए उसका स्वागत किया गया था। इन दृश्यों ने मुझे वास्तव में प्रेरित किया और मैंने खो-खो खेलना शुरू कर दिया।

हालाँकि, इस खेल सफ़र में उन्हें अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उस समय उनका परिवार आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था, जिससे उनके लिए अन्य खेलों या करियर को तलाशने के अवसर सीमित हो गए थे। अंडर-18 श्रेणी में उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत, उन्हें जल्द ही टैलेंट कोटा के तहत नौकरी की पेशकश की गई, जिससे उनके परिवार की परिस्थितियों में सुधार हुआ।

प्रतीक ने बताया, अंडर-18 स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मुझे महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में नौकरी की पेशकश की गई और उन्होंने मुझे अपनी टीम में शामिल करने की इच्छा जताई। यह सीधी भर्ती थी। मेरा परिवार बहुत खुश था कि 19 साल की उम्र में मुझे मेरी पहली नौकरी मिल गई। मेरे भाई ने भी कुछ साल पहले सेंट्रल रेलवे द्वारा खो-खो खेलने के लिए चुने जाने के बाद काम करना शुरू किया था। वह भी एक बेहतरीन खिलाड़ी था और मेरी प्रेरणा था। मैं हमेशा से उसके जैसा खेलना चाहता था। उसकी सजगता बहुत तेज थी और उसे अंडर-18 के बाद टैलेंट कोटा के तहत नौकरी भी मिल गई थी। इसलिए हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा।

अपने परिवार के लिए आय का एक नियमित स्रोत मिलने के बाद, प्रतीक ने खो-खो में अपना नाम बनाने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने अल्टीमेट खो-खो लीग में तेलुगु योद्धा का नेतृत्व किया और उपविजेता रहे। उन्होंने हाल ही में 56वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में महाराष्ट्र टीम का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। कंप्यूटर साइंस में स्नातक की डिग्री और फाइनेंस में मास्टर डिग्री रखने वाले इस खिलाड़ी ने दो दशकों से भी ज़्यादा समय से भारतीय खो-खो इकोसिस्टम का हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में अपने समृद्ध ज्ञान के साथ, प्रतीक ने यह भी बताया कि कैसे खो-खो में खेल विज्ञान की शुरूआत ने हाल के वर्षों में उनकी मदद की है, जो उनके करियर के बड़े हिस्से में गायब था।

खेल विज्ञान तकनीक की सराहना करते हुए प्रतीक ने कहा, खेल विज्ञान तकनीक ने एक बेहतरीन तकनीक विकसित की है जो हमारे शरीर का पूरा आकलन करती है। हमने जाना कि कौन सी मांसपेशियों का ज़्यादा इस्तेमाल हो रहा है और कौन सी मांसपेशियों का पूरी क्षमता से इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इससे हमें पता चला कि हम अपने खेल में कितनी प्रगति कर सकते हैं और हम अपने मौजूदा स्तर से कैसे बेहतर हो सकते हैं। यह सब खेल विज्ञान तकनीक का उपयोग करके गणना की गई।

विश्व कप की शुरुआत में बस कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में सभी की नज़रें प्रतीक पर होंगी कि क्या वह वाकई इतने सालों से मैट पर हासिल की गई सफलता को एक बार फिर दोहरा पाते हैं या नहीं।

स्पिनरों के खिलाफ आजकल सहज नजर नहीं आते हमारे बल्लेबाज : हरभजन

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि टीम के प्रमख बल्लेबाज पिछले कुछ समय से स्पिनरों का सही तरीके से सामना नहीं कर पा रहे जिससे उनका मनोबल भी कमजोर हुआ है। हरभजन के अनुसार टर्निंग पिचों पर बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नजर नहीं आते हैं। इससे इनका बल्लेबाजी औसत भी नीचे आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे की टर्निंग पिच पर भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐस में न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर मिशेल सैंटनर को 13 विकेट मिले थे।

हरभजन ने कहा, ''हमारा घरेलू मैदान पर लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और इसके बाद भी अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि आलोचना होगी ही। न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी हालात और पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो।'' उन्होंने कहा, ''पुणे में स्पिनरों के लिए अनुकूल हालात थे, जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था।'' जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गये। उन्होंने भारतीय टीम की सोचने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, ''पिछले दशकों के चलन को देखें। हम पिछले दशक में ज्यादातर टर्न लेती पिचों पर इस उम्मीद के साथ खेल रहे हैं कि हम टॉस जीतेंगे और 300 रन बनाएंगे और मैच पर अपना दबदबा बनायेंगे।

वहीं जब ऐसा नहीं होत और दांव उल्टा पड़ जाता है तो टर्निंग पिच पर हमारी बल्लेबाजी चल नहीं पाती। इसका कारण है कि हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलने का आत्मविश्वास खो दिया है, इसी कारण बल्लेबाजी धवस्त हुई है। अनुभवी खिलाड़ी तक गलती करते दिखे हैं।

सात साल बाद हांगकांग सिक्सेस की वापसी पहले दिन भारत-पाकिस्तान होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बहुप्रतीक्षित और खेल का सबसे तेज़ रूप, हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस सभी का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गया है। टूर्नामेंट का आयोजन 1 से 3 नवंबर तक टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में किया जाएगा, जिसमें 12 टीमें शामिल होंगी, जो सिक्स-ए-साइड मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

12 टीमों को तीन-तीन के चार पूल में विभाजित किया गया है और वे राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। रॉबिन उथप्पा के नेतृत्व में भारत पूल सी का हिस्सा है और यूएई के साथ उसका चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान भी है।

पूल ए में मेजबान हांगकांग का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से होगा जबकि पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और नेपाल शामिल हैं। पूल डी में श्रीलंका, बांग्लादेश और ओमान के बीच मुकाबला होगा।

टूर्नामेंट की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका और हांगकांग के बीच मैच के साथ होगा, जबकि पहले दिन भारत और पाकिस्तान के बीच भी हाईवोल्टेज भिड़ंत होगी।

प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी और क्वार्टर फाइनल राउंड के विजेता आगे सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। जो टीमें क्वार्टर में हारेंगी वे प्लेट सेमीफाइनल खेलेंगी। प्रत्येक पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। प्रतियोगिता के तीन दिनों में कुल 29 मैच होंगे।

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक महिला प्रदर्शनी मैच भी निर्धारित किया गया है। हांगकांग सिक्सेस 2024 के सभी रोमांचक मैचों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और फैनकोड पर किया जाएगा। प्रसारण सुबह 8: 15 बजे (हांगकांग समय) और सुबह 5: 45 बजे (भारतीय समयानुसार) किया जाएगा।

लंका टी10 सुपर लीग के लिए प्लेयर ड्राफ्ट 10 नवंबर को

कोलंबो,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लंका टी10 सुपर लीग के उद्घाटन संस्करण के लिए प्लेयर ड्राफ्ट 10 नवंबर, 2024 को कोलंबो में होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 12 से 22 दिसंबर तक किया जाएगा, जिसमें छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी। क्रिकेट के सबसे तेज प्रारूप में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रत्येक फ्रेंचाइजी अपनी टीम के लिए अधिकतम 17 खिलाड़ियों और न्यूनतम 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी।

LANKA T10 SUPER LEAGUE

खिलाड़ी पंजीकरण की समय सीमा 1 नवंबर और खिलाड़ी के हस्ताक्षर करने की समय सीमा 5 नवंबर को समाप्त हो रही है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को प्रत्येक श्रेणी से सीधे छह खिलाड़ियों-एक आइकन खिलाड़ी, एक प्लैटिनम खिलाड़ी, एक श्रेणी ए खिलाड़ी श्रीलंका से, और एक विदेशी खिलाड़ी, इसी तरह श्रेणी बी से, एक स्थानीय और एक विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित करने की अनुमति है।

ड्राफ्ट में 11 राउंड होंगे, पहले राउंड का निर्णय मैन्युअल ड्रा द्वारा किया जाएगा और शेष राउंड पिक ऑर्डर के लिए रैंडमाइज़र द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

पहले दो राउंड में, दो शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों - एक श्रीलंकाई और एक विदेशी - का चयन किया जाएगा, प्रत्येक की कीमत 35,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी %ए%) होगी। तीसरे और चौथे राउंड में 2 अन्य खिलाड़ी, एक श्रीलंकाई और एक विदेशी, प्रत्येक को 20,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी %बी%) पर चुना जाएगा।

राउंड 5 से 7 में, फ्रेंचाइजी दो श्रीलंकाई खिलाड़ियों और एक विदेशी खिलाड़ी को चुन सकती हैं, प्रत्येक की कीमत 10,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी सी) तय की जाएगी।

राउंड 8 में 2,500 अमेरिकी डॉलर के लिए एक श्रीलंकाई उभरते खिलाड़ी का चयन करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जबकि राउंड 9 में जिम्बाब्वे या वेस्ट इंडीज से एक उभरते खिलाड़ी का चयन किया जाएगा (2,500 अमेरिकी डॉलर)।

श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कहा, मुझे विश्वास है कि लंका टी10 सुपर लीग का पहला ड्राफ्ट एक रोमांचक और मनोरंजक टूर्नामेंट के लिए मंच तैयार करने जा रहा है, जो श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर में रंग जोड़ेगा और हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए यह एक नया अनुभव लाएगा।

आईपीजी के प्रबंध निदेशक, सीईओ और संस्थापक, अनिल मोहन ने कहा, मुझे यकीन है कि खिलाड़ियों का ड्राफ्ट सफल होगा और खेले जाने वाले क्रिकेट के प्रकार के अनुरूप खिलाड़ियों के एक ठोस समूह का चयन करने के लिए मंच तैयार करेगा।

लंका टी10 सुपर लीग की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा, क्रिकेट को विकसित होने की जरूरत है, और लंका टी10 सुपर लीग निश्चित रूप से हमारे देश में खेल को नई सीमाओं तक पहुंचाने में मदद करेगी, जिससे प्रशंसकों की एक नई लहर आएगी।

मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, कोचिंग की ओर बढ़ाया कदम

विकेटकीपर-बल्लेबाज बीबीएल और अन्य फ्रेंचाइजी टी20 टूर्नामेंट खेलना जारी रखेंगे

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और वह अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए तुरंत ही ऑस्ट्रेलिया के साथ कोचिंग की भूमिका में आ जाएंगे।

वेड जून में टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा थे और सितंबर में यूके दौरे के लिए उनकी अनदेखी किए जाने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि यह टूर्नामेंट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत होगा। मार्च में उन्होंने शेफील्ड शील्ड फाइनल में तस्मानिया की जीत के बाद लाल गेंद वाले क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

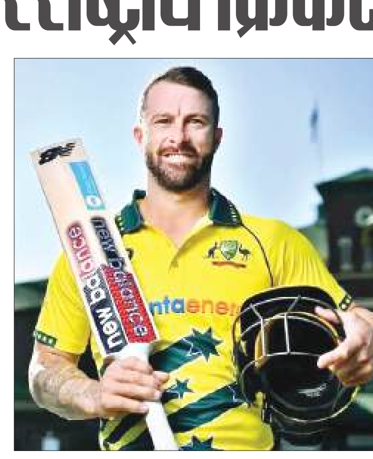

वेड होबार्ट हरिकेंस और दुनिया भर के कुछ फ्रैंचाइज़ टूर्नामेंट के लिए बीबीएल में खेलना जारी रखेंगे। वह अब ऑस्ट्रेलिया की युवा टी20 टीम के साथ भी काम करेंगे, जिसके कोच आंद्रे बोरोवेक होंगे, जबकि एंड्रयू मैकडोनाल्ड और उनके अन्य सहायक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ की तैयारी करेंगे। वेड एकदिवसीय सीरीज़ के दौरान अनौपचारिक क्षमता में ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग समूह के साथ भी समय बिताएंगे।

वेड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मुझे पूरी तरह से पता था कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद मेरे अंतरराष्ट्रीय दिन शायद खत्म हो गए थे। पिछले छह महीनों में जॉर्ज [बेली] और एंड्रयू [मैकडोनाल्ड] के साथ मेरी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति और कोचिंग के बारे में लगातार बातचीत होती रही है। कोचिंग पिछले कुछ सालों से मेरे रडार पर रही है और शुक्र है कि मुझे कुछ बेहतरीन अवसर मिले हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूं।

कुल मिलाकर, वेड ने 2011 से 2024 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 36 टेस्ट, 97 वनडे और 92 टी20 मैच खेले। वह 2021 में यूएई में उनके टी20 विश्व कप खिताब में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 17 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाकर फिनिशर बने।

उन्होंने कहा, मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर के खत्म होने के साथ ही मैं अपने सभी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथियों, स्टाफ और कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण सफर का आनंद लिया। मेरे आस-पास अच्छे लोगों के बिना मैं खुद से इतना कुछ हासिल नहीं कर पाता जितना मैंने किया। मैं अपने परिवार, मां, पिता और बहनों को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे खेलों और प्रशिक्षण में लाने के लिए वर्षों तक अनगिनत घंटे लगाए। अंत में जूलिया और बच्चों का भी आभार। मैं उन्हें मेरे सपनों को पूरा करने के लिए किए गए त्यागों के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता। मैं उनके प्रति कितना आभारी हूं, यह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, उनके समर्थन के बिना यह सब कुछ संभव नहीं हो पाता। वेड का टेस्ट करियर 2021 में भारत के पिछले दौरे के दौरान समाप्त हो गया, जब उन्होंने 2019 एशेज के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में टीम में सफल वापसी की थी, जहाँ उन्होंने दो शतक बनाए थे। उनका आखिरी वनडे भी 2021 में आया था, जब वे कोविड काल में वेस्टइंडीज के दौरे के दौरान चार साल के अंतराल के बाद टीम में लौटे थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, मैथ्यू को एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई, जिसके दौरान उनके कौशल और बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें सभी प्रारूपों में एक उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता बना दिया है। मुझे खुशी है कि वह अगली पीढ़ी के सितारों को कोचिंग देकर और होबार्ट हरिकेंस के साथ बिग बैश में चमकते हुए अपने बड़े योगदान में इजाफा करेंगे।

धनतेरस के दिन सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में धनतेरस के दिन सोने करीब 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। हालांकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80 हजार रुपये के स्तर से लुढ़क कर 79,940 रुपये से लेकर 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये से लेकर 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत भी 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,840 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी कीमत में गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसरः एसईफॉरऑल

सिंगापुर। विएना स्थित एक अंतरराष्ट्रीय सतत विकास एजेंसी के अनुसार भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसर उपलब्ध हैं। सस्टेनेबल एनर्जी फॉर ऑल (एसईफॉरऑल) की निदेशक एवं चीफ ऑफ स्टाफ कनिका चावला ने कहा कि भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर गहरी तथा निरंतर प्रतिबद्धता दिखाई है। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह से पहले मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि भारत में अधिक विनिर्माण (नवीकरणीय ऊर्जा) हो रहा है, जिससे सुरक्षा में भी सुधार होगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह' का आयोजन 21 से 25 अक्टूबर तक किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत विनिर्माण के लिए प्रदर्शन-संबंधी प्रोत्साहन जैसी नीतियों का उपयोग कर रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय है और लोगों के लिए ऊर्जा आर्थिक समृद्धि लाता है। उन्होंने कहा कि भारत हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और लद्दाख में भूतापीय ऊर्जा के विकल्प भी तलाश रहा है। पवन ऊर्जा के लिए अपतटीय अन्वेषण कार्य जारी है और गुजरात तथा तमिलनाडु में व्यापक विकल्प मौजूद हैं। चावला ने कहा कि भारत अब भी मूल्य के प्रति बहुत संवेदनशील बाजार है, इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा इकाइयों की लागत कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन मिशन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं और जारी प्रयासों, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व्यवस्था का उल्लेख भी किया।

मारुति सुजुकी का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 फीसदी घटकर 3,102 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 फीसदी घटकर 3,102 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ 18.06 फीसदी घटकर 3102.50 करोड़ रुपये रह गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 3786.20 करोड़ रुपये रहा था। एमएसआई के मुताबिक दूसरी तिमाही में उसकी बिक्री 0.14 फीसदी बढ़कर 35586.50 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है जबकि सितंबर 2023 को समाप्त समान तिमाही में यह 35535.20 करोड़ रुपये रही थी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एमएसआई ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय बढ़कर 37,449 करोड़ रुपये हो गई है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 37,339 करोड़ रुपये थी।

व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स कारोबार के दो-तीन वर्ष में दोगुना होने की उम्मीदः प्रबंध निदेशक

चेन्नई। ट्रक, यात्री वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए पहिये बनाने वाली कंपनी व्हील्स इंडिया लिमिटेड को अगले दो-तीन वर्षों में अपने हाइड्रोलिक्स कारोबार को दोगुना करने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स व्यवसाय से वर्तमान में कारोबार 150 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने यहां कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा कि हाइड्रोलिक्स व्यवसाय में निर्यात के काफी अवसर हैं। हम वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विस्तार कर रहे हैं। हम यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका में निर्माता के लिए आपूर्तिकर्ता हैं, हमें अगले दो-तीन वर्षों में हाइड्रोलिक्स व्यवसाय को 150 करोड़ रुपये से अधिक के वर्तमान स्तर से दोगुना करने का भरोसा है। उन्होंने कहा कि व्हील्स इंडिया इस वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए 225 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के साथ अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है। व्हील्स इंडिया लिमिटेड ने जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में 21.92 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 5.24 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 1,085 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,189 करोड़ रुपये था।

तीन कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दी स्टॉक मार्केट में दस्तक शुरुआती कारोबार में आईपीओ निवेशकों को मुनाफा

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में तीन कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिये दस्तक दी। इन तीनों कंपनियों के शेयर प्रीमियम के साथ लिस्ट होने में सफल रहे। लिस्टिंग के बाद एक कंपनी के शेयर खरीदारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। वहीं दो कंपनियां शुरुआती उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करती नजर आ रही हैं। यानी लिस्ट हुई तीनों कंपनियां के आईपीओ निवेदक फायदे में बने हुए हैं। प्रीसिजन मेटल कंपोनेंट बनाने वाले कंपनी ओबीएससी परफेक्शन कर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 100 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे लेकिन इसकी लिस्टिंग 110 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 115.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 15.50 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ओबीएससी परफेक्शन का 66.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आईपीओ के तहत 66.02 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। ये आईपीओ ओवरऑल 16.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और दूसरे सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में करेगी। ही ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी दानिश पावर के शेयर की भी 50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 380 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 570 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद इस शेयर में उतार चढ़ाव शुरू हो गया। बिकवाली के दबाव में ये शेयर 541.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू होने पर इसमें तेजी आ गई। दिन का पहला कारोबारी सत्र खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे दानिश पावर के शेयर 218.50 रुपये की मजबूती के साथ 598.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 57.50 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। कंपनी का 197.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 126.65 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.01 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी फैक्टरी शेड बिल्डिंग बनाने, नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और पुराने कर्ज को चुकाने में करेगी। ही घरेलू शेयर बाजार में हीट एक्सचेंजर और प्रेशर वेसल्स बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड हीट ट्रांसफर के शेयर की भी 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू शेयर बाजार में एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 59 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग 60.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 63.95 रुपये के स्तर तक पहुंचा लेकिन इसके बाद बिकवाली दबाव बन जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 57.95 के स्तर तक आ गया। हालांकि ये गिरावट भी अधिक देर तक नहीं टिकी। खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये शेयर रिकवरी करके वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। दिन का पहला कारोबारी सत्र खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे ये शेयर 3 रुपये यानी 5.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यूनाइटेड हीट ट्रांसफर का 30 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों के जोरदार रिस्पॉन्स के कारण ये आईपीओ ओवरऑल 83.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 50.84 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक का वित्त वर्ष 23-24 में मुनाफा बढ़कर 1,511 करोड़ हुआ

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रिज, टीवी बनाने वाली कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 में मुनाफा 12.35 प्रतिशत बढ़कर 1,511.1 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार कंपनी की परिचालन आय 7.48 प्रतिशत बढ़कर 21,352 करोड़ रुपये हो गई।कंपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध नहीं है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ रुपये और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की कुल आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 21,557.1 करोड़ रुपये हो गई, जबकि अन्य आय स्त्रोतों से उसका राजस्व 16 प्रतिशत घटकर 205.1 करोड़ रुपये रहा। दक्षिण कोरिया स्थित एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी की कर-पूर्व आय 11.9 प्रतिशत बढ़कर 2,037.1 करोड़ रुपये रही। कुल कर व्यय 11.36 प्रतिशत बढ़कर 526 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 472.3 करोड़ रुपये था।एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का कुल खर्च वित्त वर्ष 2023-24 में 6.73 प्रतिशत बढ़कर 19,520 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 18,288.3 करोड़ रुपये था। मीडिया की कुछ खबरों के अनुसार इसकी मूल कंपनी तथा दक्षिण कोरिया स्थित चैबोल एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने भारतीय कारोबार के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है।

2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपए रही

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजधानी दिल्ली ...

के सदस्य भी शामिल रहे हैं। एनसीबी ने 25 अक्टूबर जिला गौतमबुद्ध नगर के कसाना औद्योगिक क्षेत्र में जब तलाशी अभियान चलाया तो यह लैब सामने आई थी। इस लैब में ठोस और तरल रूप में लगभग 95 किलोग्राम मेथामफेटाइन पाया है।लैब में एसीटोन, सोडियम हाइड्रॉक्साइड, मेथिलीन क्लोराइड, प्रीमियम ग्रेड इथेनॉल, टोल्यूनि, रेड फास्फोरस, एथिल एसीटेट आदि जैसे रसायन और विनिर्माण के लिए आयातित मशीनरी भी पाई गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया, क्योंकि ड्रग नेटवर्क के निशान दिल्ली एनसीआर में कई जगहों पर बताए गए थे। प्रारंभिक जांच के दौरान यह पता चला है कि दिल्ली स्थित एक व्यवसायी, जो छापे के समय तिहाड़ जेल वार्डन के साथ कारखाने के अंदर पाया गया था, ने अवैध कारखाने की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विभिन्न स्रोतों से मेथमफेटामाइन के निर्माण के लिए आवश्यक रसायनों की खरीद की गई थी। इन लोगों ने ही मशीनरी का आयात किया था। उक्त व्यवसायी को पहले राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) द्वारा एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसे तिहाड़ जेल में रखा गया था। वहीं पर उसकी मुलाकात जेल वार्डन से हुई। बाद में वह जेल वार्डन भी उसका साथी बन गया। दवा के निर्माण के लिए उनके द्वारा मुंबई स्थित एक रसायनज्ञ को अपनी टीम में शामिल किया गया। दवा की गुणवत्ता का परीक्षण दिल्ली में रहने वाले मैक्सिकन कार्टेल के एक सदस्य द्वारा किया गया था।एनसीबी ने चारों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को 27 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। सभी आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अनुवर्ती कार्रवाई में सिंडिकेट के एक महत्वपूर्ण सदस्य और दिल्ली स्थित व्यवसायी के करीबी सहयोगी को दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके से पकड़ा गया है। उसे संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से अभियुक्तों द्वारा उत्पन्न उनके आगे और पीछे के संबंधों, वित्तीय निशान और सम्पत्तियों का पता लगाया जा रहा है। इस साल एनसीबी ने गुजरात के गांधीनगर और अमरेली, राजस्थान के जोधपुर और सिरोही और मध्य प्रदेश के भोपाल में पांच स्थानों पर ऐसी गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया है। इस महीने की शुरुआत में, भोपाल के बगरोदा इंडस्ट्रियल एस्टेट में गुजरात एटीएस के साथ एक संयुक्त अभियान में एक गुप्त लैब का भंडाफोड़ किया गया था, जिसमें ठोस और तरल रूप में लगभग 907 किलोग्राम मेफेड्रोन, मशीनरी के साथ लगभग 7000 किलो विभिन्न रसायन जब्त किए गए थे।मेथामफेटामाइन और मेफेड्रोन जैसी सिंथेटिक दवाओं के उत्पादन की कम लागत को देखते हुए, ड्रग माफिया तेजी से औद्योगिक क्षेत्रों में ऐसी गुप्त प्रयोगशालाएं स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं, ताकि स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां को कोई शक न हो। इस तरह के कारखानों में मशीनरी, प्रयोगशालाओं से उत्पन्न अपशिष्ट और रासायनिक प्रसंस्करण के दौरान चिमनी से निकलने वाला जहरीला धुआं, बहुत खतरनाक होता है। सिंथेटिक दवाओं के निर्माण और तस्करी की इस प्रवृत्ति के बारे में स्थानीय पुलिस को संवेदनशील बनाने और गुप्त प्रयोगशालाओं का पता लगाने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए, एनसीबी लगातार देश के विभिन्न हिस्सों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस महीने की शुरुआत में, यूएसए की ड्रग एन्फोर्समेंट एजेंसी (डीईए) के सहयोग से अहमदाबाद में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पर कितने ...

जिससे यह जरूर साबित होता है कि आतंकी जख्मी हालत में इधर-उधर छुपे हुए थे। उल्लेखनीय है कि करीब 11 साल बाद जम्मू कश्मीर में आतंकियों के साथ होने वाली मुठभेड़ में सेना अपने टैंक और बख्तरबंद वाहनों का इस्तेमाल करने पर मजबूर हुई। हालांकि पिछले साल एक मुठभेड़ में आतंकियों को नेस्तनाबूद करने के लिए सेना ने मीडियम तोपखाने के साथ-साथ इज़राइल से मिले शक्तिशाली हरोन ड्रोन का इस्तेमाल किया था। सेना ने इसकी पुष्टि की है कि उसने अखनूर सेक्टर के बटल में आतंकियों को मार गिराने के लिए अपने बख्तरबंद वाहन बीएमपी-2 अर्थात एपीसी का इस्तेमाल इसलिए किया था क्योंकि भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए सैनिकों को इस तरह की शील्ड की जरूरत पड़ी थी।वर्ष 2013 में सांबा के मेहसर इलाके में सैन्य यूनिट पर आतंकी हमले के दौरान भी टैंकों का इस्तेमाल किया गया था। तब साम्बा के निकट महेसर सैन्य शिविर पर हुए इसी प्रकार के हमले में लेफ्टिनेंट कर्नल बिक्रमजीत सिंह समेत सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। शिविर में हुए हमले में इकाई के एक अन्य कर्नल स्तर के एक कमान अधिकारी (सीओ) समेत तीन लोग घायल हुए थे। यहां 16 कैवेलरी की एक इकाई तैनात है। पिछले साल 15 सितम्बर को अनंतनाग के कोकरनाग इलाके में आठ दिनों तक चली जंग का खास पहलू यह था कि ऊंची पहाड़ियों पर काबिज आतंकियों से निपटने को सेना को पहली बार मीडियम रेंज के तोपखाने के साथ ही सबसे अधिक शक्तिशाली हरोन मार्क 2 ड्रोन का भी इस्तेमाल आतंकियों पर बम बरसाने में करना पड़ा था। यह कश्मीर की पहली ऐसी मुठभेड़ भी कही जा सकती है जिसमें पहली बार इज़राइल से प्राप्त हरोन मार्क 2 जैसे खतरनाक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। आतंकी ऊंची पहाड़ी पर थे जहां पहुंच मुश्किल थी और इसके लिए सेना ने छाताधारी सैनिकों को उतारने के साथ ही मीडियम रेंज के तोपखानों से भी गोले बरसाए थे।अखनूर सेक्टर में बटल-असल ऑपरेशन की कामयाबी में सेना के श्वान दस्ते के फैंटम की शहादत को नहीं भूला जा सकता। सिर्फ फैंटम ही नहीं अतीत में ऐसे कई श्वान दस्ते के जांबाजों ने ने अपनी शहादत देकर सैनिकों की जानें बचाई हैं और कामयाबियां दिलाई हैं।

इनमें केंट, जूम और एक्सल जैसे नाम शामिल हैं जिनकी शहादत को सलाम किया जाता है। अखनूर में अभियान के दौरान आतंकियों द्वारा चलाई गई गोली से 4 वर्षीय भारतीय सेना का कुत्ता फैंटम घायल हो गया। सेना ने अभियान के दौरान तीनों आतंकियों को मार गिराया, लेकिन कुत्ते ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। यह घटना अखनूर के सुंदरबनी सेक्टर में असन क्षेत्र के पास हुई। सेना के अधिकारियों के अनुसार, 25 मई 2020 को जन्मे नर बेल्जियन मेलिनोइस एक हमलावर कुत्ता था और उत्तर प्रदेश के मेरठ में रिमाउंट वेटनरी कोर से पास आउट होने के बाद 12 अगस्त 2022 को उसे सैन्य यूनिट में नियुक्त किया गया था।

घुसपैठ पर...

इसलिए आने वाले दिन ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। अधिकारी कहते हैं कि सेना सतर्क है और घुसपैठियों को कड़ा जवाब देने के लिए तैयार है। जिन क्षेत्रों से प्रशिक्षित आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं, उन क्षेत्रों का जायजा सेना के वरिष्ठ अधिकारी ले चुके हैं, ऐसा दावा है, लेकिन ये दावे आतंकियों की अखनूर घुसपैठ के बाद फेल हो गए।

आवाज उठाई तो ...

परिणामस्वरूप, सार्वजनिक हित से समझौता करने वाली परिस्थितियों में, भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) के तहत उनकी बर्खास्तगी का फरमान जारी कर दिया गया।टीजीएसपी के कुछ कर्मियों के अलावा, उनके परिवार के सदस्य भी प्रदर्शन में शामिल हुए और समान नीतियों और बेहतर काम करने की स्थिति की मांग को लेकर धरना दिया। तेलंगाना पुलिस ने पहले 37 टीजीएसपी कर्मियों को अवैध आचरण और आंदोलन को उकसाने के आरोप में निलंबित किया था। पुलिस प्रशासन ने 21 टीजीएसपी कर्मियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, जिन्होंने अनधिकृत विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। इसे हैदराबाद पुलिस द्वारा जारी किए गए धारा 163 बीएनएसएस आदेशों का सीधा उल्लंघन माना गया। आदेशों में संभावित गड़बड़ी को रोकने के लिए शहर की सीमा के भीतर सभाओं, रैलियों और सार्वजनिक प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है और 21 कर्मियो को गिरफ्तार कर लिया गया।

अब कंधे से...

इस दावे का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया कि भाजपा सरकार संविधान बदल सकती है। गैर-जाट ओबीसी वोटों के साथ-साथ अनुसूचित जाति के वोटों का एक बड़ा हिस्सा हरियाणा में भाजपा की ओर चला गया। लोकसभा चुनावों में भाजपा इस अंतर को पाटने में विफल रही क्योंकि कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से संपर्क नहीं किया जो 10 साल सत्ता में रहने के बाद भाजपा के अति आत्मविश्वास और उम्मीदवार चयन को लेकर गुस्से के प्रति उदासीन थे। कई लोग खुद वोट देने के लिए बाहर नहीं आए। समाधान यह था कि उन्हें प्रचार करने और मतदान करने के लिए बाहर भेजा जाए और आरएसएस के स्वयंसेवकों ने इसमें मदद की।भाजपा महाराष्ट्र में मराठों और मुसलमानों पर महा विकास अघाड़ी के फोकस का मुकाबला करने के लिए ओबीसी समूहों और एससी/एसटी समुदायों को इसी तरह लामबंद करने की उम्मीद कर रही है। इसलिए, अगर कांग्रेस का महार समुदाय के बीच बड़ा समर्थन आधार है, तो आरएसएस ने मातंग जाति समूहों के साथ संपर्क किया है।एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा अनुसूचित जाति कोटे के उप-वर्गीकरण पर चर्चा करने के लिए एक समिति नियुक्त करने का कदम कथित तौर पर आरएसएस के दबाव के बाद उठाया गया था। माना जाता है कि अनुसूचित जाति समुदायों के उप-वर्गीकरण के फैसले से हरियाणा में भी भाजपा को मदद मिली है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, अगर विपक्ष ने लोकसभा के दौरान प्रचार के लिए भाजपा नेताओं के बयानों (400 से ज्यादा सीटें मांगने) का इस्तेमाल किया, तो हमने इसका मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान आरक्षण समाप्त करने की टिप्पणियों का इस्तेमाल किया। इसके लिए आरएसएस के पारंपरिक तरीके कारगर रहे।चुनावी राज्य झारखंड में, आदिवासियों के बीच अपने काम की वजह से आरएसएस का आधार मजबूत है और उसने आदिवासी बहुल इलाकों में अपने स्वयंसेवकों को छोटी-छोटी इकाइयों में संगठित किया है। पार्टी की कोशिश है कि लोकसभा चुनावों से स्थिति को बदला जाए, जब झारखंड में भाजपा सभी पांच आदिवासी बहुल सीटों पर हार गई थी। आरएसएस जिन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है उनमें से एक संथाल परगना है जो जेएमएम का गढ़ है। यहां भाजपा का अभियान कथित बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्रित है, जिससे आदिवासियों की संख्या में कमी आ रही है। संघ सीमावर्ती क्षेत्रों में काम करने वाले अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है।

प्रियंका गांधी की ...

चूंकि राहुल गांधी वायनाड से पिछले दो लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं इसलिए प्रियंका गांधी को इस क्षेत्र में अच्छा राजनीतिक समर्थन मिलने की उम्मीद है। प्रियंका के नामांकन के दौरान भी राहुल गांधी वायनाड पहुंचे थे। प्रियंका और राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों से इमोशनल अपील भी की थी। राहुल ने कहा था कि वायनाड में दो सांसद होंगे एक प्रियंका गांधी और दूसरे वह खुद। पिछले कुछ वर्षों में राहुल गांधी ने राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है और पार्टी में उन्हें सबसे बड़े नेता के रूप में स्वीकार भी किया गया है।लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भी ऐसा लगा था कि प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं लेकिन तब उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड और रायबरेली 2 सीटों से चुनाव जीते तो उनके द्वारा वायनाड की सीट खाली किए जाने के बाद प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने इस सीट से उम्मीदवार बनाया।प्रियंका गांधी की दादी और देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कई बार उत्तर के बजाय दक्षिण से चुनाव लड़ा था। आपातकाल के बाद जब 1977 में चुनाव हुए थे तो पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस का सफाया हो गया था लेकिन दक्षिण ने इंदिरा गांधी का साथ दिया था। इंदिरा गांधी 1978 में कर्नाटक के चिकमगलुर से उपचुनाव जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। 1980 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने रायबरेली सीट छोड़ दी थी लेकिन तेलंगाना की मेडक (उस वक्त आंध्र प्रदेश में) सीट को बरकरार रखा था। यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार को प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतारने में लंबा वक्त लगा और अब 52 साल की उम्र में प्रियंका अपना पहला चुनाव लड़ रही हैं जबकि राहुल गांधी पांच बार लोकसभा के सांसद बन चुके हैं।अगर प्रियंका गांधी लोकसभा का चुनाव जीत जाती हैं तो वह ऐसे समय में भारत के दक्षिणी इलाके का प्रतिनिधित्व करेंगी जब उत्तर और दक्षिण के क्षेत्र में तनाव बढ़ता दिख रहा है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने दक्षिण के लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की थी। दक्षिणी राज्यों में नाराजगी इस बात को लेकर है कि 2026 में होने वाला लोकसभा सीटों का परिसीमन पूरी तरह राजनीतिक तौर पर दक्षिण के खिलाफ होगा क्योंकि दक्षिणी ने अपनी आबादी को नियंत्रित कर लिया है। दूसरी ओर उत्तरी राज्यों में ज्यादा आबादी होने के कारण यहां से लोकसभा के लिए चुने जाने वाले सांसदों की संख्या ज्यादा होगी।

रूप चतुर्दशी पर होगा अभ्यंग स्नान

छोटी दीपावली जिसे शास्त्रों में नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है।कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी, यम चतुर्दशी या फिर रूप चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा करने और उनके लिए व्रतकरने का विधान है। ज्योतिषाचार्या एवं प्रसिद्ध टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रूप चतुर्दशी 31 अक्टूबर 2024 को मनाया जाएगा। इस दौरान घरों में अभ्यंग स्नान होगा। सभी लोग सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान और पूजन करेंगे। इस दौरान लोग उबटन लगाकर स्नान करेंगे।स्त्रियों के लिए यह पर्व खास होगा। दरअसल स्त्रियां सज संवरकर पूजन -अर्चन करेंगी। इस दौरान ब्यूटी पार्लर्स में रौनक रहेगी। सड़कों, घरों, भवनों में दीपावली की जगमग रहेगी। शाम होते ही वातावरण झिलमिलाने लगेगा। दरअसल रूप चतुर्दशी को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने से लोगों को नर्क की यातनाऐं नहीं भोगनी पड़ती है। इस दिन लोग उबटन से स्नान करते हैं। स्नान के बाद दीपदान होता है। प्रतीकात्मक तौर हल्दी मिले आटे के दिये को पांव लगाया जाता है।

श्रद्धालु महिलाऐं घर आंगन को रगोली के रंगों से संवारती हैं। इस दिन दियों की जगमगाहट से लोगों के घर वृंदनवार रोशन होते हैं। रूप चतुर्शनी के अलगे दिन कार्तिक अमावस्या पर लक्ष्मी पूजन किया जाता है। ऐसे में यह दीपावली की शुरूआत होती है। रूप चतुर्दशी पर स्नान के दौरान लोग पटाखे चलाकर उत्साह मनाते हैं।

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि माना जाता है कि महाबली हनुमान का जन्म इसी दिन हुआ था। इसीलिए आज बजरंगबली की भी विशेष पूजा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की देवी मां लक्ष्मी जी उसी घर में रहती हैं जहां सुंदरता और पवित्रता होती है। लोग लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए घरों की सफाई और सजावट करते हैं इसका अर्थ ये भी है कि वो नरक यानी के गंदगी का अंत करते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन अपने घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। घर की सफाई के साथ ही अपने रूप और सौन्दर्य प्राप्ति के लिए भी शरीर पर उबटन लगा कर स्नान करना चाहिए। इस दिन रात को तेल अथवा तिल के तेल के 14 दीपक जलाने की परम्परा है।कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी नरक चौदस, रूप चतुर्दशी अथवा छोटी दीवाली के रूप में मनाई जाती है।

देवी लक्ष्मी धन की प्रतीक हैं। धन का अर्थ केवल पैसा नहीं होता। तन-मन की स्वच्छता और स्वस्थता भी धन का ही कारक हैं। धन और धान्य की देवी लक्ष्मी जी को स्वच्छता अतिप्रिय है। धन के नौ प्रकार बताए गए हैं। प्रकृति, पर्यावरण, गोधन, धातु, तन, मन, आरोग्यता, सुख, शांति समृद्धि भी धन कहे गए हैं।.

लंबी उम्र के लिए नरक चतुर्दशी के दिन घर के बाहर यम का दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी की रात जब घर के सभी सदस्य आ जाते हैं तो गृह स्वामी यम के नाम का दीपक जलाता है।

चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु ने माता अदिति के आभूषण चुराकर ले जाने वाले निशाचर नरकासुर का वध कर 16 हजार कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। परंपरा में इसे शारीरिक सज्जा और अलंकार का दिन भी माना गया है। इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी, चंदन, सरसो का तेल मिलाकर उबटन तैयार कर शरीर पर लेप कर उससे स्नान कर अपना रूप निखारेंगी। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है।

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ -30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे से

चतुर्दशी तिथि समाप्त - 31 अक्टूबर दोपहर 03:53 बजे तक

अभ्यंग स्नान का समय

31 अक्टूबर सुबह 05:28 मिनट से 06:41 मिनट तक

नरक चतुर्दशी के दिन कैसे करें हनुमान जी की पूजा?

मान्यता के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन भगवान हनुमान ने माता अंजना के गर्भ से जन्म लिया था। इस दिन भक्त दुख और भय से मुक्ति पाने के लिए हनुमान जी की पूजा-अर्चनाा करते हैं। इस दिन हनुमान चालीसा और हनुमान अष्टक का पाठ करना चाहिए।

नरक चतुर्दशी को क्यों कहते हैं रूप चतुर्दशी?

मान्यता के अनुसार हिरण्यगभ नाम के एक राजा ने राज-पाट छोड़कर तप में विलीन होने का फैसला किया।कई वर्षों तक तपस्या करने की वजह से उनके शरीर में कीड़े पड़ गए। इस बात से दुखी हिरण्यगभ ने नारद मुनि से अपनी व्यथा कही। नारद मुनि ने राजा से कहा कि कार्तिक मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के दिन शरीर पर लेप लगाकर सूर्योदय से पूर्व स्नान करने के बाद रूप के देवता श्री कृष्ण की पूजा करें। ऐसा करने से फिर से सौन्दर्य की प्राप्ति होगी। राजा ने सबकुछ वैसा ही किया जैसा कि नारद मुनि ने बताया था। राजा फिर से रूपवान हो गए।तभी से इस दिन को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं।

पौराणिक कथा

जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर दैत्यराज बलि से तीन पग धरती मांगकर तीनों लोकों को नाप लिया तो राजा बलि ने उनसे प्रार्थना की- 'हे प्रभु! मैं आपसे एक वरदान मांगना चाहता हूं। यदि आप मुझसे प्रसन्न हैं तो वर देकर मुझे कृतार्थ कीजिए। तब भगवान वामन ने पूछा- क्या वरदान मांगना चाहते हो, राजन? दैत्यराज बलि बोले- प्रभु! आपने कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से लेकर अमावस्या की अवधि में मेरी संपूर्ण पृथ्वी नाप ली है, इसलिए जो व्यक्ति मेरे राज्य में चतुर्दशी के दिन यमराज के लिए दीपदान करे, उसे यम यातना नहीं होनी चाहिए और जो व्यक्ति इन तीन दिनों में दीपावली का पर्व मनाए, उनके घर को लक्ष्मीजी कभी न छोड़ें।राजा बलि की प्रार्थना सुनकर भगवान वामन बोले- राजन! मेरा वरदान है कि जो चतुर्दशी के दिन नरक के स्वामी यमराज को दीपदान करेंगे, उनके पितर कभी नरक में नहीं रहेंगे और जो व्यक्ति इन तीन दिनों में दीपावली का उत्सव मनाएंगे, उन्हें छोड़कर मेरी प्रिय लक्ष्मी अन्यत्र न जाएंगी। भगवान वामन द्वारा राजा बलि को दिए इस वरदान के बाद से ही नरक चतुर्दशी के दिन यमराज के निमित्त व्रत, पूजन और दीपदान का प्रचलन आरंभ हुआ, जो आज तक चला आ रहा है।

श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था

नरक चतुर्दशी का पर्व मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं हैं, इन्हीं में से एक कथा नरकासुर वध की भी है।कथा के मुताबिक प्रागज्योतिषपुर नगर का राजा नरकासुर नामक दैत्य था। उसने अपनी शक्ति से इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु आदि सभी देवताओं को परेशान कर दिया। वह संतों को भी त्रास देने लगा। महिलाओं पर अत्याचार करने लगा। जब उसका अत्याचार बहुत बढ़ गया तो देवता व ऋषिमुनि भगवान श्रीकृष्ण की शरण में गए। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें नरकासुर से मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन नरकासुर को स्त्री के हाथों मरने का श्राप था।इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा को सारथी बनाया तथा उन्हीं की सहायता से नरकासुर का वध किया। इस प्रकार श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध कर देवताओं व संतों को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। उसी की खुशी में दूसरे दिन अर्थात कार्तिक मास की अमावस्या को लोगों ने अपने घरों में दीएं जलाए। तभी से नरक चतुर्दशी तथा दीपावली का त्योहार मनाया जाने लगा।

महत्व- रूप चौदस पर व्रत रखने का भी अपना महत्व है। मान्यता है कि रूप चौदस पर व्रत रखने से भगवान श्रीकृष्ण व्यक्ति को सौंदर्य प्रदान करते हैं। रूप चतुदर्शी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर तिल के तेल की मालिश और पानी में चिरचिरी के पत्ते डालकर नहाना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु और भगवान कृष्ण के दर्शन करने चाहिए। ऐसा करने से पापों का नाश होता है और सौंदर्य हासिल होता है।

साथ ही रूप चौदस की रात मान्यतानुसार घर का सबसे बुजुर्ग पूरे घर में एक दिया जलाकर घुमाता है और फिर उसे घर से बाहर कहीं दूर जाकर रख देता है। इस दिए को यम दीया कहा जाता है।इस दौरान घर के बाकी सदस्य अपने घर में ही रहते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिए को पूरे घर में घुमाकर बाहर ले जाने से सभी बुरी शक्तियां घर से बाहर चली जाती है।

यह कार्य अवश्य करें

इस दिन जहां घर की सफाई की जाती है वहीं घर से हर प्रकार का टूटा-फूटा सामान भी फैंक देना चाहिए। घर में रखे खाली पेंट के डिब्बे, रद्दी, टूटे-फूटे कांच या धातु के बर्तन, किसी प्रकार का टूटा हुआ सजावटी सामान, बेकार पड़ा फर्नीचर व अन्य प्रयोग में न आने वाली वस्तुओं को यमराज का नरक माना जाता है इसलिए ऐसी बेकार वस्तुओं को घर से हटा देना चाहिए।

नहाने से पहले मसाज करें

दक्षिण भारत में यह परंपरा है कि लोग आज के दिन सुबह जल्दी उठकर तेल से पूरे शरीर की मालिश करते हैं। अगर आप पुराने रिवाजों को न भी मानते हों तो भी आप ये काम तो आज कर ही सकते हैं। वैसे भी घर की दिवाली सफाई के बाद आपके शरीर को फिलहाल मसाज की सबसे ज्यादा ज़रूरत है।

उबटन लगाएं

कहा जाता है कि श्री कृष्ण के शरीर पर लगा नरकासुर का खून साफ करने के लिए उन्हें उबटन लगाया गया था। तब से इस दिन उबटन लगाने की परंपरा चली आ रही है। वैसे भी त्योहारों पर सजना संवरना हर कोई चाहता है।

घर की सजावट करें

घर की साफ सफाई और धनतेरस शॉपिंग के बाद अब वक्त है सजावट का। तो नए पर्दे और बेडशीट्स निकालें और घर को फर्निश करें। घर को लाइट्स और खूबसूरत कैंडल्स से सजाएं। अगर कुछ ट्रेडिश्नल करना हो तो आज के दिन भी दीये जलाने और रंगोली बनाने का रिवाज़ है।

दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने जाएं

फोन पर त्योहार की शुभकामनाएं देने से ज्यादा बढ़िया होता है किसी को खुद जाकर बधाई और तोहफे देना। इसलिए आपके जो यार-रिश्तेदार दूर रहते हैं उनसे आज मिलने जाएं। वैसे भी दिवाली की पूजा और पकवान के बीच दूर दराज के लोगों संग मुलाकात अमूमन संभव नहीं हो पाती है

इस दिन सायं 4 बत्ती वाला मिट्टी का दीपक पूर्व दिशा में अपना मुख करके घर के मुख्य द्वार पर रखें और

'दत्तो दीप: चतुर्दश्यो नरक प्रीतये मया।
चतुर्वर्ति समायुक्त: सर्व पापा न्विमुक्तये।।'

मंत्र का जाप करें और नए पीले रंग के वस्त्र पहन कर यम का पूजन करें। जो व्यक्ति इन बातों पर अमल करता है उसे नर्क की यातनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

ऊं यमाय नम:, ऊं धर्मराजाय नम:, ऊं मृत्यवे नम:, ऊं अन्तकाय नम:, ऊं वैवस्वताय नम:, ऊं कालाय नम:, ऊं सर्वभूतक्षयाय नम:, ऊं औदुम्बराय नम:, ऊं दध्राय नम:, ऊं नीलाय नम:, ऊं परमेष्ठिने नम:, ऊं वृकोदराय नम:, ऊं चित्राय नम:, ऊं चित्रगुप्ताय नम:।

पूजन विधि -ज्इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर शरीर पर तेल या उबटन लगाकर मालिश करने के बाद स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता हैं कि जो व्यक्ति नरक चतुर्दशी के दिन सूर्य के उदय होने के बाद नहाता हैं। उसके द्वारा पूरे वर्ष भर में किये गये शुभ कार्यों के फल की प्राप्ति नहीं होती। सूर्य उदय से पहले स्नान करने के बाद दक्षिण मुख करके हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से व्यक्ति के द्वारा किये गये वर्ष भर के पापों का नाश होता हैं। इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें। इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें। पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं। इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है। विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है।

यम-तर्पण - नहाने के बाद साफ कपड़े पहनकर, तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके निम्न मंत्रों से प्रत्येक नाम से तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। यह यम-तर्पण कहलाता है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं-

इस प्रकार तर्पण कर्म सभी पुरुषों को करना चाहिए, चाहे उनके माता पिता गुजर चुके हों या जीवित हों। फिर देवताओं का पूजन करके शाम के समय यमराज को दीपदान करने का विधान है। नरक चतुर्दशी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा भी करनी चाहिए, क्योंकि इसी दिन उन्होंने नरकासुर का वध किया था। इस दिन जो भी व्यक्ति विधिपूर्वक भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करता है, उसके मन के सारे पाप दूर हो जाते हैं और अंत में उसे वैकुंठ में स्थान मिलता है।

नरक चतुर्दशी आज

इस दिन कर लें ये काम, नहीं होंगे नर्क के दर्शन

छोटी दिवाली को नरक चतुर्दशी या नरक चौदस भी कहा जाता है । नरक चतुर्दशी दिवाली से एक दिन पहले मनाई जाती है। इस दिन कृष्ण भगवान, यमराज की पूजा की पूजा की जाती है। नरक चतुर्दशी पर जो लोग यम के नाम दीप जलाते हैं उन्हें यमलोक के दर्शन नहीं करने पड़ते। वह अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होते। साथ ही मान्यताओं के अनुसार, इस दिन अभ्यंग स्नान करने वाले लोग नर्क जाने से बच सकते हैं। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 30 अक्टूबर 2024 को दोपहर 1.15 पर शुरू होगी और अगले दिन 31 अक्टूबर 2024 को दोपहर 03.52 मिनट पर समाप्त होगी।

नरक चतुर्दशी पर यम के लिए दीपक प्रदोष काल में जलाते हैं। ऐसे में इस साल नरक चतुर्दशी 30 अक्टूबर 2024 को मनाई जाएगी। हालांकि अभ्यंग स्नान (रूप चौदस) चतुर्दशी तिथि जब सूर्योदय से प्रारंभ हो रही हो उस दिन सुबह किया जाता है।

नरक चतुर्दशी यम दीपक - शाम 05.30 - रात 07.02 (30 अक्टूबर)

अभ्यंग स्नान - सुबह 05.20 - सुबह 06.32 (31 अक्टूबर)

नरक चतुर्दशी पर क्या करें

*इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धन की देवी लक्ष्मी जी की भी पूजा की जाती है।

*इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले नहाना चाहिए, इसके बाद भगवान कृष्ण जी की पूजा करनी चाहिए।

*नरक चतुर्दशी की शाम को यमराज के नाम का दीपक जलाना चाहिए, घर की दक्षिण दिशा को साफ रखें।

नरक चतुर्दशी का कृष्ण से संबंध

धार्मिक मान्यता अनुसार रूप चौदस के दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया था और लगभग 16,000 गोपियों को उसकी कैद मुक्त किया था।

नरक चतुर्दशी के दिन कितने दीये जलाना होता है शुभ? यहा जानें नियम

छोटी दिवाली का पर्व इस साल 30 अक्तूबर दिन बुधवार को मनाया जाएगा। यह पर्व दिन दिवाली से एक दिन पहले मनाया जाता है। इस दिन भी दीपक जलाने की परंपरा है, लेकिन शास्त्रों में छोटी दिवाली के दिन दीये जलाने की संख्या तय है। ऐसे में आइए जानते हैं छोटी दिवाली के दिन कितने दीये जलाने चाहिए और कौन-कौन से स्थानों पर इन दीयों को रखना चाहिए ।

छोटी दिवाली पर कितने दीये जलाए जाते हैं?

छोटी दिवाली यानी कि नरक चौदस कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर पड़ती है। इस दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। छोटी दिवाली के दिन एक दीपक यमराज के निमित्त भी जलाया जाता है। वहीं, दूसरा दीया मां काली के लिए जलाया जाता है और तीसरा दीया भगवान श्री कृष्ण के लिए। इसके अलावा चौथा दीया घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता है और पांचवा दीपक घर की पूर्व दिशा में जलाया जाता है। छोटी दिवाली के दिन यह बेहद शुभ माना जाता है।

इसके साथ ही छोटी दिवाली के दिन छठा दीपक घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा के लिए जलाया जाता है, जबकि सातवां दीया घर की छत पर जलाया जाता है। वहीं आठवां दीया तुलसी के माता के लिए जलता है। बाकी के अन्य दीपक आप घर की बालकॉनी में या घर की सीढ़ियों के आस पास भी लगा सकते हैं। इस दौरान इस बात का ध्यान रखें कि ये दीपक सरसों के तेल में जलाएं। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि छोटी दिवाली के दिन जलने वाले इन 14 दीपक की संख्या घर के मंदिर के आगे जलने वाले दीये से अलग होनी चीहिए। छोटी दिवाली के दिन पहले अपने इष्ट देव या घर में स्थापित देवी-देवता के आगे घी का दीपक जलाएं। इसके बाद भी 14 दीयों को घर के अलग-अलग स्थानों पर जलाकर रखें। छोटी दिवाली के दिन 14 दीयों को जलाते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि दीपक को ऐसी जगह रखें जहां गलती से भी किसी का पैर न लगे।

दीवाली -'तमसो मा ज्योतिर्गमय'

दीपावली वर्ष की सबसे अँधेरी रात होते हुए भी सबसे अधिक शक्तिशाली रात होती है। इसमें अज्ञान के अन्धकार को दूर करने और ज्ञान के प्रकाश की शक्ति भी विद्यमान करने की योग्यता होती है। वस्तुतः घना अन्धकार ही अपने अपने भीतर प्रकाश की पिपासा को बढ़ाता है। मानव शरीर में मूलाधार से आज्ञा चक्र (ललाट का केंद्र) तक की यात्रा ही अन्धकार से प्रकाश की ओर जाने की यात्रा है, आत्मा के विकास की यात्रा है। मूलाधार भगवान गणेश का स्थान है जो भूलोक के देव है तथा आज्ञा महादेव शिव का । सृष्टि में कोई भी परिवर्तन या रूपान्तरण शिव शक्ति द्वारा ही संभव है। इस सृष्टि की माया से परे का सत्य ज्ञान अर्थात स्थूल से सूक्ष्म का ज्ञान उन्ही की कृपा से संभव है। दीपावली की रात लोग गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की दीया जलाकर पूजा करते हैं किन्तु क्या कभी किसी ने इस बात पर ध्यान दिया है कि देवी लक्ष्मी उल्लू पर सवार हैं तथा भगवान गणेश मूषक पर। उल्लू और मूषक दोनों ही अँधेरे में रहने वाले प्राणी हैं। उल्लू प्रकाश में इस कारण नहीं देख सकता क्योंकि लक्ष्मीजी उस पर सवार हैं और चूहा प्रकाश देखकर भाग जाता है क्योंकि वह गणेश जी का वाहन है।

कोई भी जीव जो मूलस्थान के स्तर पर है उल्लू के समान है जो माया रुपी अंधकार व् अज्ञान में जी रहा है या फिर उस मूषक के सामान है जो भौतिक सुखों के पीछे भाग रहा है। यह भी तो प्रकाश से अंधकार की ओर ही जाना हुआ क्योंकि इस संसार के सुख भोग भी तो अस्थायी ही है। इस सत्य को जानते हुए भी कि एक दिन यह सब छूट जायेगा, हम इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं और दिन रात उसी नश्वरता के पीछे भागते हुए अपना जन्म और कर्म दोनों ही गवाँ देते हैं और यही अज्ञानता का अंधकार है।

जैसा कि चक्र संतुलन प्राणायाम में विस्तृत रूप से बताया गया है, हमारी नाक की नोक मूलाधार चक्र का प्रतीक है और यहीं से आत्मिक उत्थान की यात्रा आरम्भ होती है। एक साधक का पहला अनुभव भौतिक संतुष्टि ही है। भौतिक सुख सुविधाओं का भोग गलत नहीं है क्योंकि शरीर तो भौतिक अनुभवों के लिए ही है, गलती तो उन भोगों से लगाव रखने में है। यही आसक्ति तो एक व्यक्ति को सुख दुःख के बँधन चक्र में बाँधकर रोग और वृद्धावस्था की ओर ले जाती है। यह तो सुनिश्चित है कि हर भोग अस्थायी है जो अपने साथ अत्यधिक ख़ुशी लाता है किन्तु जब छूटता है तो बहुत कष्ट भी देता है। किसी भी

भोग विलास का परिणाम रोग ही है। अब यह आपके ऊपर है कि आप उनके प्रति आसक्त रहें या अनासक्त। क्योंकि आसक्ति ही अंधकार है और अनासक्ति प्रकाश की ओर ले जाती है।

चक्र संतुलन क्रिया के प्रारम्भिक चरणों में एक साधक अपनी नाक के सिरे (काकी मुद्रा) पर ध्यान करता है क्योंकि उस समय वह भौतिक अनुभवों की इच्छा रखता है। कुण्डलिनी शक्ति, जो अर्ध निष्क्रिय रूप में मूलस्थान पर कुंडलित रूप में निहित है,ऐसे व्यक्ति के लिए यह शक्ति दिन प्रतिदिन की भोग क्रियाओं में व्यय जाती है। जैसे-जैसे व्यक्ति साधना में अग्रसर होता है, गुरु उसे उच्च लोकों के अनुभव देते हुए उसकी मूल इच्छाओं को परिवर्तित कर देते हैं। जब कुण्डलिनी शक्ति ऊपर की ओर उठती है तो शरीर में कई प्रकार की अनुभूतियाँ होती हैं जैसे अत्यधिक गर्मी महसूस होना, संवेग, स्पंदन, कम्पन आदि का अनुभव होना जो कभी कभी नियंत्रण में भी नहीं होते, या फिर कभी- कभी गुरु पर ही संदेह पैदा कर देते हैं या फिर कोई तीव्र भौतिक इच्छा जागृत हो जाती है जो प्रकाश से अंधकार की और धकेलती है। ऐसा करने की इच्छा बहुत तीव्र भी हो सकती है। ऐसे समय पर ही साधक को अपने पिछले अनुभवों के आधार पर ध्यान रखते हुए योग का मार्ग व् गुरु का हाथ पकड़ कर रखना है, निश्चित ही उसे प्रकाश के दर्शन होंगे। क्योंकि यहाँ पर साधक यदि भटक गया या फिर संदेह कर गुरु का हाथ छोड़ दिया तो वह हमेशा के लिए अन्धकार में खो जाता है। चक्र संतुलन प्राणायाम के अंतिम चरणों में,अपने आज्ञा स्थान पर (शाम्भवी मुद्रा) ध्यान किया जाता है जो उस शक्ति का अनुभव देता है जिससे सभी कुछ नियंत्रित व् संचालित है।

अपने आज्ञा स्थान पर आँखों को स्थिर करना अत्यधिक कठिन है क्योंकि आँखें तभी स्थिर हो सकती हैं जब विचार स्थगित हो गए हों। आँखों का स्थिर होना इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि विचार प्रक्रिया हमारी शक्ति को क्षीण करती है। जो शक्ति हमारे भीतर प्रकाश जागृत करने में सक्षम है , वह गहन विचार प्रक्रिया से क्षीण होती है। यह विचार ही आपकी इच्छाएँ हैं जो ध्यान के समय विचारों के रूप में उठती हैं, कभी आप अपनी समस्याओं का विचार करते हैं, तो कभी आवश्यकताओं का तो कभी उस अँधेरे का जिससे आप बाहर निकलना चाहते हैं। जब भी आप सोचते हैं तब मस्तिष्क न्यूरॉन्स में एक कम्पन होता है जो नसों के माध्यम से उत्त-ेजना या संवेदना पैदा करता है, जिस कारण आपका ध्यान भंग हो जाता है और आप सूक्ष्म शक्ति के अनुभव से वंचित रह जाते हैं । एक अनुभव होने के लिए रोशनी देखना बहुत महत्वपूर्ण है और प्रकाश देखने के लिए गुरु होने आवश्यक हैं क्योंकि वही ज्ञान दे सकते हैं, प्रकाश दिखा सकते हैं। हम दीपावली पर जो दीया जलाते हैं वह अंधकार में रोशनी देखने के लिए ही होता है. तमसो मा ज्योतिर्गमय। ध्यान फाउंडेशन आगामी 1 नवंबर को दिवाली के अवसर पर अपने दुनिया भर केंद्रों में यज्ञ का आयोजन कर रहा है।

-अश्विनी गुरुजी

मिर्जापुर द फिल्म का धांसू टीजर हुआ रिलीज

मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी गई है। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर आखिरकार लंबे समय से चल रही अटकलों की पुष्टि करते हुए खुलासा कर दिया है कि मिर्जापुर पर फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म निर्माता जो सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु का भौकाल देखने को मिल रहा है। फिल्म की घोषणा भी बिल्कुल मिर्जापुर स्टाइल में कि गई है। उन्होंने खुलासा किया कि छोटे पर्दे का जादू अब बड़े पर्दे पर भी छाएगा। वहीं मिर्जापुर द फिल्म की स्क्क में जबरदस्त बदलवा देखने को मिलने वाला है।वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 की रिलीज के महीनों बाद निर्माताओं ने अब मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी है।

सोशल मीडिया पर प्राइम वीडियो इंडिया ने पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु पर आधारित एक वीडियो शेयर कर तहलका मचा दिया है। 2 मिनट से ज्यादा लंबे इस वीडियो में दिव्येंदु की वापसी का भी संकेत दिया गया है, जिन्होंने वेब सीरीज में मुन्ना त्रिपाठी का किरदार निभाया था। दूसरे सीजन में उनके किरदार को मार दिया गया था और तीसरे में व दिखाई नहीं दिए थे। इस बार मिर्जापुर की गद्दी के लिए गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया के बीच खतरनाक वॉर देखने को मिलने वाली है।फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु के अलावा किसी भी कलाकार को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि पुराने कलाकार अपनी भूमिकाएं फिर से निभा सकते हैं। पहले ऐसी अफवाहें थीं कि ऋतिक रोशन कालीन भैया की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन ने क्राइम थ्रिलर का पहला सीजन नवंबर 2018 में और दूसरा सीजन अक्टूबर 2020 में रिलीज किया था।

शो का तीसरा सीजन जुलाई 2024 में रिलीज हुआ था।पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित, मिर्जापुर फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। इसमें पंकज (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित) और दिव्येंदु (मुन्ना) की वापसी होगी, साथ ही अभिषेक बनर्जी भी होंगे, जो सीरीज में कंपाउंडर की भूमिका में दिखाई दिए थे।

अनुपम खेर की विजय 69 का पहला पोस्टर आया सामने

अनुपम खेर इन दिनों फिल्म द सिगनेचर को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। उनकी ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई और खूब सराही गई है। क्रिटिक्स से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उनकी उनकी अगली फिल्म विजय 69 है। अक्षय रॉय के निर्देशन में बनी यह फिल्म भी ओटीटी पर ही रिलीज होगी। फिलहाल आज एक्टर ने इसके ट्रेलर से जुड़ी सूचना फैंस से साझा की है। विजय 69 का ट्रेलर आज 29 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। साथ ही इंडस्ट्री में अपनी 40 वर्षों की यात्रा को याद किया है। निर्माताओं ने विजय 69 फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। इसके साथ यह जानकारी दी है कि फिल्म का ट्रेलर कल मंगलवार को रिलीज होगा। इस फिल्म का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगा। साझा किए गए पोस्ट के साथ लिखा है, इन्हें सपने ने जिंदा रखा, फिर सपनों ने इन्हें जिंदा रखा है।इसके अलावा अनुपम खेर ने एक और पोस्ट साझा किया है, इसमें वे अपने 40 साल की फिल्मी यात्रा को याद करते नजर आए हैं। एक्टर ने लिखा है, दोस्तों! मुझे याद ही नहीं रहा कि मैंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में 40 साल पूरे कर लिए हैं। मेरी आगामी रिलीज विजय 69 की मार्केटिंग मीटिंग के दौरान मुझसे कम से कम 30-40 साल छोटे लोगों ने मुझे इस बारे में बताया। इसने मुझे भावुक कर दिया। मेरा काम दर्शकों का दिल छू गया, यह भी मालूम हुआ।एक्टर ने आगे लिखा है, मुझे खुद के एक कलाकार होने पर गर्व है और इस अनुभव के बाद एक बार फिर ऐसा ही गर्व महसूस हुआ। मुझे लगता है कि 40 साल यूं ही बीत गए, क्योंकि मैं कुछ ऐसा करता रहा हूं, जो मुझे बेहद पसंद है। मैं दिल से करता हूं। एक अभिनेता होना सिर्फ मेरा पेशा नहीं है... यह मेरी पहचान है... बस इसे सपने देखने वाले सभी साथियों के साथ साझा करना चाहता हूं... जय हो!

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने पकड़ी रफ्तार, पार किया 40 करोड़ रुपए का आंकड़ा

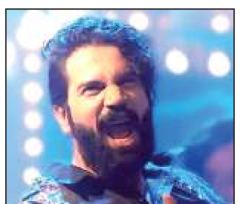

राजकुमार राव की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 17 दिन पूरे हो गए है और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई थी, लेकिन वीकेंड पर एक बार फिर यह पटरी पर लौट आई है।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 17वें दिन कितने करोड़ रुपए का कारोबार किया।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने अपनी रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 40.20 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म को 30 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है और इसने अपना बजट वसूल लिया है।राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है। इसके बाद विक्की अपनी पत्नी विद्या से सच छिपाता है। हालांकि, विद्या सोचती है कि उसके पति का अफेयर चल रहा है।इस फिल्म में विजय राज, मल्लिका शेरावत और शहनाज गिल जैसे सितारे ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।

सिनेमाघरों में री-रिलीज हो रही करण-अर्जुन

22 नवंबर को फिर दिखेगी शाहरुख-सलमान की 90 के दशक की दोस्ती

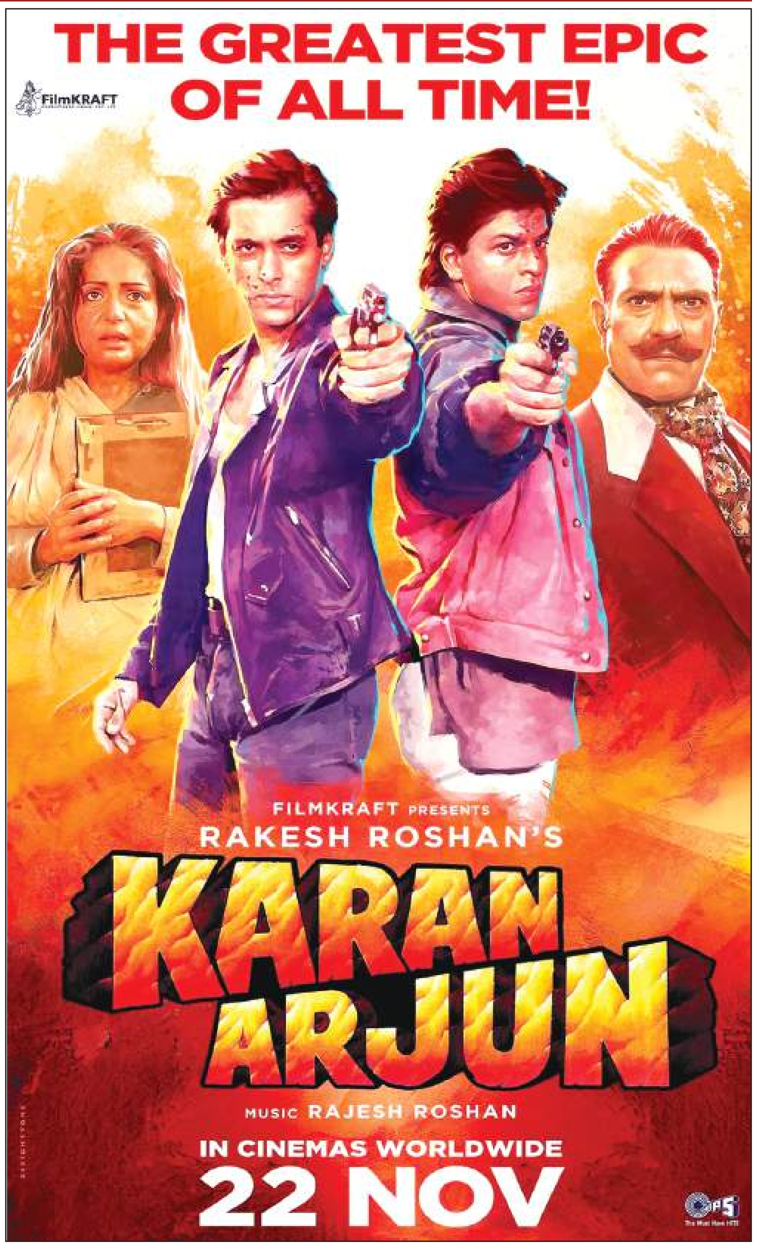

शाहरुख खान और सलमान खान स्टारर फैंटेसी एक्शन मसाला फिल्म करण अर्जुन को जो लोग सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे अब उनका सपना पूरा होने जा रहा है. 29 साल पुरानी फिल्म करण-अर्जुन थिएटर में री-रिलीज होने जा रही है. करण-अर्जुन के डायरेक्टर और ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन अपनी इस कल्ट क्लासिक फिल्म करण अर्जुन को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर उतार रहे हैं. इस बात की जानकारी सलमान खान के अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दी है.सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने और शाहरुख खान के फैंस को यह गुडन्यूज दी है. सलमान खान ने लिखा है, राखी जी ने फिल्म में सही कहा था कि मेरे करण अर्जुन आएंगे ... नवंबर 22 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में. बता दें, इन दिनों सलमान खान की सिक्योरिटी बेहद टाइट है और दबंग खान ने बिश्नोई गैंग की धमकी के बीच अपनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म री-रिलीज का एलान किया है.करण-अर्जुन की कहानी बेहद मार्मिक, इमोशनल और खौफनाक है. फिल्म शाहरुख खान ने अर्जुन तो सलमान खान ने करण का रोल प्ले किया है. राखी ने फिल्म में करण-अर्जुन की मां का शानदार किरदार निभाया है. फिल्म में अमरीश पुरी ठाकुर दुर्जन सिंह के खतरनाक विलेन रोल में हैं, जो राखी के करण-अर्जुन को मौत के घाट उतरवा देता है. वहीं, 25 साल बाद करण-अर्जुन का पुर्नजन्म होता है. शाहरुख खान को सपने में अपने पहले जन्म की जगह दिखाई देती हैं और फिर वह अपने दोस्त जॉनी लीवर के साथ उस जगह जाता है, जहां उसका पहला जन्म हुआ था.यहां पहुंचने के बाद शाहरुख खान को अपनी और अपने भाई करण की मौत का सारा खेल समझ आ जाता है और फिर वह करण को इसी गांव में लाकर उसे बताता है कि हम पिछले जन्म में भाई-भाई थे और ठाकुर दुर्जन सिंह ने हमारी हत्या कर दी थी. वहीं, जब करण-अर्जुन 25 साल बाद अपने गांव में लौटते हैं, तो पूरा गांव के पैरों तले जमीन खिसक जाती है, वहीं, राखी गांव के काली मंदिर में 25 साल से यह तपस्या करती रहती है कि उसके करण-अर्जुन आएंगे. आखिर में राखी के करण-अर्जुन आते हैं और फिर अपनी मौत का बदला लेते हैं.

सई ताम्हणकर ने थिएटर को बताया महाराष्ट्रीयन संस्कृति का अभिन्न अंग

अभिनेत्री सई ताम्हणकर मिमी, हंटर, दुनियादारी में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने मराठी समुदाय में थिएटर पर अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री ने हाल ही में रिलीज अपनी ओटीटी सीरीज मनवत मर्डर्स की सफलता के बीच बात की।थिएटर के मराठी संस्कृति का एक अभिन्न अंग होने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि मराठी थिएटर एक महाराष्ट्रीयन घर की दिनचर्या का हिस्सा है। दोपहर के भोजन के बाद मुझे याद है कि मेरे दादा-दादी हमेशा एक नाटक देखने की योजना बनाते थे और यह उनकी दिनचर्या का एक हिस्सा हुआ करता था। एक औसत मराठी घर में नाटक देखना हमारे खून में है। मराठी थिएटर में बहुत दर्शक हैं।

उन्होंने बताया कि अब भारत सिर्फ़ सीमा या मानदंड नहीं है, विभिन्न देशों में बहुत सारे नाटक खेले जाते हैं और मुझे खुशी है कि यह परंपरा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, पूरी दुनिया में यह पहुंच रहा है।अभिनेत्री ने ऑस्कर नामांकित निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ मनवत मर्डर्स में काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा वह बहुत ही अलर्ट व्यक्ति हैं। मैंने अपने जीवन में बहुत कम शालीन पुरुष देखे हैं और मुझे लगता है कि वह उनमें से एक हैं। वह एक अच्छे व्यवहार वाले इंसान हैं।मैंने उन्हें कभी भी निर्देशक की दृष्टि को निर्देशित करते या पूछते नहीं देखा और यह उनके बारे में अविश्वसनीय रूप से सुंदर बात है। उनकी कल्ट-क्लासिक फिल्म हंटरऴ को रिलीज हुए लगभग एक दशक हो गया है। फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने को बताया जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं तो आप वास्तव में नहीं जानते कि भविष्य में उस विशेष फिल्म के लिए क्या है?उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है। भले ही हंटर की रिलीज को नौ साल हो गए हों, हमारी टीम आज भी हर साल मिलती है। हम उस एक दिन के लिए पार्टी करते हैं, हम बस पुरानी यादों में वापस जाते हैं और उन यादों को फिर से जीते हैं।अभिनेत्री ने अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में भी बात की। ग्राउंड जीरोऴ और डब्बा कार्टेल के बारे में भी अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि ग्राउंड जीरोऴ लगभग तैयार है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। डब्बा कार्टेलऴ पोस्ट-प्रोडक्शन में है। यह प्रोजेक्ट वास्तव में खास है और मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।अभिनेत्री ने कहा मैं एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ तीसरी बार काम कर रही हूं। यह एक खूबसूरत प्रोडक्शन हाउस है। मैं इमरान हाशमी के साथ ग्राउंड जीरो में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं. रिश्ते बेहतर रहेंगे. छात्रों के लिए समय फेरबदल करने वाला हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा . इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज भविष्य के लिए आप निवेश की योजना बनाएंगे आपकी आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा व मान–सम्मान में वृद्धि होगी. अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर आपका उत्साह बढ़ा देगी. परिवार के लोगों के साथ इसे बांटना आपको उल्लास से भर देगा. एक–दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएं. काम का दबाव रहेगा. लेकिन जीवनसाथी की सहयोग से आप हर तनाव से दूर होंगे. अपने व्यवहार मे खुलापन रखें रिश्तों मे टकराव से बचेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सबसे पहले परिवार की जरूरतों को पूरा करना चाहिए जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा. छोटे बच्चों को कोई बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है. कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिये आगे आ सकते हैं. पैसों को लेकर आपकी चिंता दूर हो सकती है. आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं. सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खाना आपको परेशानी में डाल सकता है. बच्चों को शाम के समय मंदिर लेकर जाए अच्छे संस्कार आएगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई पुरानी सरकारी लेनदेन की फाईल वापस बाहर निकल सकती हैं आप मुश्किल मे आ सकते हैं वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी प्रकार की भावनात्मक भागीदारी और लंबी यात्रा से बचना चाहिए. परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति आप के लिए चिंता का विषय हो सकती है. सरकार या उच्च अधिकारियों से अच्छे समर्थन की उम्मीद न करें. शरीर के जोड़ों मे तकलीफ बनेगी ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप को दिया हुआ टारगेट जल्दी ही पूरा करेंगे आज आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की जरूरत है. जीवनसाथी के साथ उलझे किसी मामले को प्यार से सुलझा लिए जाने की संभावना है. उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे. किसी प्रिय व्यक्ति से मिलने का सुख मिलेगा. आज बच्चों को सावधानी से रखें मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं. सर्दी जुकाम जैसी समस्याए बनेगी

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं तो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से आप को आफर आ सकता हैं किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं. इस राशि के जो लेखक हैं, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है. माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद कर सकता है. आपको किसी काम में पड़ोसियां का भी सहयोग मिल सकता है. बच्चे आपसे अपनी कोई बात शेयर कर सकते हैं. आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए. लक्ष्मी जी का कनेर के पुष्प से पूजन करें आध्यात्मिक लाभ होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 30 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 01:17 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 09:43
योग : वैधृति प्रात: 08:49 तक
करण : वणिज दोपहर 01:17 तक
चन्द्र राशि : कन्या
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , नरक चतुर्दशी ,
भद्रा दोपहर 01:17 से रात्रि 02:36 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आपणो स्वस्थ राजस्थान बनाने की दिशा में राज्य सरकार अग्रसर : भजनलाल

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार आपणो स्वस्थ राजस्थान बनाने की दिशा में अग्रसर है। मंगलवार को नौवें आयुर्वेद दिवस के अवसर आयोजित प्रधानमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम में भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े श्री शर्मा ने भी सम्बोधित किया। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत राजस्थान में भी आठ क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का वर्चुअल शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम में श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश में आयुर्वेद को एक नया मुकाम मिला है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को गुण–वत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधायें मिलें और इलाज का खर्च कम से कम हो। इसी सोच के साथ देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिलने से निःशुल्क इलाज प्राप्त हो सकेगा, जिससे हमारे बुजुर्ग इलाज के लिये अब किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे। राज्य में बड़ी संख्या में बुजुर्गों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत आज राज्य में भरतपुर, धौलपुर, चूरू, बूंदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही, करौली और हनुमानगढ़ में क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का शिलान्यास किया गया है। इनकी स्थापना जिला अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालयों में की जा रही है। उन्होंने कहा कि आईसीयू बेड, ऑक्सीजन, वेंटीलेशन, ऑपरेशन थियेटर और अन्य आपातकालीन सुविधाओं से लैस इन ब्लॉक्स से राज्य में आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधायें सुदृढ़ होंगी। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिये 73 डे केयर पैकेज शामिल किये गये हैं। साथ ही, अन्य राज्यों की सर्वोत्तम पद्धतियों को योजनांतर्गत शामिल किया गया है, जिससे यह योजना आमजन के लिए अधिक लाभदायक तथा प्रभावी बनी है।उन्होंने कहा कि राज्य में 11 हजार 500 से अधिक स्वास्थ्य कल्याण केन्द्रों को आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों में परिवर्तित किया गया है। साथ ही, बुजुर्गों को सम्मान के साथ उपचार उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार ने 49 जिला चिकित्सालयों में रामाश्रय वार्ड शुरू किये हैं। इस अवसर पर श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को धनतेरस की बधाई देते हुये कहा कि यह पर्व हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। भौतिक समृद्धि के साथ उत्तम स्वास्थ्य होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि धन्वंतरि ने समाज को आयुर्वेद के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह कोली, डॉ. सुभाष गर्ग, डॉ. ऋतु बनावत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं आम लोग उपस्थित रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नौवें आयुर्वेद दिवस पर नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से देश को स्वास्थ्य क्षेत्र संबंधी 12 हजार 850 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी।

दस लाख रिक्तियों का संकल्प हो रहा है पूरा : शेखावत

जोधपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 में विभिन्न विभागों में 10 लाख रिक्तियों को भरने का जो संकल्प लिया था, वह पूरा होता जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को आयोजित वर्चुअल नियुक्ति–पत्र वितरण समारोह के तहत राजस्थान परिमंडल के डाक विभाग द्वारा जोधपुर में आयोजित रोजगार मेले में शामिल हुए श्री शेखावत ने कहा कि अब तक देशभर में आयोजित हो चुके 13 रोजगार मेलों के माध्यम से साढ़े आठ लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल सरकारी विभागों में खाली रिक्तियों को भर रही है, बल्कि कौशल विकास के माध्यम से भी उद्योग और स्वरोजगार के क्षेत्र में भी नए अवसर पैदा कर रही है, जिसके लिए मुद्रा योजना के साथ–साथ अन्य योजनाओं के माध्यम से युवाओं को लाभ पहुंचाया जा रहा है। अब तक लगभग 47 करोड़ युवा इन योजनाओं का लाभ उठा चुके हैं।

श्री शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खादी को भी काफी बढ़ावा दिया है, जिससे न केवल खादी की गुण–वत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि डिजाइन में भी बदलाव आया है, जिससे खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की बिक्री एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद जहां पूरी दुनिया आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही थी, वहीं श्री मोदी ने उसी दौर में देश में आधारभूत ढांचे को बढ़ावा दिया, जिससे रोजगार के कई अवसर सामने आए और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश भी बढ़ा। श्री शेखावत ने कहा कि जब आयुष, समृद्धि और ऐश्वर्य के दिन धनतेरस को प्रधानमंत्री ने 51 हजार 236 लोगों को रोजगार का नियुक्ति–पत्र सौंपा, तो यह निश्चित ही रोजगार पाने वाले लोगों के परिजनों के लिये अपार खुशी का दिन है। जोधपुर के स्थानीय पीजी कॉलेज में भी आज 112 अभ्यर्थियों को नियुक्ति–पत्र सौंपे गये।

उन्होंने कहा कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौर में रोजगार हासिल करने के लिये पर्ची–खर्ची की व्यवस्था थी, जिसे बीजेपी सरकार ने पूरी तरह बदल दिया है। अब पारदर्शिता के साथ नौकरियां मिल रही हैं। श्री शेखावत ने कहा कि श्री मोदी ने एक लेवल तक की नौकरियों में, साक्षात्कार व्यवस्था तक खत्म कर दी है, क्योंकि ऐसी नौकरियों में भाई–भतीजावाद चलता था, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता समाप्त हो जाती थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में पारदर्शिता बढ़ी है और युवाओं को प्रतिभा के अनुसार नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भजनलाल सरकार ने राइजिंग राजस्थान के तहत एक बड़ा बीड़ा उठाया है। अब तक करीब 15 लाख करोड़ के करार पर हस्ताक्षर किये गये हैं। जब ये योजनायें धरातल पर उतरेंगी तो निश्चित ही रोजगार के बहुत सारे अवसर पैदा होंगे और राजस्थान में भी युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप काम करने का अवसर मिलेगा।

बस पुलिया से टकराई, 11 लोगों की मौत, 33 घायल

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में मंगलवार दोपहर एक तेज रफ्तार निजी बस पुलिया से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई तथा 33 से अधिक घायल हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने बताया कि यात्रियों से भरी यह निजी बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी कि लक्ष्मणगढ़ में तेज रफ्तार बस संतुलन बिगड़ने पर पुलिया से जा टकराई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर मौत हो गयी जबकि छह अन्य यात्रियों की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है तथा 33 यात्री घायल हुए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा और पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण सहित सभी आला अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों के बारे में जानकारी ली। हादसे में घायल लोगों को लक्ष्मणगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यमुनानगर में चलती कार में लगी आग गाड़ी सवारों ने कूदकर बचाई जान

यमुनानगर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में एक चलती कार में आग लग गई। यमुनानगर के खंड प्रतापनगर के गांव तिहमों के पास चलती कार में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते गाड़ी से आग की लपटें उठने लगी। चंद मिनटों में ही कार धू–धू कर जलने लगी। घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। गनीमत रही चालक व उसके अन्य साथी समय रहते कार से बाहर कूद गए। अपने सामने अपनी कार को जलता देख मालिक भावुक को उठा। अन्य लोगों ने उसको संभाला।

जानकारी के अनुसार मोहम्मद अहसान निवासी बेहट अपने अन्य साथियों के साथ लेदी में एक शादी समारोह में जा रहा था। गांव तिहमों के सामने सड़क पर अचानक से उसकी कार में धुआं उठने लगा। राहगीरों ने उसको बताया कि कार में धुआं उठ रहा है। कार चालक आनन–फानन में अपने साथियों के साथ कार से बाहर कूद गया। देखते ही देखते कार धू–धू कर जलने लगी।

अहसान ने बताया कि उसकी स्कोडा गाड़ी की वायरिंग में अचानक से धुआं उठने लगा। जिससे कार में आग लग गई। गनीमत रही वह समय रहते कार से बाहर निकल गए वरना बड़ा हादसा हो जाता है। उधर, बीच सड़क में अचानक से कार में लगी आग की वजह से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। लगभग 1 घंटे तक सड़क जाम रही। इस दौरान राहगीर जलती कार की वीडियो बनाने लगे। मौका पर पहुंची डायल 112 ने रास्ता खुलवाया।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में श्री कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने किया बड़ा निवेश

हैदराबाद/जयपुर, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान में चल रहे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में अलग–अलग सेक्टर के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश के एमओयू साइन किए गए हैं। इसमें खास बात ये है कि राजस्थान सरकार ने कृषि और इससे जुड़े सेक्टर के लिए 19500 करोड़ रुपये के एमओयू पर दस्तखत हुए। राइजिंग राजस्थान के एग्रीकल्चर प्री–समिट में 862 निवेशकों ने एमओयू पर साइन किए हैं। इसमें एग्रीकल्चर मार्केटिंग, हॉर्टिकल्चर, फिशरीज, ऑर्गेनिक फार्मिंग, पशुपालन, डेयरी और कोऑपरेटिव सेक्टर शामिल हैं। इस मामले में हैदराबाद बेस्ड यूनिकॉर्न कंपनी इंजोरियल बायोमैड ने भी एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़ा निवेश किया है। कंपनी की सीएमडी और प्रसिद्ध उद्यमी भगवती बल्दवा ने प्रसिद्ध

दानदाता एवं उद्योगपति महेश बल्दवा की मौजूदगी में राजस्थान सरकार के साथ यह एमओयू साइन किया। इंजोरियल बायोमैड एक प्रमुख बायोटेक्नोलॉजी कंपनी है, जो प्राकृतिक हर्बल उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी खास तौर पर अपने प्रीमियम उत्पाद केएसएम–66 अश्वगंधा के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। जो दुनिया में सबसे उच्च–गुणवत्ता और उच्च–शक्ति वाला अश्वगंधा एक्सट्रैक्ट माना जाता है।राइजिंग राजस्थान के एग्रीकल्चर प्री–समिट के मौके पर भगवती बल्दवा ने कहा कि राजस्थान सरकार ईज ऑफ बिजनेस पर फोकस कर रही है। प्रवासी राजस्थानी होने के नाते अपनी जड़ों को मजबूत करने के लिये हमारी कंपनी ने राजस्थान सरकार के आमंत्रण पर निवेश किया है। आने वाले वक्त में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होने वाला है। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान में देश और दुनिया से निवेशकों को आमंत्रित किया है। राइजिंग राजस्थान एक बड़ा बहुत अभियान है। जिसमें प्रवासी राजस्थानियों को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिये।इस मौके पर उद्योगपति महेश बल्दवा ने कहा कि श्री कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज और राजस्थान सरकार की भागीदारी से राज्य में नए औद्योगिक विकास का रास्ता खुलेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में नया आगाज होगा। राजस्थान कृषि प्रधान प्रदेश है, जहां के लोग खेती–बाड़ी पर ज्यादा निर्भर हैं। लिहाजा एग्रीकल्चर सेक्टर में निवेश से आयुर्वेदिक सप्लाई चेन दुरुस्त होगी। राजस्थान के जोधपुर, कोटा, गंगानगर, अलवर और बीकानेर में 5 एग्रो–फूड पार्क, जयपुर, जोधपुर और टोंक में तीन एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर बनने और राजस्थान एग्री इंफ्रा स्ट्रक्चर में निजी निवेश से प्रदेश की काया पलट होने वाली है। राइजिंग राजस्थान एग्रीकल्चर प्री–समिट में कृषि से जुड़े लगभग हर सेक्टर में निवेश की संभावना बढ़ी है।

एमएसपी पर धान की खरीद न कर किसान आंदोलन का बदला ले रही केंद्र सरकार : सुरजेवाला

चंडीगढ़, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

धान की खरीद को लेकर कांग्रेस ने पंजाब और हरियाणा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि दोनों राज्यों के किसानों को किसान आंदोलन की सजा दी जा रही है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं देना पड़े, इसके लिए धान की खरीद और किसानों के रजिस्ट्रेशन में आधी से ज्यादा कटौती कर दी है। सुरजेवाला का आरोप, पिछले साल के मुकाबले दोनों राज्यों में 82. 88 लाख टन कम धान खरीदा है। सुरजेवाला मंगलवार को यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में एमएसपी पर खरीद के लिए 4 लाख 19 हजार 532 किसानों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें केवल 1 लाख 33 हजार 114 किसानों की फसल खरीदी हुई है, जबकि दो लाख 86 हजार 418 किसान अभी तक वंचित हैं। प्रदेश में पिछले साल हुई 58.92 लाख टन धान की खरीद के मुकाबले इस साल अभी तक 37.23 लाख टन धान खरीदा गया है, जबकि धान खरीद 15 नवंबर को बंद हो जाएगी।

सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पिछले पांच साल फर्टिलाइजर, फूड और फ्यूल सब्सिडी में तीन लाख 30 हजार करोड़ रुपये की कटौती कर दी है। साल 2020–21 में सब्सिडी सात लाख 58 हजार 165 करोड़ रुपये थी, जिसे चालू बजट में चार लाख 28 हजार 423 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पिछले दो साल में ही फूड सब्सिडी में 78 हजार करोड़ रुपये की कटौती कर दी गई है।

इसी तरह पंजाब में पिछले साल हुई 1.11 करोड़ टन धान खरीद के मुकाबले इस बार अभी तक 49.84 लाख टन धान खरीदा गया है। यानी कि पिछले साल के मुकाबले में अब तक आधी खरीद भी नहीं हुई। रजिस्टर्ड किसानों की संख्या भी सात लाख 98 हजार से घटकर तीन लाख 22 हजार रह गई है। राष्ट्रीय स्तर की बात करें तो 19 प्रांतों में एमएसपी पर धान बेचने के इच्छुक किसानों की संख्या एक करोड़ 11 लाख से घटकर 51 लाख 20 हजार रह गई है। धान खरीद भी सात करोड़ 19 लाख टन के मुकाबले अभी तक 92 लाख 46 हजार टन हुई है।

अजमेर के विकास में पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी : देवनानी

अजमेर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अजमेर के विकास के लिये पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। श्री देवनानी मंगलवार को यहां अपने अजमेर उत्तर विधानसभा के कोटड़ा क्षेत्र में 26 करोड़ रुपये की लागत से 50 शैय्या वाले राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय के भवन का भूमि पूजन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।उन्होंने कहा कि पुराना अजमेर, हमारी धरोहर है, लेकिन अब हम न्यू अजमेर की कल्पना को धरातल पर लायेंगे। इसके लिये योजना बनाने के अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास में पैसे की कमी नहीं आने दी जायेगी, पैसे की चिन्ता कोई न करे। उन्होंने कहा कि योजना बनाये और उसे धरातल तक पहुंचाये, यही ध्येय होना चाहिए। श्री देवनानी ने अजमेर को चिकित्सा, शिक्षा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकसित करने की बजट में 1500 करोड़ रुपये की घोषणा का जिक्र भी किया। आयुर्वेद विश्वविद्यालय एक बड़ी और बहुउपयोगी योजना है। उन्होंने पत्रकार कालोनी की पहाड़ी पर स्थित विवेकानंद स्मारक पर 12 जनवरी 2025 तक स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति स्थापित करने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के नाम पर करोड़ों की ठगी का भंडाफोड़

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा के कतरीसराय में पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और कुसुम योजना के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर रहा था। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर डीएसपी राजगीर सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और कतरीसराय थाने की टीम ने अहियाचक गांव में छापामारी की।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान देवजीत कुमार उर्फ देवा, चिराग पासवान, बिक्की साव और मनोज कुमार के रूप में की गई है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है, जबकि गिरोह के तीन सदस्य अब भी फरार हैं। पुलिस छापामारी में साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए छह लैपटॉप, नौ एंड्रॉयड मोबाइल, 14 कीपैड मोबाइल, एक प्रिंटर मशीन, तीन एटीएम कार्ड, 1.57 लाख रुपये नकदी, दो पासबुक, एक चेकबुक और ग्राहकों के मोबाइल नंबरों की नौ कॉपियां बरामद की हैं।

गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और कुसुम योजना के नाम पर फर्जी विज्ञापन जारी करते थे। इन विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को आसान लोन और सस्ते सोलर पंप प्रदान करने का झांसा दिया जाता था। जब लोग इस योजना के तहत लोन या अन्य सुविधाओं के लिए संपर्क करते थे, तो उनसे पंजीकरण शुल्क या अन्य शुल्क के नाम पर बड़ी रकम ऐंठी जाती थी।

जांच के दौरान पता चला कि इन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों से धोखाधड़ी की कई शिकायतें साइबर पुलिस पोर्टल पर दर्ज हैं। इस गिरोह की गतिविधियों से कई राज्यों के लोग ठगी का शिकार बने हैं।

इस मामले में तीन अन्य आरोपी फरार हैं, जिनमें धनंजय साव उर्फ धनंजय कुमार, अनुज कुमार उर्फ अनुज साव और आलोक रंजन उर्फ देवशीष कुमार शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कतरीसराय थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी अभियान जारी है।

थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने आम लोगों से अपील की है कि वे ऐसे लुभावने विज्ञापनों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। छापामारी में दारोगा गुरुदेव खड़िया, आदित्य कुमार, रुदल पासवान और सशस्त्र पुलिस बल शामिल रहे, जिन्होंने कुशलतापूर्वक इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर के आवास से छापामारी में शराब और नकदी बरामद, आरोपी फरार

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में तैनात आरपीएफ इंस्पेक्टर पंकज गुप्ता के आवास पर मंगलवार को एएसपी शिखर गुप्ता के नेतृत्व में छापामारी की गई। इस दौरान 16.5 लीटर विदेशी शराब और एक लाख रुपये नकदी बरामद की गई। नगर थाना पुलिस के सहयोग से की गई इस कार्रवाई के दौरान आरोपी इंस्पेक्टर पंकज गुप्ता फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, छापामारी में घर से कुल 22 बोतल शराब बरामद हुई। इनमें से आठ बोतलें पुलिस को देख खिड़की से बाहर फेंकी गई थीं। दरअसल, एसपी स्वर्ण प्रभात को सोशल मीडिया पर एक सूचना मिली थी कि पंकज गुप्ता के घर की ऊपरी मंजिल पर शराब का अवैध कारोबार होता है। इसी सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई, जिसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर फरार हो गए।

गौरतलब है कि एसपी द्वारा शुरू की गई वाट्सऐप शिकायत व्यवस्था के तहत लोगों से मिली सूचना के आधार पर इस छापामारी को अंजाम दिया गया है। इंस्पेक्टर पंकज गुप्ता के आचरण को लेकर पहले से ही संदेह व्यक्त किया जाता रहा है। उनके अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ भी उनके संबंधों में खटास की बात सामने आई है। पुलिस अब फरार इंस्पेक्टर को गिरफ्तार करने के लिए आगे की छापामारी कर रही है।

सड़क हादसे में दो शिक्षकों की मौत विद्यालय जाने के दौरान वाहन ने कुचला

पटना (एजेंसियां)।

मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन पर अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से दो शिक्षकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतकों की पहचान मोर निवासी राजेश कुमार और बरहपुर निवासी देवनंदन यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि राजेश कुमार और देवनंदन यादव ग्वासा शेखपुरा मध्य विद्यालय में पदस्थापित थे।

दोनों एक साथ एक ही बाइक पर सवार होकर ग्वासा शेखपुरा मध्य विद्यालय जा रहे थे। इसी बीच नये फोरलेन पर तेज गति से झारखंड से पटना जा रही इनोवा गाड़ी ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही मोकामा और घोसवरी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को भी जब्त कर लिया है। हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंच गए ।इस हादसे के बाद मोर और बरहपुर गांव मातम में डूब गया है।

पटना मेट्रो के निर्माणाधीन टनल में बड़ा हादसा, लोको पायलट समेत दो की मौत

पटना (एजेंसियां)।

चलती ट्रेन का जैसे ब्रेक फेल होता है, कुछ उसी तरह का हादसा पटना मेट्रो के निर्माणाधीन टनल में हुआ। पटना विश्वविद्यालय रूट पर हुए इस हादसे में एक की मौके पर मौत हो गई, जबकि छह को अस्पताल ले जाया गया।

छह घायलों में से एक की मौत अस्पताल में हो गई। सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाले हाइड्रोलिक लोको का ब्रेक फेल होने के कारण यह हादसा हुआ। अशोक राजपथ पर एनआईटी मोड़ के पास टनल में जिस समय हादसा हुआ, करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। काम के समय पटना मेट्रो के किसी अधिकारी के नहीं होने की बात कहते हुए मजदूरों ने इस दुर्घटना के बाद जमकर हंगामा किया।

हादसा रात दस बजे के आसपास टनल के अंदर हुआ, जबकि बाहर इसकी सूचना आने में एक घंटे से ज्यादा का समय लग गया। इसके बाद पहले पुलिस पहुंची, फिर आधी रात से बचाव कार्य शुरू हो सका। अशोक राजपथ पर पटना मेट्रो के लिए सुरंग बनाने का काम कर रहे दो मजदूरों को बाहर निकालने में सफलता मिली। पटना पुलिस ने बताया कि दो घायल व्यक्तियों को झचउक में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक मजदूर और लोको पायलट शामिल है। मजदूरों ने बताया कि हादसे के वक्त टनल में 25 अधिक लोग काम कर रहे थे। काम कर रहे मजदूरों ने कहा कि अचानक लोको का ब्रेक फेल हुआ और जिसके कारण घटना हुई।

पटना मेट्रो के किसी निर्माणाधीन स्थल पर यह अब तक का सबसे बड़ा हादसा है। मौत पहले भी हो चुकी है, लेकिन टनल में काम के दौरान तकनीकी खामी के कारण इस तरह का हादसा पहले नहीं हुआ था। मजदूर समेत लोको पायलट रात आठ बजे से सुबह आठ बजे की शिफ्ट में रोज की तरह काम कर रहे थे। इसी दौरान सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाले लोको का ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित हुआ हाइड्रोलिक लोको एक जगह पर जाकर रुका तो मजदूरों में अफरातफरी मच गई। ओडिशा निवासी लोको पायलट का शरीर टुकड़े में बंटा देख चीख-पुकार मच गई। घायल होने से बचे मजदूरों ने ही अपने साथियों को टनल से बाहर निकाला। छह मजदूर अस्पताल ले जाए गए। पटना मेट्रो के आधिकारिक बयान के अनुसार रात ढाई बजे तक दो की मौत हुई है, जबकि पांच का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एनएच पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंदा, दो लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

जहानाबाद के लिए धनतेरस की सुबह बड़ा हादसा हुआ है। तेज रफ्तार से जा रही हाईवा गाड़ी ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल डाला जिससे दोनों लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई घटना के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों ने हाईवे कुचालक सहित पड़कर नगर थाना के पुलिस को सौंप दिया।

गया पटना एनएच 83 पर एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक पर सवार दो लोगों को टक्कर मार दी, इस हादसे में दोनों लोगों की मौत हो गई। घटना भंवरिया पुल के पास की है। मृतक की पहचान अशोक शर्मा और देवेंद्र शर्मा के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि दोनों बाइक पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में अशोक शर्मा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि देदेंद्र शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत सदर

अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। लोगों ने तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस को इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर ट्रक को जब्त कर लिया और ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया है।

परिजनों का आरोप है कि हादसा ट्रक ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुआ है। स्थानीय लोगों ने लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंतित हैं और मांग कर रहे हैं कि तेज रफ्तार पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। नगर थानाध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा ने बताया हाईवा ने बाइक पर सवार दो लोगों को कुचल दिया। जिसमें दोनों की मौत हो गई। पुलिस ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों सबों को पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है बताया जाता है कि किसी काम से दोनों व्यक्ति बाइक से जा रहे थे कि तेज रफ्तार से जा रही है हाईवा गाड़ी में जोरदार धक्का मारा जिससे दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

स्वर्ण व्यवसायी से हथियार के बल पर नकदी-ज्वेलरी की लूट

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले के सिमरी थानाक्षेत्र में बीती रात एक स्वर्ण व्यवसायी से हथियार के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। यह घटना धुलकरा श्मशान घाट के पास हुई, जहां बाइक सवार तीन अपराधियों ने व्यवसायी को घेरकर एक लाख रुपये नकदी और ज्वेलरी लूट ली। लुटेरों ने डराने के लिए फायरिंग भी की, जिसके कारण क्षेत्र में दहशत फैल गई।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित व्यवसायी अमरनाथ प्रसाद सिंहवाड़ा बाजार स्थित अपनी दुकान सुदामा ज्वेलर्स बंद करके घर लौट रहे थे। तभी बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। अमरनाथ प्रसाद ने अपराधियों से

बचने के लिए अपनी बाइक तेज चला कर दूर तक भागने की कोशिश की। लेकिन धुलकरा श्मशान घाट के पास अपराधियों ने उनकी बाइक को रोक लिया और हवाई फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों ने व्यवसायी से डिक्की की चाबी छीन ली और उसमें रखे एक लाख रुपये तथा ज्वेलरी लेकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही सिमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर जांच शुरू की। पुलिस को वहां से एक खोखा भी बरामद हुआ, जिसे फायरिंग का सबूत माना जा रहा है। पुलिस दिन में भी घटनास्थल के आसपास जांच कर रही है।

अमरनाथ प्रसाद ने बताया कि घटना के दौरान अपराधियों ने उन्हें डराने के लिए लगातार फायरिंग की और उनकी दुकान की बिक्री की रकम और ज्वेलरी लूट ली। अमरनाथ प्रसाद ने तुरंत सिमरी थाने में सूचना दी, जिसके बाद पुलिस जांच में जुटी है।

सिमरी थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शीघ्र ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा और अपराधियों को पकड़ा जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय व्यवसायियों और नागरिकों में भय का माहौल है। पुलिस द्वारा सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद की जा रही है।

युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

छठ महापर्व के लिए मुंबई से घर लौट रहे युवक की ट्रेन से गिरने के कारण मौत हो गई। यह घटना बगहा पुलिस जिले के खौरपोखरा के पास पोल संख्या 284/3 के पास की बताई जा रही है। मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल थानाक्षेत्र के चैनपुर निवासी हरिराम पटेल के बेटे वीरेंद्र पटेल (22) के रूप में हुई है।

प्रधान आयकर आयुक्त सहित कुल पांच को सीबीआई ने किया चार्जसीट, रिश्वत लेते हुए हुई थी गिरफ्तारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना में सीबीआई की टीम ने पटना और धनबाद के तत्कालीन प्रधान आयकर आयुक्त सहित कुल पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सीबीआई की टीम ने इस मामले को लेकर 26 अगस्त 2024 को प्राथमिकी दर्ज कर करवाई थी।

इस संबंध में सीबीआई की टीम ने बताया कि आरोपी तत्कालीन प्रधान आयकर आयुक्त संतोष कुमार को एक व्यक्ति से दस लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था।

सीबीआई के अनुसार संतोष कुमार पटना आयकर भवन स्थित अपने कार्यालय में 10 लाख रुपये घूस की राशि ले रहे थे। तभी पूर्व से मिले सूचना के आधार पर उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था।

फिलहाल सीबीआई आगे की कार्रवाई कर रही है। उन आरोपियों में तत्कालीन प्रधान आयकर आयुक्त (पीसीआईटी) संतोष कुमार, गुरपाल सिंह, गुरपाल सिंह (निजी व्यक्ति), राजीव कुमार उर्फ़ चीकू (निजी व्यक्ति), अशोक चौरसिया (निजी व्यक्ति) और डॉ. प्रणय पुरबे (निजी व्यक्ति) शामिल हैं। फिलहाल सीबीआई की टीम उन आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com